मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.1	27.1
जमशेदपुर	34.1	25.0
डालटनगंज	32.8	24.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, सोमवार 12 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 125

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एक बार फिर सेबी-अडानी पर हिंडनबर्ग का अटैक -क्या आज फिर आएगा शेयरों में भूचाल?

सेबी चीफ के फर्म की है बंपर कमाई!

लगातार न्यूज नेटवर्क। दिल्ली

हिंडनबर्ग रिसर्च की ताजा रिपोर्ट ने भारत में एक बार फिर हंगामा खड़ा कर दिया है. इस बार उसका निशाना सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) की प्रमुख माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच हैं. हिंडनबर्ग ने रिपोर्ट में दावा किया कि सेबी प्रमुख व उनके पति ने मॉरीशस की उसी ऑफशोर कंपनी में निवेश किया है, जिससे ग्रुप की कंपनियों में निवेश करवा कर अडानी ने लाभ उठाया था. हिंडनबर्ग का आरोप है कि उसने जनवरी 2023 में अडानी ग्रुप पर जो खुलासा किया, उस पर सेबी ने अभी तक कार्रवाई नहीं की. आरोप है कि यह जांच केवल इसलिए नहीं की गई क्योंकि सेबी प्रमुख और अडानी ग्रुप के हित एक-दूसरे से जुड़े हुए थे.

रिपोर्ट के मुताबिक, बुच और उनके पति ने बरमूडा और मॉरीशस में अस्पष्ट विदेशी कोषों में अघोषित निवेश किया था. ये वही कोष हैं जिनका विनोद अडानी ने पैसों की हेराफेरी करने व अपनी कंपनियों के शेयरों की कीमतें बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया. विनोद अडानी, अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी के बड़े भाई हैं. आरोप है कि सेबी प्रमुख ने अपने शेयर पति को ट्रांसफर किए. अप्रैल 2017 से मार्च 2022 के दौरान वो सेबी की सदस्य व प्रमुख थीं. उनका सिंगापुर में अगोरा पार्टनर्स नाम से कंसलटिंग फर्म में 100% स्टेक था. 16 मार्च 2022 को सेबी चीफ नियुक्ति किए जाने से दो हफ्ते पहले उन्होंने अपने शेयर्स पति के नाम पर ट्रांसफर कर दिए. सेबी चीफ की सैलरी से कई गुना ज्यादा उनकी फर्म की कमाई है. इसमें उनकी 99% हिस्सेदारी है. अब नजरें सोमवार को शेयर बाजार पर लगी हैं कि क्या फिर भूचाल आएगा. हालांकि बाजार के विशेषज्ञों ने इससे इन्कार किया है. कहा है बाजार पर असर नहीं होगा.

हिंडनबर्ग का आरोप-सेबी धोखेबाजों को बचा रहा

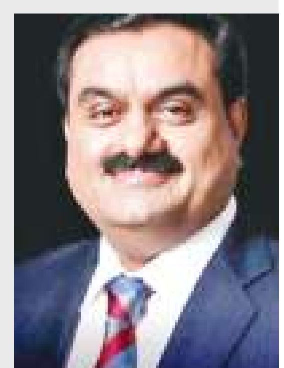

2015 में बुच दंपती ने किया था निवेश

हिंडनबर्ग ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि माधवी और उनके पति ने ऑफशोर इकाइयों में निवेश किया, जो कथित तौर पर इंडिया इन्फोलाइन (आईआईएफएल) द्वारा प्रबंधित फंड का हिस्सा थे और उसमें विनोद अडानी ने भी निवेश किया था. हिंडनबर्ग के मुताबिक, कथित तौर पर ये निवेश 2015 में किए गए थे. वर्ष 2017 में सेबी के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में माधवी पुरी बुच की नियुक्ति और मार्च 2022 में इसका चेयरपर्सन बनने से काफी पहले ये निवेश किए गए थे. इसके मुताबिक, बरमूडा स्थित ग्लोबल ऑपर्च्युनिटीज फंड भी इस फंड में निवेश करने वालों में शामिल था. अडानी समूह से जुड़ी इकाइयों द्वारा समूह की कंपनियों के शेयरों में कारोबार के लिए कथित तौर पर ग्लोबल ऑपर्च्युनिटीज फंड का ही इस्तेमाल किया गया था.

ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी

निवेश कंपनी ने 'व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों' का हवाला देते हुए कहा, "सेबी की वर्तमान प्रमुख बुच और उनके पति के पास अडानी समूह में धन के हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए दोनों अस्पष्ट ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी. विदेशी बाजारों में निवेश करने वाले फंड को ऑफशोर फंड या विदेशी कोष कहते हैं. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विनोद अडानी अस्पष्ट विदेशी कोष बरमूडा और मॉरीशस कोषों को नियंत्रित करते थे. हिंडनबर्ग का आरोप है कि इन कोषों का इस्तेमाल धन की हेराफेरी करने और समूह के शेयरों की कीमतें बढ़ाने के लिए किया गया था. हिंडनबर्ग ने कहा कि सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और उनके पति ने विदेश में स्थित उन इकाइयों में निवेश किया, जो कथित तौर पर इंडिया इन्फोलाइन द्वारा प्रबंधित एक फंड का हिस्सा थे और उसमें अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी के बड़े भाई विनोद अडानी ने भी निवेश किया था.

– शेष पेज 07 पर

राहुल गांधी ने सरकार से पूछे तीन बड़े सवाल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर वीडियो मैसेज जारी कर इस मामले में तीन बड़े सवाल पूछे हैं. उन्होंने कहा, छोटे खुदरा निवेशकों की संपत्ति की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले सेबी ने चीफ के खिलाफ लगे गंभीर आरोपों से समझौता किया है. देशभर के ईमानदार निवेशकों के पास सरकार से महत्वपूर्ण प्रश्न हैं. राहुल गांधी ने जो तीन सवाल दागे, वे इस प्रकार हैं... सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच ने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया? अगर

निवेशक गाढ़ी कमाई खो देते हैं, तो किसे जवाबदेह ठहराया जाएगा...पीएम मोदी, सेबी अध्यक्ष, या गौतम अडानी? बेहद गंभीर आरोपों के सामने आने के बाद क्या अब सुप्रीम कोर्ट एक बार फिर इस मामले में स्वतः संज्ञान लेगा?

कांग्रेस सांसद के मुताबिक, अब बिल्कुल साफ हो गया है कि पीएम नरेंद्र मोदी जेपीसी जांच से इतने डरे हुए क्यों हैं और इससे क्या खुलासा हो सकता है. राहुल ने जो वीडियो शेयर किया, उसमें शुरुआत में उन्होंने उस क्रिकेट मैच के अंपायर का जिक्र भी किया जो कम्प्रोमाइज होता है. उन्होंने सवाल उठाया और उदाहरण देते हुए कहा कि जब इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले बड़े इंटरनेशनल मैच का अंपायर ही कंप्रोमाइज होगा तब उस मैच का क्या होगा!

रिपोर्ट पर सियासत शुरू, अडानी ग्रुप और सेबी प्रमुख ने दी सफाई, कहा

ये बदनाम करने की शरारतपूर्ण साजिश

नयी दिल्ली। अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने संदेह जताया है कि अडानी समूह के खिलाफ कार्रवाई करने में पूंजी बाजार नियामक सेबी की अनिच्छा का कारण सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच और उनके पति की अडानी समूह से जुड़े विदेशी कोष में हिस्सेदारी हो सकती है. हालांकि सेबी प्रमुख ने इस आरोप को आधारहीन और चरित्र हनन का प्रयास बताया है. उन्होंने कहा, समय आने पर मैं इसका जवाब दूंगी. सेबी प्रमुख और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है. बुच दंपती ने कहा, रिपोर्ट में लगाए गए आरोप पूरी तरह से आधारहीन और बेबुनियाद हैं. इनमें तनिक भी सच्चाई नहीं है. हमारा जीवन और वित्तीय स्थिति एक खुली किताब की तरह है. सभी जरूरी खुलासे पहले ही वर्षों से सेबी को दिये जा चुके हैं. हमें किसी भी वित्तीय दस्तावेज का खुलासा करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है. बुच ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस हिंडनबर्ग रिसर्च के खिलाफ सेबी ने प्रवर्तन कार्रवाई की है और कारण बताओ नोटिस जारी किया है, उसी के जवाब में हमें ही घेरने और चरित्र हनन करने का प्रयास किया गया है. हालांकि बुच दंपती ने अडानी समूह के खिलाफ सेबी की जांच को लेकर हिंडनबर्ग की तरफ से लगाए गए आरोपों पर कुछ नहीं कहा है. लेकिन उन्होंने कहा कि नियत समय में एक विस्तृत बयान जारी किया जाएगा.

अडानी समूह ने भी किया सभी आरोपों को खारिज

इस बीच, अडानी समूह ने भी अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के नवीनतम आरोपों को दुर्भावनापूर्ण और चुनिंदा सार्वजनिक सूचनाओं से छेड़छाड़ करने वाला बताते हुए रविवार को कहा कि उसका बाजार नियामक सेबी की चेयरपर्सन या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है. अडानी समूह ने शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा, हिंडनबर्ग के नए आरोप सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचनाओं का दुर्भावनापूर्ण, शरारती और छेड़छाड़ करने वाला चयन है. ऐसा तथ्यों और कानून की अवहेलना करते हुए निजी मुनाफाखोरी के लिए पूर्व-निर्धारित निष्कर्षों पर पहुंचने के इरादे से किया गया है. समूह ने कहा, हम अडानी समूह के खिलाफ इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं. ये उन अस्वीकार किए जा चुके दावों का दोहराव हैं जिनकी गहन जांच की गई है, जो निराधार साबित हुए हैं और जनवरी, 2024 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहले ही खारिज कर दिए गए हैं.

विपक्ष बोला- खुली सांठ-गांठ की पोल, जेपीसी से जांच हो

हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट आने के बाद सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई है. पक्ष-विपक्ष आमने सामने आ गया है. कांग्रेस, टीएमसी, द्रमुक, सपा, राजद और आम आदमी पार्टी ने सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है. कांग्रेस समेत संपूर्ण विपक्ष ने केंद्र से अडानी समूह की नियामकीय जांच में हितों के सभी टकरावों को खत्म करने के लिए तुरंत कार्रवाई करने की मांग की है. मुख्य विपक्षी दल ने देश के शीर्ष अधिकारियों की कथित मिलीभगत का पता लगाने और घोटाले की पूरी जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की भी मांग की है. हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट आने के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, सेबी ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष मोदी जी के परम मित्र अडानी को हिंडनबर्ग के जनवरी 2023 के खुलासों में क्लीन चिट दी थी. अब उसी सेबी की मुखिया के तथाकथित वित्तीय रिश्ते उजागर हुए हैं. मध्यम वर्ग से संबंधित छोटे और मध्यम निवेशकों, जो अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में निवेश करते हैं, उनको संरक्षित करने की आवश्यकता है, क्योंकि वे सेबी में विश्वास करते हैं. जब तक इस महा-घोटाले में जेपीसी जांच नहीं होगी, तब तक मोदी जी अपने ए1 मित्र की मदद करते रहेंगे और देश की संवैधानिक संस्थाएं तार-तार होती रहेंगी.

भाजपा बोली: कांग्रेस का विदेशी संस्थानों से याराना

इसपर अब भाजपा ने पलटवार किया है. उसका कहना है कि कांग्रेस ने पिछले 10 वर्षों में झूठ की राजनीति की रणनीति अपनाई है. साथ ही कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और विदेशी संस्थाओं के बीच के याराना के बारे में भी सवाल खड़ा किया. भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, पिछले कुछ सालों से जब भी संसद सत्र शुरू होता है, तब विदेश में कोई न कोई रिपोर्ट जारी हो जाती है. पीएम मोदी पर डॉक्यूमेंट्री संसद सत्र से ठीक पहले जारी की गई थी. हिंडनबर्ग की रिपोर्ट संसद सत्र से ठीक पहले जनवरी में आई थी. ये सभी घटनाक्रम संसद सत्र के दौरान होते हैं. विपक्ष के विदेशों के साथ ऐसे तार जुड़े हैं जो भारत के हर संसद सत्र के दौरान अस्थिरता और अराजकता पैदा करते हैं. उन्होंने कहा,''वे भ्रम के माध्यम से भारत में आर्थिक अराजकता पैदा करना चाहते हैं. अब वे सेबी पर हमला कर रहे हैं. कांग्रेस पिछले 30-40 सालों से विदेशी कंपनियों के साथ क्यों खड़ी है? वह यूनियन कार्बाइड के साथ क्यों खड़ी हुई? मैं पूछना चाहता हूं कि विदेशी संस्थानों से यह कौन सा याराना है कि भारत की आर्थिक संस्था के हर विषय के ऊपर आपका निशाना है.

हमें अब पता चला कि आखिर हमारी चिट्ठियों पर कोई जवाब क्यों नहीं दिया गया. वो संज्ञान में क्यों नहीं ली गईं, हम्माम में सब नंगे हैं.– **प्रियंका चतुर्वेदी**, शिवसेना (यूबीटी)

ये कुछ अटलकें और अनुमान हैं. जिन्हें सच्चाई के कुछ अंशों के साथ जोड़ा जा रहा है. इसके पीछे एक खास योजना है. रिपोर्ट निराधार है.– **राजीव चंद्रशेखर**, भाजपा

देखिए, कैसे हमारे सिस्टम में धांधली की गई है. बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार को छिपाने की कोशिश की गई है. सेबी खुद साफ नहीं है.– **मनोज झा**, राजद

रिपोर्ट की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए. इस मामले की जेपीसी से जांच कराई जाए. अगर सेबी पाक-साफ है, तो उसे किस बात का डर है.– **मनीष तिवारी**, कांग्रेस

सेबी की कुर्सी पर चोर बैठे हैं. पीएम मोदी तुरंत सेबी चीफ से इस्तीफा लें. जांच एजेंसियां इस मामले की गहराई से जांच-पड़ताल करें.– **अखिलेश यादव**, सपा

यह एक तरह से सेबी का टकराव और कब्जा दोनों है. सेबी चीफ अडानी ग्रुप में निवेशक हैं. इस मामले की एजेंसियां जांच करें.– **महुआ मोइत्रा**, टीएमसी

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,900
चांदी (किलो)	84,000

ब्रीफ खबरें

बिहार के वैशाली में फिर ढहा छोटा पुल

हाजीपुर (बिहार)। बिहार के वैशाली जिले के राघोपुर प्रखंड में एक और छोटा पुल ढह गया है. वैशाली जिला प्रशासन ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि यह पुल राघोपुर प्रखंड के पहाड़पुर गांव में ढहा है. बयान में बताया गया है, ढहा पुल 20 साल पुराना था और इसे 2021 में जनता के लिए बंद कर दिया गया था.

25 आईएएस अफसर किए गए इधर से उधर

रांची। सरकार ने नौकरशाही में बड़ा फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के कई अफसरों का तबादला कर दिया है. इनमें राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी भी शामिल हैं. शनिवार देर रात जारी अधिसूचना के अनुसार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग के सचिव विप्र भाल को राज्यपाल का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है.

- पूरी खबर पेज 2 पर

मालगाड़ी फिर बेपटरी कोई हताहत नहीं

सोनभद्र। यूपी के सोनभद्र के शक्तिनगर में एक मालगाड़ी का इंजन और दो डब्बे पटरी से उतर गये. जिससे उस रूट पर आवागमन बाधित हो गया. कोयला खदान से अनपरा पावर हाउस में कोयला आपूर्ति के लिए अलग से रेलवे लाइन बिछाई गई है, जो केवल कोयला आपूर्ति के लिए विशेष मालगाड़ियों के संचालन के उपयोग में आती है.

हेमंत सोरेन सरकार की कृषि ऋण माफी योजना

राज्य के 4.73 लाख किसानों का माफ हो चुका है ऋण

त्रुटियों के कारण 21,086 किसानों का भुगतान विफल रहा, 4464 किसानों के भुगतान की प्रक्रिया जारी

रवि भारती। रांची

झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के तहत राज्य के चार लाख 73 हजार 334 किसानों का ऋण माफ हो चुका है. ऋण माफी योजना के तहत चार लाख 98 हजार 884 किसानों का ई-केवाइसी हो चुका है. वहीं त्रुटियों के कारण 21,086 किसानों का भुगतान विफल रहा है. 4464 किसानों के भुगतान की प्रक्रिया की जा रही है. इस योजना का उद्देश्य फसल ऋण धारक की ऋण पात्रता में सुधार लाना, नये फसल ऋण प्राप्ति सुनिश्चित करना, कृषक समुदाय के पलायन को रोकना और कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना है.

- शेष पेज 07 पर

- चार लाख 98 हजार 884 किसानों का ई-केवाइसी हो चुका है
- योजना का उद्देश्य फसल ऋण धारक की पात्रता में सुधार लाना

किस जिले में कितने किसानों का हुआ केवाईसी

जिला	किसानों की संख्या	जिला	किसानों की संख्या
बोकारो	18,152	खूंटी	8,374
चतरा	20,776	कोडरमा	10,024
देवघर	36,341	लातेहार	12,483
धनबाद	11,547	लोहरदगा	10,014
दुमका	28,010	पाकुड़	7,955
पूर्वी सिंहभूम	26,388	पलामू	28,637
गढ़वा	24,346	रामगढ़	9,009
गिरिडीह	25,308	रांची	28,674
गोड्डा	20,233	साहिबगंज	13,115
गुमला	12,801	सरायकेला खरसांवा	21,259
हजारीबाग	26,819	सिमडेगा	7,008
जामताड़ा	20,232	पश्चिमी सिंहभूम	25,645

पीएम मोदी ने उच्च उपज वाली फसलों की 109 किस्में जारी कीं, कहा

सभी किसानों को मिलेगा लाभ

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में फसलों की 109 उच्च उपज वाली, जलवायु अनुकूल एवं जैव-सुदृढ़ किस्में जारी कीं। पीएम मोदी ने इस कार्यक्रम के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों से भी बातचीत की.

इस पहल का उद्देश्य कृषि उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ाना है. इन किस्मों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने विकसित किया है और ये कुल 61 फसलों से संबंधित हैं. इनमें 34 खेतों में लगाई जाने वाली और 27 बागवानी की फसलें हैं. मोदी ने दिल्ली के पूसा परिसर में तीन प्रायोगिक कृषि भूखंडों पर बीजों को पेश किया. इस मौके पर प्रधानमंत्री ने किसानों और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत भी की.

जारी की जाने वाली 61 फसलों की 109 किस्मों में 34 खेत की फसलें और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं. खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य संभावित फसलों सहित विभिन्न अनाज के बीज जारी किए गए. वहीं, बागवानी फसलों में फलों, सब्जियों, बागानों, कंद फसलों, मसालों, फूलों और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में भी शामिल हैं.

-शेष पेज 07 पर

रविवार को किसानों और वैज्ञानिकों से खेत में बात करते पीएम नरेंद्र मोदी.

दिया जवाब बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना का आखिरी संदेश, जो जारी न हो सका था

मैंने सत्ता छोड़ी, ताकि शवों का जुलूस न देखना पड़े

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश में तख्तापलट हुए एक हफ्ता हो चुका है. शेख हसीना जो हफ्ते भर पहले पीएम थीं, वह अब पूर्व हो चुकी हैं, साथ ही देश से निर्वासित भी. लेकिन इस बीच उनका वो आखिरी भाषण सामने आया है, जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हो सका था.

पीएम पद से इस्तीफा देने और अपने ढाका स्थित आवास से निकलने से पहले शेख हसीना राष्ट्र को संबोधित करना चाहती थीं. खासकर उन प्रदर्शनकारियों को, जिनके आंदोलन के कारण उन्हें शीर्ष पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा. प्रदर्शनकारी उनके दरवाजे तक पहुंच गए और देश के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें जल्द से जल्द वहां से चले जाने की सलाह दी. शेख हसीना ने संदेश में कहा, मैंने इस्तीफा दे दिया, ताकि मुझे शवों का जुलूस न देखना पड़े. वे छात्रों के शवों पर सत्ता में आना चाहते थे, लेकिन मैंने इसकी अनुमति नहीं दी. मैंने प्रधान मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया.

मैं सत्ता में बनी रह सकती थी, अगर मैं सेंट मार्टिन द्वीप (आईलैंड) की संप्रभुता अमेरिका के सामने समर्पित कर दी होती और उसे बंगाल की खाड़ी में अपना प्रभुत्व स्थापित करने की अनुमति दे दी होती. मैं अपने देश के लोगों से विनती करती हूं, कि आप कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं. उन्होंने अपने करीबी सहयोगियों को ये संदेश अब भेजा है और इसे इकोनॉमिक टाइम्स (ईटी) को भी उपलब्ध कराया है.

तख्तापलट के लिए अमेरिका पर लगाया बड़ा आरोप, कहा

अगर मैं सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता अमेरिका को सौंप देती, तो आज सत्ता में होती

कट्टरपंथियों के बहकावे में न आने की अपील की

हसीना ने आगे कहा है, मैं सत्ता में बनी रह सकती थी, अगर मैंने सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता को त्याग दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभाव रखने दिया होता. मैं अपने देश के लोगों से विनती करती हूं, कृपया कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं.

लोगों से कहा- मैं जल्द ही वापस आऊंगी

शेख हसीना आगे कहती हैं, अगर मैं देश में रहती तो और अधिक लोगों की जान चली जाती, और अधिक संसाधन नष्ट हो जाते. मैंने बाहर निकलने का बेहद कठिन निर्णय लिया. मैं आपकी नेता बनी, क्योंकि आपने मुझे चुना, आप मेरी ताकत थे. मेरे दिल में यह खबर सुन कर रोना आ गया है कि कई नेताओं की हत्या कर दी गई है, कार्यकर्ताओं को परेशान किया जा रहा है और उनके घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की गई है.

-शेष पेज 07 पर

यूपीए सरकार में विदेश मंत्री रहे नटवर सिंह का निधन

- पीएम मोदी-खरगे समेत कई नेताओं ने जताया शोक

एजेंसी। नयी दिल्ली

लंबे समय से बीमार चल रहे पूर्व विदेश मंत्री के नटवर सिंह का शनिवार देर रात निधन हो गया. वह 93 वर्ष के थे. परिजनों ने बताया कि नटवर सिंह ने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां वह पिछले कुछ हफ्तों से भर्ती थे. उनके पुत्र अस्पताल में थे. रविवार को नटवर सिंह का अंतिम संस्कार किया गया. उनके बेटे ने मुखाग्नि दी.

कांग्रेस के पूर्व सांसद नटवर सिंह का जन्म 1931 में राजस्थान के भरतपुर जिले में हुआ. वह 2004-05 में तत्कालीन मनमोहन की यूपीए सरकार में विदेश मंत्री थे. उन्होंने पाकिस्तान में भारत के राजदूत के रूप में भी सेवाएं दी थीं और 1966-1971 तक तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी के कार्यालय से जुड़े हुए थे. नटवर सिंह को 1984 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया. उन्होंने विदेश मामलों व अन्य विषयों पर कई किताबें भी लिखीं, जिनमें द लिगेसी ऑफ नेहरू : अ मेमोरियल ट्रिब्यूट और माई चाइना डायरी 1956-88 शामिल हैं. उनकी आत्मकथा वन लाइफ इज नॉट इनफ सुर्खियों में रही थी. उनके निधन पर पीएम नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है. मोदी ने एक्स पर कहा, नटवर सिंह का निधन दुखद है. ईश्वर उनके परिजनों को यह क्षति सहने की शक्ति दे और दिवंगत आत्मा को सदगति प्रदान करे.

मनीष रंजन को एटीआई का निदेशक बनाया गया है, डॉ नितीन मदन कुलकर्णी को कृषि विभाग की जिम्मेवारी मिली

राज्य के 25 आईएएस इधर से उधर, विप्रा भाल बनीं राज्यपाल की प्रधान सचिव

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने 25 अफसरों को इधर से उधर कर दिया है. इसमें 14 आईएएस का तबादला किया गया है. छह अफसरों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. पांच अफसरों की पोस्टिंग की गई है. विप्रा भाल को राज्यपाल का प्रधान सचिव बनाया गया है. वहीं राज्यपाल के प्रधान सचिव रहे डॉ नितीन मदन कुलकर्णी को कृषि विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई है. मनीष रंजन को एटीआई का निदेशक बनाया गया है. सुनील कुमार को प्रधान सचिव, पथ निर्माण के साथ-साथ प्रधान सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, प्रबंध निदेशक, जुडको तथा प्रबंध निदेशक, ग्रेटर रांची विकास एजेंसी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है.

विप्रा भाल प्रधान सचिव

खास बातें

- सुनील कुमार पथ विभाग के प्रधान सचिव बनाए गए
- डॉ अमिताभ कौशल को खाद्य आपूर्ति सचिव बनाया गया

14 आईएएस बदले गए

अफसर का नाम	कहां थे	कहां गए
डॉ नितीन मदन कुलकर्णी	राज्यपाल के प्रधान सचिव	प्रधान सचिव, कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग
डॉ अमिताभ कौशल	खाद्य आपूर्ति	सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी, अप्र- वाणिज्य कर
मनीष रंजन	सचिव, भवन निर्माण	निदेशक, एटीआई
राजेश कुमार शर्मा	सचिव, पेय जल	सचिव, आपदा प्रबंधन
अबु बकर सिद्दीकी	सचिव, कृषि	सचिव वन पर्यावरण
विप्रा भाल	सचिव सूचना प्रौद्योगिकी	राज्यपाल की प्रधान सचिव
अरवा राजकमल	सीएम के सचिव	सचिव, भवन निर्माण, अप्र- एमडी, भवन निर्माण निगम, स्थानिक आयुक्त
अमित कुमार	नगर आयुक्त, रांची नगर निगम	वाणिज्य कर आयुक्त, अप्र- विशेष सचिव, वित्त विभाग
मंजूनाथ भजंत्री	प्रशासक, सुवर्णरेखा परियोजना	मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जेएसएलपीएस, अप्र- मनरेगा आयुक्त
अमित प्रकाश	विशेष सचिव, श्रम विभाग	उत्पाद आयुक्त, अप्र- एमडी, झारखंड राज्य विवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड
संदीप सिंह	सीइओ, जेएसएलपीएस	नगर आयुक्त, रांची नगर निगम, अप्र- उपाध्यक्ष, आरआरडीए
शैलेंद्र कुमार लाल	नगर आयुक्त, हजारीबाग	मिशन निदेशक, झारखंड कौशल विकास मिशन सोसायटी
सुनील कुमार सिंह	उत्पाद आयुक्त	अपर सचिव, श्रम, नियोजन
दीपक कुमार दुबे	डीडीसी गिरिडीह	संयुक्त सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग

छह अफसरों को अतिरिक्त प्रभार

अफसर	वर्तमान पद	अतिरिक्त प्रभार
मस्त राम मीणा	प्रधान सचिव, योजना एवं विकास विभाग	पेयजल, प्रभारी सदस्य, राजस्व पर्षद
सुनील कुमार	प्रधान सचिव, पथ निर्माण	प्रधान सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, प्रबंध निदेशक, जुडको तथा प्रबंध निदेशक, ग्रेटर रांची विकास एजेंसी
मनोज कुमार	सचिव, महिला बाल विकास	सचिव, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग
जीतेंद्र कुमार सिंह	सचिव, खान एवं भूतत्व विभाग	जेएसएमडीसी और सचिव उद्योग
उमा शंकर सिंह	प्रभारी सचिव, स्कूली शिक्षा	प्रभारी सचिव, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग
अनन्य मित्तल	उपायुक्त, जमशेदपुर	प्रशासक, सुवर्णरेखा परियोजना, जमशेदपुर

पांच अफसरों का पदस्थापन

अफसर	किस विभाग में पदस्थापन
समीरा एस	निदेशक सह सदस्य सचिव, झारखंड राज्य बाल संरक्षण संस्था, अप्र- महानिदेशक, राज्य पोषण मिशन, झारखंड, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, झारखंड राज्य जलछाजन मिशन तथा निदेशक, सामाजिक सुरक्षा
रवि आनंद	संयुक्त सचिव, कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग
सौरभ कुमार	भुवानिया- संयुक्त सचिव, वित्त विभाग
आलोक कुमार	संयुक्त सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
शताब्दी मजूमदार	अवर सचिव, वित्त विभाग

मोहभंग : केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा रहे झारखंड कैडर के आईपीएस अधिकारी

झारखंड में हैं 144 आईपीएस 25 गए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड कैडर के आईपीएस अधिकारियों का राज्य से मोहभंग हो रहा है. इसकी वजह से राज्य के आईपीएस अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा रहे हैं. बीते ढाई साल में झारखंड कैडर के नौ से अधिक आईपीएस केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले गये. इनमें 2012 से लेकर 2019 बैच के आईपीएस शामिल हैं. हाल तो यह है कि झारखंड के कई आईपीएस, जो अभी किसी जिले में एसपी नहीं बने, वह भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा रहे हैं. इनमें के विजय शंकर, विनित कुमार, शुभांशु जैन जैसे आईपीएस अधिकारी शामिल है. झारखंड में वर्तमान में आईपीएस की संख्या बढ़कर 144 हो गयी है. इनमें से 17 आईपीएस अधिकारी अंडर ट्रेनिंग हैं, जबकि 25 आईपीएस केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले गये हैं.

आईपीएस अधिकारियों की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने की प्रमुख वजह:

- एक ही अधिकारी के पास एक से ज्यादा विभाग की जिम्मेदारी.
- नियमित तौर पर नियम के तहत ट्रांसफर- पोस्टिंग नहीं होना.
- लंबे समय से शंटिंग में पड़े रहना
- करियर के लिए सेंट्रल डेपुटेशन पर जाना हर आईपीएस अधिकारी के लिए जरूरी
- झारखंड में काम करने का बेहतर माहौल नहीं मिलना.

जानिए...झारखंड कैडर के कौन-कौन आईपीएस अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले गए हैं

एसएन प्रधान, अजय भटनागर, एमएस भाटिया, संपत मीणा, नवीन कुमार सिंह, बलजीत सिंह, आशीष बत्रा, साकेत कुमार सिंह, कुलदीप द्विवेदी, अभिषेक, अनूप टी मैथ्यू, राकेश बंसल, अनीश गुप्ता, पी मुरुगन, जया रॉय, शिवानी तिवारी, अखिलेश वॉरियर, अंशुमन कुमार, प्रशांत आनंद, हरिलाल चौहान, प्रियंका मीणा, आर रामकुमार, विनीत कुमार, के विजय शंकर, शुभांशु जैन.

सिटी या रूरल एसपी का नहीं दिया जा रहा कमान

रेगुलर आईपीएस अधिकारी का करियर ग्राफ फिक्स रहता है. लगभग एक डेढ़ साल एएसपी–एसडीपीओ रहने के बाद वो सिटी या रूरल एसपी का प्रभार संभालते हैं और फिर उनको जिला की जिम्मेवारी सौंपी जाती है. लेकिन वर्तमान में झारखंड में यह क्रम टूट गया है. आईपीएस को एसडीपीओ के बाद सिटी या रूरल एसपी का कमान नहीं दिया जा रहा है. उनको जिला का कमान भी नहीं मिल रहा है. इसके अलावा रांची में बेसिक फैसिलिटी का भी अभाव है. नये आईपीएस को घर मिलने से लेकर गाड़ी तक की असुविधा है. इस सब से एक नेगेटिव माहौल है. प्रमोटेड पदाधिकारी लगातार छोटे बड़े हर पोस्ट पर पदस्थापित हैं. एसपीएस के पदाधिकारी बाकी राज्य में पहले एडिशनल एसपी बनते हैं, फिर उन्हें आईपीएस में प्रोन्नति मिलती है. झारखंड में भी कई जिलों में एडिशनल एसपी अभियान का पोस्ट है, लेकिन वो खाली है.

बंगाली समुदाय के हजारों लोगों ने राजधानी रांची में निकाला जुलूस, जताया विरोध

'हिंदुओं को बचाएं...पीएम मोदी करें हस्तक्षेप'

संवाददाता। रांची

बांग्लादेश में रहने वाले एक करोड़ 40 लाख हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में रविवार को बंगाली समुदाय के हजारों लोगों ने अलबर्ट एक्का चौक के सामने विरोध किया. कहा कि बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं को राजनीति कर वहां से भगाने का साजिश रची जा रही है. हिंदुओं को टारगेट किया जा रहा है, ताकि बांग्लादेश को छोड़कर भारत चले जाएं. बंगाली समुदाय के डॉ शिवालिक मित्रा ने कहा कि बांग्लादेश के अल्प संख्यक हिंदू महिलाओं के साथ गलत कार्य किया जा रहा है. देश के पीएम मोदी बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं पर हो रहे हमला पर हस्तक्षेप करें ताकि उन्हें सुरक्षा मुहैया करायी जा सके.

चंदन रॉय ने कहा कि बांग्लादेश के हिंदुओं का जमीन को लूटा जा रहा है. उनकी दुकानों को ध्वस्त किया जा रहा है. करोड़ों हिंदुओं को जानबूझकर देश छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है. आराजा घोष ने कहा, आज शांति तरीके से विरोध कर रहे हैं. जरूरत पड़ी तो विरोध तेज होगा. बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं को मारा जा रहा है. उनके साथ जानबूझकर अत्याचार किया जा रहा है. विशेष धर्म के लोग हिंदू महिलाओं के साथ रेप कर रहे हैं. उन्हें वहां से देश को छोड़ने के लिए मजबूर किये गया है. अत्याचार को रोकने के लिए बांग्लादेश में हो रहे निर्यात होने वाले सभी सामग्री को बंद किया जाए. हिंदू धर्म के लोगों पर हमला हो रहा है. इस हमले पर अंकुश लगाया जाए.

गाजा से प्यार व बांग्लादेश के हिंदुओं से तकरार : अमर

रांची। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने झामुमो-कांग्रेस और राजद पर निशाना साधा है. ट्वीट कर कहा है कि आखिर कब तक दोहरी नीति चलेगी. उन्होंने सवाल उठाते हुए पूछा है कि बांग्लादेशियों के सबसे बड़े हितैषी झामुमो-कांग्रेस-राजद व उनके नेताओं द्वारा बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर किसी ने क्या एक भी पोस्ट देखा है. गाजा से प्यार और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं से तकरार, यही है झामुमो-कांग्रेस-राजद की नीति

मेरे रहते किसी के साथ नहीं हो सकता अन्यायः डॉ इरफान अंसारी

ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है. कहा है कि मेरे रहते किसी के साथ अन्याय नहीं हो सकता. जिन लोगों पर बीजेपी बांग्लादेशी घुसपैठिए होने का कलंक लगा रही है, वे हमारे भाई हैं. उन्होंने कहा कि एक समाज पहले से ही गरीबी की मार झेल रहा है, वहीं बीजेपी की गलत नीतियों के कारण वे दोहरी मार झेल रहे हैं. अब सबके साथ न्याय होगा. उनको हक मिलेगा. बीजेपी ने 18 साल तक इनका हक छीनने का काम किया.

सूबे के डॉक्टर 20 अगस्त से करेंगे बायोमीट्रिक अटेंडेंस का बहिष्कार

प्रमुख संवाददाता। रांची

आईएमए (इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, झारखंड चैप्टर) और झासा ने 20 अगस्त से बायोमीट्रिक अटेंडेंस के बहिष्कार का निर्णय लिया है. कहा है कि वे बायोमेट्रिक अटेंडेंस के बहिष्कार के बावजूद अपनी ड्यूटी ईमानदारी और निष्ठापूर्वक करेंगे. इस दौरान वे अपना अटेंडेंस रजिस्टर में अंकित करेंगे. लेकिन बायोमेट्रिक अटेंडेंस नहीं बनाएंगे. जब तक सरकार सकारात्मक रुख नहीं दिखाती, हम सबों का विरोध जारी रहेगा. इस मसले को लेकर रविवार को आइएमए झारखंड चैप्टर और झासा की संयुक्त बैठक आइएमए भवन में हुई. बैठक के बाद आईएमए के सचिव डॉ प्रदीप सिंह ने बताया कि चिकित्सकों का संगठन बायोमेट्रिक अटेंडेंस का विरोध नहीं करता. लेकिन वर्तमान में तीन जिलों पलामू, साहिबगंज व गढ़वा में इसे वेतन से जोड़ा गया है. इसी आधार पर वेतनमान में कटौती भी हुई है. विभाग द्वारा इससे संबंधित एक ऑनलाइन पोर्टल लागू किया गया है, जिससे ड्यूटी करने के बाद भी चिकित्सक और पाराकर्मियों को बार-बार स्पष्टीकरण एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ता है. इससे चिकित्सकों में रोष है. विभाग को इससे पहले संगठन के पदाधिकारी के साथ एक बैठक करनी चाहिए थी. बैठक में डॉ ठाकुर मृत्युंजय सिंह, डॉ भारती कश्यप, डॉ प्रभा रानी प्रसाद व अन्य मौजूद रहे.

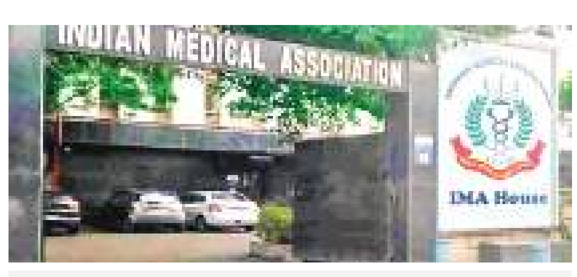

आईएमए का फैसला : क्या हैं डॉक्टरों की मांगें

- राज्य सरकार समान रूप से राज्य के सभी विभागों के सभी सरकारी कर्मियों के लिए बायोमीट्रिक अटेंडेंस लागू करें.
- ग्रामीण इलाकों में बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था, नेटवर्क एवं सर्वर उपलब्ध कराए बिना बायोमीट्रिक अटेंडेंस अनिवार्य ना हो.
- डॉक्टर एवं पारामेडिकल स्टाफ के ड्यूटी आवर व ड्यूटी प्लेस तय नहीं होते. सभी विभिन्न स्तर के स्वास्थ्य संस्थानों में आईपीएस नॉर्म्स के अनुसार, वेकेंट पोस्ट के विरुद्ध बहाली किए बिना बायोमीट्रिक अटेंडेंस से राहत मिले.
- आकस्मिक सेवा देने वाले विभाग में ये सिस्टम लागू नहीं करना चाहिए.

पुलिसकर्मियों को आवंटित हथियारों की जांच की जाए

रांची। झारखंड पुलिस आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गयी है. इसी क्रम में झारखंड पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी और सभी वाहिनी के कमांडेंट को आवंटित हथियार के रखरखाव और जांच को लेकर आदेश जारी किया है. जारी आदेश में कहा गया है कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को देखते हुए चुनाव ड्यूटी में प्रतिनियुक्त किये जाने वाले पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को आवंटित किये जाने वाले हथियार के रखरखाव और जांच अति आवश्यक है. इसलिए अपने-अपने जिला और इकाई से चुनाव ड्यूटी में प्रतिनियुक्त किये जाने वाले पुलिस पदाधिकारी और बलों को आवंटित हथियार की जांच करना सुनिश्चित करें. साथ ही यह प्रमाण पत्र भी दें कि सभी हथियार कारगर हैं और अच्छे हालात में हैं. सभी जवानों और पदाधिकारी को लक्ष्य का अभ्यास कराना सुनिश्चित करने का आदेश जारी किया गया है.

सीएम हेमंत से मिले कांग्रेस प्रभारी मीर व राजेश ठाकुर

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रविवार कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर एवं झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने मुलाकात की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं उनके बीच राज्य में संचालित कई विकासात्मक मुद्दों व झारखंड की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर विस्तृत चर्चा हुई.

भाजपा का हर घर तिरंगा कार्यक्रम महज ढोंग : कैलाश यादव

रांची। झारखंड प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने भाजपा का हर घर तिरंगा झंडा लगाने का कार्यक्रम पर सवाल उठाया है और प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय तिरंगा जैसे पवित्र प्रतीक को भाजपा ने कई बार अपमान करने का काम किया है. विदित हो कि मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री रहीं उमा भारती ने तिरंगे पर पैर रखने का काम किया था जिसके बाद मामला न्यायिक हुआ और काफी फजीहत होने के बाद उन्हें सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था. समय जरूर आगे बढ़ जाता है कि लेकिन पहले के किए आपके कृत्य सबको याद रहते हैं.

आरोप लगाए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य सरकार पर निशाना साधा

परीक्षाओं के नाम पर भंडारे का आयोजन : मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है. ट्वीट कर कहा है कि हेमंत सरकार में साप्ताहिक परीक्षा के नाम पर मजाक चल रहा है. ऐसा लगता है कि परीक्षाओं के नाम पर भंडारे का आयोजन किया जा रहा है. कहीं एक ही बेंच पर छह-छह विद्यार्थी बैठकर परीक्षा दे रहे हैं, तो कहीं बरामदे में बिछाई गई दरी में छात्र-छात्राओं का एक झुंड परीक्षा दे रहा है. मूल्यांकन के उद्देश्य से ली जाने वाली इन साप्ताहिक परीक्षाओं से मूल्यांकन छात्रों का तो नहीं, परंतु हेमंत सरकार का जरूर किया जा सकता है कि कैसे हेमंत सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खेल रही है.

जेएमएम-कांग्रेस ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था को अपना राजनीतिक प्रयोगशाला बनाकर रख दिया : स्कूलों में न तो बैठने की व्यवस्था है, न तो कक्षाओं को संचालित करने के लिए भवन हैं, न तो पठन-पाठन का वातावरण है, और न ही छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार के पास कोई प्लान, ऐसे में झारखंड का भविष्य किधर जाएगा, आप खुद ही अंदाजा लगा सकते हैं. जेएमएम-कांग्रेस ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था को अपना राजनीतिक प्रयोगशाला बनाकर रख दिया है. सरकारी स्कूलों में ना तो पर्याप्त शिक्षक हैं, ना ही बच्चों के बैठने के लिए पर्याप्त बेंच डेस्क... परीक्षा के दौरान एक ही बेंच पर 6-6 बच्चों को साथ बिठाकर सरकार छात्रों के भविष्य के साथ मजाक कर रही है. हेमंत सोरेन जी सरकारी स्कूल के बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के प्रति थोड़ा गंभीर बनिए और राज्य के सभी विद्यालयों को पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराइए.

खास बातें

- स्कूलों में साप्ताहिक परीक्षा को लेकर भी उठाए सवाल
- सूबे के छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर 12 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 125 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

प्रखंड कार्यालय के बाहर झोपड़ी में लगी आग

जमशेदपुर । खासमहल स्थित जमशेदपुर प्रखंड कार्यालय के बाहर सड़क किनारे स्थित एक झोपड़ी में शनिवार की रात आग लग गई. इसके कारण झोपड़ी में रखा सामान जलकर राख हो गया. स्थानीय लोगों ने बताया कि पुआल की झोपड़ी में अक्सर नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है. संभावना जतायी जा रही है कि उनके द्वारा झोपड़ी में आग का इस्तेमाल करने से संभवतः उसी से आग लगी होगी.

जिप सदस्य के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी

चांडिल । सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ दक्षिणी भाग 2 के जिला परिषद सदस्य ज्योति लाल मांझी द्वारा कथित रूप से कुड़मी समाज को गाली देने के मामले में आदिवासी कुड़मी समाज के सदस्यों ने चांडिल थाना में रविवार को शिकायत कर मामला दर्ज करने की मांग की है. शिकायत में कहा गया है कि जिप सदस्य के बयान से कुड़मी (महतो) समाज अत्यंत दुखी और मर्माहत है.

बच्ची से दरिंदगी का आरोपी वैन चालक भेजा गया जेल

जमशेदपुर । मानगो थाना अंतर्गत रहने वाली साढ़े तीन वर्ष की बच्ची के साथ दरिंदगी करने वाले आरोपी जयश्री तिवारी को रविवार को पुलिस ने जेल भेज दिया. इस संबंध में बच्ची की मां ने मानगो थाना में एक मामला दर्ज कराया है. सिटी एसपी ने बताया कि बच्ची की आज पुलिस द्वारा मेडिकल कराया गया. उसके बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया. बच्ची फिलहाल ठीक है.

दलजीत सिंह बने नामदा बस्ती गुरुद्वारा के प्रधान

जमशेदपुर । सीजीपीसी ने नामदा बस्ती गुरुद्वारा का चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया. जिसमें दलजीत सिंह प्रधान निर्वाचित हुए. उन्होंने अवतार सिंह को हराया. सीजीपीसी के प्रधान सरदार भगवान सिंह और महासचिव अमरजीत सिंह ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि सीजीपीसी ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने में सीजीपीसी सफल हुई.

कांग्रेस के मेडिकल कैंप में 315 की स्वास्थ्य की जांच

जमशेदपुर । बिरसानगर मंडल कांग्रेस के अंतर्गत रविवार को बिरसानगर जोन 1-बी, संत रविदास भवन, हरि मंदिर, दासपाडा में मेगा हेल्थ चेकप कैंप एवं सहायता शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें सर्वजन पेंशन योजना के तहत 146 जरूरतमंद लोगों का फॉर्म भरा गया. वहीं स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकों ने विभिन्न रोगों (ह्रदय रोग, दांत, कान, नाक, स्वांस, अर्थो, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज आदि) से ग्रसित 315 लोगों की जांच की. इस दौरान दवा भी प्रदान की गई.

मनोहरपुर के गोपीपुर बांध टोला गांव में दिल को दहला देनेवाली घटना सामने आई, मां के सामने बच्ची ने तोड़ा दम

घर में सो रही थी छह माह की बच्ची, कुत्ते ने नोच-नोच कर मार डाला

- बच्ची को काटते हुए कमरे से बाहर ले गया कुत्ता

संवाददाता । चक्रधरपुर

मनोहरपुर थाना क्षेत्र के गोपीपुर बांध टोला से रविवार को दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है. यहां एक आवारा कुत्ते ने घर में घुस कर छह माह की बच्ची पर हमला कर दिया और नोच-नोच कर उसे मार डाला. जानकारी के मुताबिक, गोपीपुर बांध टोला निवासी अजय हो की पत्नी बिनीता अपनी छह माह की बेटी रीतिका को कमरे में जमीन पर लिटकार घर के पीछे स्थित बरामदे में काम कर रही थी.इसी दौरान एक आवारा कुत्ता घर में घुस गया और कमरे में सो रही बच्ची पर बुरी तरह से नोच डाला. इससे बच्ची गंभीर रूप से जख्मी हो गई और थोड़ी ही देर में ही उसकी मौत हो गई. इस घटना के बाद परिजनों का का रो-रो कर बुरा हाल था. बच्ची की मां रोते-रोते बार-बार बेहोश हो जा रही थी. अपनी आंखों के सामने जिगर के टुकड़े की इतनी दर्दनाक मौत, आखिर एक मां सहन भी कैसे सकती है? वहीं, इस घटना की आसपास के कई गांवों में चर्चा है. मृत बच्ची की मां बिनीता ने बताया की घटना के वक्त वह घर के पीछे कुछ काम कर रही थी, तभी एक कुत्ता घर के भीतर घुस गया और सो रही उसकी बच्ची पर हमला कर दिया. कुत्ता इतना हिंसक और आक्रामक था कि वह बच्ची को काटता हुआ घर से बाहर खींच कर ले गया. जब बिनीता की नजर पड़ी, तो वह शोर मचाने लगी. इसके बाद ग्रामीण पहुंचे और कुत्ते को मारने के लिए दौड़ाया, तो कुत्ता भाग गया. घटना के बाद गांव के लोग अपने-अपने बच्चों को अपनी आंखों से ओझल नहीं होने दे रहे हैं.

झारखंड में हर माह 2300 लोग कुत्ता काटने के शिकार

राज्य भर में कुत्ते के काटने के आंकड़े में वृद्धि हुई है. स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में हर माह औसतन 2300 से ज्यादा लोग कुत्ता काटने के शिकार हो रहे हैं. वहीं पूर्वी सिंहभूम जिले की बात करें, तो इस साल कुत्ते के काटने के मामलों में पिछले साल की तुलना में काफी वृद्धि देखी गई है. जनवरी से जून 2024 तक 6,892 लोगों को कुत्तों ने काटा. जिला निगरानी विभाग के अनुसार, इस साल कुत्तों के काटने के मामले में वृद्धि हुई है. वर्ष 2023 में अप्रैल से दिसंबर महीने तक, कुत्ते के काटने के 8,846 मामले सामने आए थे. इसके विपरीत वर्ष 2024 में जनवरी से जून माह के दौरान 6,892 मामले सामने आए.

आवारा कुत्तों के काटने के मामले बढ़े

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने पिछले साल दिसंबर में बताया था कि भारत में कुत्ते के काटने की घटनाओं में साल-दर-साल 26.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. वर्ष 2022 में यह आंकड़ा 2.18 मिलियन था, जो 2023 में बढ़ कर 2.75 मिलियन हो गया. राज्यसभा में प्रस्तुत एक रिपोर्ट में मंत्रालय की ओर से बताया गया था कि झारखंड, केरल, दिल्ली, असम और चंडीगढ़ में आवारा कुत्तों के काटने के मामलों में साल-दर-साल सबसे अधिक वृद्धि देखी गई है.

पागल कुत्ते ने दो बच्चा समेत आधा दर्जन से अधिक लोगों को किया था घायल

घटना के बाद से गांव के लोगों में दहशत

इस घटना से आस-पास के गांव के लोगों में भी पागल कुत्ते के आतंक से फिर से दहशत मच गया है. क्योंकि कुछ दिन पहले मनोहरपुर में कुछ कुत्ते पागल हो गए थे और लगातार लोगों को काट रहे थे. अब एक बार फिर से मनोहरपुर में खूंखार कुत्ते ने एक मासूम बच्ची को मौत के घाट उतार दिया है.

बता दें कि मनोहरपुर में पागल कुत्ते ने दो सप्ताह पहले दो बच्चों समेत आधा दर्जन लोगों को काटकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था. पागल कुत्ते ने एक ट्यूशन जा रहे बच्चे पर हमला कर दिया था. साथ ही घर के पास खेल रही एक बच्ची को भी पागल कुत्ते ने काट लिया था. पागल कुत्तों ने मनोहरपुर बाजार व आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लगभग आधा दर्जन से अधिक लोगों को काटकर जख्मी कर दिया था. पागल कुत्तों ने हमला कर मनोहरपुर निवासी 45 वर्षीय सोमरा तिर्की, 40 वर्षीय ज्वाला सिंह, शिक्षिका अंजू देवी को काटकर घायल कर दिया था. सभी का इलाज मनोहरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया था. वहीं दो पागल कुत्तों ने एक गाय पर भी हमला कर दिया था. इस जख्मी गाय ने कई लोगों को घायल कर दिया था, जिनका इलाज कराना पड़ा. कुछ दिन बाद गाय की भी मौत हो गई थी.

गर्भवती गायों की मौत के लिए प्रबंधन दोषी, होगी कार्रवाई : राजीव रंजन

जुगसलाई गोशाला में गायों की मौत मामले में उजागर हुई लापरवाही

- गो-सेवा आयोग ने किया गोशाला का निरीक्षण
- संचालन समिति को भेजा जाएगा नोटिस

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

निरीक्षण करते गो-सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन व उपाध्यक्ष राजू गिरि

जुगसलाई गोशाला में बीते दिनों तीन गायों की मौत मामले ने तूल पकड़ लिया है. मरने वाली गायों में एक-दो गर्भवती भी थी. इसकी जानकारी गो-सेवा आयोग को मिली. इसके बाद रविवार को आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन व उपाध्यक्ष राजू गिरि ने गोशाला परिसर का निरीक्षण किया. दोनों ने गायों के रखने के लिए बने शेड, भवन निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे, वहां बने भवनों का इस्तेमाल समेत कई जगहों का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान कई खामियां पायी गईं. आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन ने बताया कि जुगसलाई स्थित टाटानगर गोशाला का संचालन नियम विरूद्ध किया जा रहा है. गो माता की सेवा की बजाय वहां रोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है.

उन्होंने कहा कि गोशाला प्रबंधन की ओर से घटना की जानकारी आयोग को नहीं दी गई. किसी माध्यम से सूचना मिलने पर आयोग के उपाध्यक्ष ने घटना के बाद मौके का मुआयना किया. वहां की वस्तुस्थिति को देखते हुए केवल मलबा हटाने का निर्देश दिया गया था. लेकिन प्रबंधन की ओर से मलबा के साथ-साथ भवन निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे का कुछ हिस्सा भरकर बैरिकेडिंग कर दिया गया. उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रेशन नियमावली में किसी तरह का निर्माण कार्य अथवा परिवर्तन आयोग अथवा सक्षम प्राधिकार की अनुमति के बिना नहीं कराया जा सकता है, लेकिन यहां नियमों की अनदेखी कर भवन निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया. इसके लिए ठेकेदार भी बराबर का दोषी है. गोशाला प्रबंधन एवं ठेकेदार के बीच हुए एग्रीमेंट की कॉपी मांगी गई है. साथ ही नोटिस भेजकर सात दिनों में जवाब देने के लिए कहा गया है. नियम संगत जवाब नहीं मिलने पर गो हत्या निषेध कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी.

ज्ञातव्य हो कि 6 अगस्त को गौशाला के बगल निर्माणाधीन मार्केट कंपलेक्स के लिए खोदे गड्ढे की वजह गायों के रहने के लिए बना शेड गिर गया. जिसके कारण उसमें दबकर तीन गायों की मौत हो गई और कुछ गाय घायल हो गई. गौशाला प्रबंधन के सचिव ने कहा था कि लगातार बारिश होने की वजह से ऐसी घटना घटी है, जिसके विजह से मवेशियों की मौत हुई है.

टाटानगर गोशाला के अध्यक्ष कैलाश सरायवाला ने बताया कि आयोग का मानक पूरा किया जाएगा.

महानगर भाजपा में मचा घमासान, जिला अध्यक्ष पर लगाया निरंकुशता का आरोप

महानगर कमिटी व चहेतों को मंडल अध्यक्ष बनाने के खिलाफ दिया धरना

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

भाजपा महानगर कमिटी व मंडल अध्यक्षों की घोषमा के बाद भाजपा में घमासान मच गया है. कई पूर्व पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष पर निरंकुश होकर कार्य करने तथा अपने चहेतों को पद बांटने का आरोप लगाया. विरोध में आवाज बुलंद करने वालों की अगुवाई पूर्व महामंत्री राकेश सिंह कर रहे हैं.

राकेश सिंह के नेतृत्व रविवार को दर्जनों नाराज भाजपाइयों ने पार्टी कार्यालय के बाहर धरना दिया. इस दौरान जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. इस दौरान तख्ती लगाकर पद बांटने में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाते हुए जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा को हटाने की मांग की. राकेश सिंह ने बताया कि जिला कमिटी में एक वर्ग खास को महत्व दिया गया. साथ ही जानबूझकर योग्य लोगों के नाम काटा गया. साथ ही एक ही समाज के लोगों को प्रमुखता, ओबीसी, एससी, एसटी, दलित समाज की अनदेखी की गई. वैसे लोगों के बीच पद बांटे गए. चरणवंदना व परिक्रमा करने वाले लोग हैं. धरना में बागबेड़ा से गणेश विश्वकर्मा समेत अन्य शामिल रहे.

आवासीय उच्च विद्यालय ऊपर पावड़ा का डीसी ने किया निरीक्षण, जताई नाराजगी

संवाददाता । घाटशिला

उपायुक्त (डीसी) अनन्य मित्तल ने रविवार को घाटशिला प्रखंड के ऊपर पावड़ा स्थित राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान विद्यालय की व्यवस्थाओं में कई खामियां पाई. इस पर उपायुक्त ने गहरी नाराजगी व्यक्त की. उन्होंने विद्यालय के प्रिंसिपल कालीचरण और वार्डन एस श्रवण कुमार को सात दिनों के भीतर व्यवस्थाओं में सुधार लाने का निर्देश दिया और कार्यशैली में सुधार न होने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी. साथ ही दोनों अधिकारियों को शोकॉज नोटिस भी जारी किया गया है.

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय के क्लास रूम, प्ले ग्राउंड, किचन, छात्रावास, स्टोर रूम, कंप्यूटर लैब और शौचालयों का जायजा लिया. उन्होंने पाया कि कई क्लास रूम में पंखे और बल्ब नहीं थे. शौचालय और किचन में गंदगी थी. प्ले ग्राउंड का उचित रख-रखाव नहीं हो रहा था. उपायुक्त ने प्रिंसिपल और वार्डन को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने, बच्चों को मेन्यू के अनुसार पोषाहार देने, परिसर की साफ-सफाई बनाए रखने और पौधारोपण करने के निर्देश दिए. इसके अलावा उपायुक्त ने परियोजना निदेशक आईटीडीए और जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वे सभी आवासीय विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करें. डीसी ने एसडीओ, बीडीओ और सीओ को भी अपने-अपने क्षेत्रों के आवासीय विद्यालयों की निगरानी करने का आदेश दिया. क्षेत्र भ्रमण के दौरान उपायुक्त अनन्य मित्तल ने चेंगजोड़ा स्थित हेरिटेज विलेज का भी निरीक्षण किया और चल रहे निर्माण कार्य पर संतोष व्यक्त किया.

शिव भक्तों के लिए पाथरा चौक में लगाया सेवा शिविर

बहरागोड़ा । बहारागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के बहरागोड़ा-माटिहाना मुख्य सड़क में पाथरा चौक पर शिव भक्तों के लिए सेवा शिविर का आयोजन स्वर्गीय द्वीजेन षाड़ंगी (कुनु बाबू) के पुत्र ॠषिकुनु षाड़ंगी के सौजन्य से किया गया है. जलाभिषेक के लिये जाने वाले सभी कांवरिया तथा शिव भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया. कांवरियों को कांवर रखने के साथ-साथ कई सारी अन्य सुविधा भी इस सेवा शिविर में उपलब्ध कराई गयी है. इस मौके पर धनेश्वर मुर्मू, स्वपन गोप, सौरव मंडल, राजीव सारंगी, सिकांत दिगार, भीम मंडल, राजू महतो आदि उपस्थित थे.

ट्रैक पार कर रहे व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत

घटनास्थल पर रोते बिलखते परिजन.

गोइलकेरा । हावड़ा-मुंबई मुख्य रेल मार्ग के चक्रधरपुर रेल मंडल स्थित गोईलकेरा व महादेवशाल स्टेशन के बीच पुराना गोईलकेरा स्थित दो नम्बर डीपो के पास रविवार को रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई. बताया जाता है कि पुराना गोईलकेरा निवासी 35 वर्षीय राधा मोहन मेराल कुछ सामान की खरीदारी करने के लिए रेलवे लाइन पार कर रहे थे. इसी बीच राउरकेला से बादामपहाड़ की ओर जा रही 18052 ट्रेन की चपेट में वह आ गया. इस घटना में उसके सिर में गंभीर चोट पहुंची, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई. घटना की सूचना पाकर मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे. मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था. वहीं मामले की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दे दी है.

डुमकाकोचा गांव के नाला में डूबने से 4 वर्षीय बच्चे की मौत

बच्चे के शव से लिपटकर रोते परिजन.

घाटशिला । घाटशिला प्रखंड के बाघुरिया पंचायत अंतर्गत डुमकाकोचा गांव के चार वर्षीय वासुदेव सिंह की मौत पानी में डूबने से रविवार को हो गयी. सूचना मिलते ही विधायक रामदास सोरेन गांव पहुंचे. घटना के संबंध में बताया जाता है कि रतन सिंह के पुत्र वासुदेव सिंह अन्य बच्चों के साथ गांव के ही नाला पर खेलने गया था. माता-पिता खेत में रोपनी का काम करने के लिए बाहर गए थे. पहाड़ी पानी से नाला भर गया है. खेलने के दौरान अचानक नाला में वासुदेव सिंह डूब गया. इससे उसकी मृत्यु हो गई. मृतक के परिजन बच्चे को अनुमंडल अस्पताल ले गये. वहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया. विधायक रामदास सोरेन ने मृतक परिवार से मिलकर सहानुभूति प्रकट की. उन्होंने परिवार को सभी प्रकार का सहयोग करने का आश्वासन दिया. इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, काली पद गोराई, काजल डांन, सुखलाल हांसदा, अंपा हेम्ब्रम, करुणाकर महतो, विमल मार्डी उपस्थित थे.

उपलब्धि : चाईबासा चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज जिले की सर्वोच्च व्यावसायिक संस्था

44 महिला व 454 पुरुष सदस्यों के साथ कुल 498 सदस्य : मधुसूदन अग्रवाल

- पिल्लई टाउन हॉल में हुई चैम्बर की 14वीं आमसभा

संवाददाता । चाईबासा

चाईबासा चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की 14वीं वार्षिक आमसभा एवं सत्र 2023-2025 की पहली आमसभा पिल्लई टाउन हॉल में रविवार को हुई. सर्वप्रथम आमसभा का विधिवत उद्घाटन चाईबासा चैम्बर के पदाधिकारियों ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया. चाईबासा चैम्बर के अध्यक्ष मधुसूदन अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया. स्वागत भाषण में उनके द्वारा बताया गया कि चाईबासा चैम्बर 44 महिला एवं 454 पुरुष के साथ कुल 498 सदस्यों के साथ जिले की सर्वोच्च व्यावसायिक संस्था बन चुकी है. उन्होंने कहा कि इस सत्र में प्रयास रहेगा कि चाईबासा चैम्बर का अपना भवन बन जाए. निवर्तमान अध्यक्ष एवं फेडरेशन ऑफ झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के कोल्हान उपाध्यक्ष नितिन प्रकाश ने कहा कि 2001 में मात्र 12 सदस्यों के साथ शुरू की गई संस्था अब वटवृक्ष का रूप ले चुकी है. अगले वर्ष अपने 25 वर्ष पूर्ण कर लेगी. इस अवसर पर चाईबासा चैम्बर द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. साथ ही उनके द्वारा कहा गया कि चाईबासा चैम्बर की कार्यकुशलता एवं व्यापारियों के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए जिले में चाईबासा चैम्बर की विश्वसनीयता काफी बढ़ गई है. इस वजह से 107 नए सदस्यों ने चैम्बर की सदस्यता ग्रहण की है.

पूर्व अध्यक्ष अनिल खिरवाल ने कहा कि चाईबासा चैम्बर एक मजबूत व्यावसायिक संस्था पहले थी, अब और भी सशक्त हो गई है. चाईबासा चैम्बर के उपाध्यक्ष शिबूलाल अग्रवाल एवं विकास गोयल ने भी सभा को संबोधित किया. सचिव नीरज संदवार के द्वारा सत्र 23-25 के प्रथम वर्ष में चैम्बर द्वारा किए गये कार्यों को सिलसिलेवार रूप से सदन में प्रस्तुत किया गया. कोषाध्यक्ष राजीव खिरवाल ने सत्र 2023-2025 में किए गए आय-व्यय का ब्योरा सदन में प्रस्तुत किया. तत्पश्चात चाईबासा चैम्बर के कार्य समिति की 142वें एवं सत्र 23-25 की 7वीं बैठक में पारित प्रस्ताव को अध्यक्ष मधुसूदन अग्रवाल द्वारा सदन में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया. प्रस्ताव को उपस्थित सदस्यों के 95% से ज्यादा सदस्यों का समर्थन प्राप्त हुआ. इसके उपरांत कोटक महिंद्रा बैंक के आग्रह पर बैंक प्रबंधक द्वारा पश्चिम सिंहभूम जिले के व्यवसायियों को बैंक द्वारा प्रदत्त लाभ एवं सुविधाओं से अवगत करवाया गया. भोजनावकाश के उपरांत चैम्बर की सभी उप समितियों के सभापति द्वारा सत्र 23-25 की प्रथम वर्ष में अपने-अपने द्वारा किए गए कार्यों का विवरण सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया.

प्रश्नकाल के दौरान चाईबासा चैम्बर के सम्मानित सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का अध्यक्ष द्वारा सारगर्भित उत्तर दिया गया. प्रश्नकाल के दौरान चैम्बर के सम्मानित सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए हैं. इसे अंकित कर लिया गया और कार्य समिति की अगली बैठक में प्रस्तावित करने का फैसला हुआ.

आमसभा की कार्रवाई समाप्त होने पर चाईबासा चैम्बर की संविधान की धारा 13 एच के तहत तत्काल 14वां वार्षिक आमसभा की संपुष्टि की गई. इसके उपरांत चाईबासा चैम्बर के संयुक्त सचिव हाजी वकील खान ने धन्यवाद ज्ञापन किया. राष्ट्रीय गान के साथ सभा की समाप्ति की घोषणा की गई.

सभा समाप्ति के उपरांत चाईबासा चैम्बर ने इस वर्ष दो सदस्यों को खोया है. दिवंगत राजकुमार अग्रवाल एवं मनोज प्रसाद को श्रद्धांजलि देने हेतु दो मिनट का मौन धारण किया गया. वार्षिक आमसभा में चाईबासा चैम्बर के सभी पदाधिकारी, कार्यसमिति के सदस्य, विभिन्न उप समितियों के सभापति, संस्थापक सदस्य समेत कुल 205 सदस्य उपस्थित थे.

उलीडीह से पिस्तौल व जिंदा कारतूस के साथ दो धराए

- खुद पर फायरिंग की झूठी शिकायत करने वाले को पुलिस ने भेजा जेल

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

प्रेस वार्ता में जानकारी देते सिटी एसपी ॠषभ गर्ग

उलीडीह थाना अंतर्गत जवाहरनगर रोड नंबर 14 स्थित कब्रिस्तान के पास शुक्रवार देर रात फायरिंग की घटना झूठी निकली.

शिकायतकर्ता की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए पुलिस ने उसपर दवाब बनाया. जिसके बाद उसने सच्चाई बता दी. फायरिंग करने वाले का नाम भी पुलिस को बता दिया. पुलिस ने उसकी निशानदेही पर अलीम को एक देशी पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया. इस संबंध में सिटी एसपी ॠषभ गर्ग ने मीडियाकर्मियों को बताया कि शदाब पर फायरिंग की घटना झूठी निकली. उसकी संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के बाद पुलिस ने उसपर दवाब बनाया. जिसके बाद उसने खूद फायरिंग करवाने की बात स्वीकार कर ली. साथ ही अपने साथी अलीम हुसैन का नाम बता दिया. सिटी एसपी ॠषभ गर्ग ने बताया कि शदाब ने कई लोगों से लाखों रुपये ले रखे थे. जिसे वह वापस नहीं लौटा पा रहा था. इसी से बचने के लिए शदाब ने अपने साथी अलीम के साथ मिलकर अपनी कार में फायरिंग की और पुलिस को गुमराह करने के लिए झूठी कहानी रच डाली. एसपी ने बताया कि शहादत खान की भूमिका भी संदिग्ध है इसलिए पुलिस उसे भी बुलाकर पूछताछ करेगी. फिलहाल आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

ब्रीफ खबरें

घाटशिला में मना खुदीराम बोस का शहादत दिवस

घाटशिला ।अमर शहीद महान स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस का शहादत दिवस रविवार को मनाया गया. माटीकला भवन लालडीड में आयोजित कार्यक्रम में उनके चित्र पर मल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई. श्रद्धांजलि सभा में विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने कहा कि 18 साल 8 महीना और 8 दिन की उम्र में मुजफ्फरपुर सेंट्रल जेल में अंग्रेज हुकूमत ने 11 अगस्त 1908 को उन्हें फांसी की सजा दी थी. शहीद खुदीराम बोस ने इस महान देश के सबसे कम उम्र के शहीद होने का गौरव प्राप्त किया. इनका लालन-पालन मौसी के घर पश्चिमी सिंहभूम में हुआ था.

विधायक ने किया खुदीराम बोस की वीरता का स्मरण

जमशेदपुर । वीर शहीद खुदीराम बोस की पुण्यतिथि के अवसर पर जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने भारतीय जनतंत्र मोर्चा उलीडीह मंडल एवं मानगो मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ खुदीराम बोस की मानगो चौक स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया. राय ने वीर शहीद खुदीराम बोस के पराक्रम और वीरता का स्मरण करते हुए कहा कि खुदीराम बोस ने शौर्य का परिचय देते हुए पहले बम फेंका और मात्र 19 वर्ष की आयु में हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर चढ़कर स्वर्णिम अक्षरों में अपना नाम दर्ज करवा लिया.

गीता थियेटर के एक्टिंग क्लासेस से जुड़े 15 युवा

जमशेदपुर । गीता थियेटर की ओर से आयोजित एक्टिक क्लास में रविवार को युवा नाट्यकर्मी प्रेम शर्मा ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया. प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने रंगमंच में 8 साल का अनुभव साझा किया. साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नाट्य महोत्सव, सम्मेलन और कार्यशाला में भागीदारी में मिले अनुभव बताए. एक्टिंग क्लासेस के पहले दिन 15 युवाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी. एक्टिंग क्लासेस के अंत में गीता थिएटर की अध्यक्ष गीता कुमारी ने युवाओं को स्वर्णरेखा नदी स्थित गांधी घाट पार्क में प्रति दिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक क्लासेस होने की जानकारी दी.

सुंदरनगर पुलिस ने चलाया नशा मुक्ति अभियान

जमशेदपुर । सुंदरनगर थाना की पुलिस ने रविवार को केरूवाडूंगरी पंचायत के सुदूरवर्ती गांव बाहरदाढ़ी में नशा मुक्ति अभियान चलाया. इस दौरान गांव के पुरुष तथा महिलाओं को नशा मुक्त गांव बनाने के लिए प्रेरित किया. थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा ने सभी से आने वाली पीढ़ी को नशा से दूर रखने के लिए प्रयास करने की बात कही. इस दौरान वहां मौजूद गांव के बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री (कॉपी, कलम, किताब, पेंसिल, रबर, कटर,स्केल, कलर, चॉकलेट, बिस्कुट,आदि) का वितरण किया.

न्यू एकता क्लब का 20 वां रक्तदान शिविर 15 को

जमशेदपुर । न्यू एकता क्लब का 20 वां रक्तदान शिविर 15 अगस्त को आयोजित किया गया है. इस दौरान वहां आने वाले सभी लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच भी किया जाएगा. इसका निर्णय रविवार को बागबेड़ा स्थित सामुदायिक भवन में क्लब के पदाधिकारियों व सदस्यों की हुई बैठक लिया गया. शिविर का आयोजन जुगसलाई स्थित ऋषि भवन में आयोजित किया जाएगा. वोलेंटियर ब्लड डोनर एसोसिएशन के प्रमुख सुनील मुखर्जी ने बताया कि इस बार 500 यूनिट रक्त संग्रह करने का लक्ष्य निर्धारित किया है. 14 अगस्त को स्कूली बच्चों के बीच प्रतियोगिता का आयोजन होगा.

मंईयां सम्मान योजना का फॉर्म भरने उमड़ी भीड़

जादूगोड़ा। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में जादूगोड़ा थाना अंतर्गत डोमजूड़ी पंचायत ने नया रिकॉर्ड बनाया है. कुछ ही दिनों में झामुमो के संयुक्त सचिव समर दास की अगुवाई में अब तक 550 महिलाओं ने फॉर्म भर कर पंचायत सचिव अमित रौशन बारा के पास जमा किया है. यह अभियान आगामी 15 अगस्त तक चलेगा. आज रविवार को महिलाओं की भारी भीड़ डोमजुड़ी पंचायत भवन में उमड़ी. इस दौरान महिलाओ में मंईयां सम्मान योजना का फॉर्म भरने को लेकर काफी उत्साह दिखा. उन्होंने कहा कि यह योजना सफल हुई तो इस राशि को बच्चों के ट्यूशन फीस पर खर्च करेंगे.

थैलेसीमिया जैसे आनुवंशिक रोग के कारण एवं उससे बचाव के उपायों पर हुई चर्चा

पोलियो की तरह थैलेसीमिया का उन्मूलन संभव : उपायुक्त

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

केरला पब्लिक स्कूल, कदमा के सभागार में रविवार को ₹मेगा थैलेसीमिया जागरुकता कार्यक्रम₹ का आयोजन किया गया. जिला प्रशासन, पूर्वी सिंहभूम एवं थैलेसीमिया सोसायटी, जमशेदपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में जिले के शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधि, कारपोरेट घरानों के प्रतिनिधियों के अलावे स्कूली बच्चे, प्रबुद्ध नागरिक चैंबर, रोटरी व लायंस क्लब के प्रतिनिधि, चिकित्सा क्षेत्र के प्रमुख व्यक्ति शामिल हुए. इस दौरान थैलेसीमिया जैसी आनुवंशिक रोग के कारण एवं उससे बचाव के उपायों पर चर्चा हुई. उपायुक्त अन्नय मित्तल ने व्यापक स्तर पर जन जागरूकता लाने पर बल देते हुए कहा कि इस अनुवांशिक रोग से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी है. उन्होंने थैलेसीमिया सोसायटी, जमशेदपुर के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की यह जिम्मेदारी बनती है कि आप जिस भी कार्यस्थल या क्षेत्र में काम कर रहे हों, अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझते हुए थैलेसीमिया के बारे में लोगों को जागरूक करें, पोलियो की तरह ही इस रोग का समूल उन्मूलन किया जा सकता है. उन्होंने थैलेसीमिया के प्रति जागरुकता लाने के इस मुहिम में स्वयंसेवकों के कार्यों की भी सराहना की और उनकी निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं. कार्यक्रम को थैलेसीमिया सोसायटी, जमशेदपुर के शरत चंद्रन, सुनील मुखर्जी व जमशेदपुर ब्लड बैंक के डॉ संजय चौधरी समेत अन्य ने भी संबोधित किया. डॉ. अमित मुखर्जी ने थैलेसीमिया के चिकित्सा आयामों और प्रयास को लेकर जानकारी साझा की.

उपायुक्त द्वारा थैलेसीमिया सोसायटी के सदस्यों को जिला प्रशासन की ओर से परस्पर सहयोग प्रदान करने हेतु स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायती राज, समाज कल्याण, जनसंपर्क, विवाह ब्यूरो के जिला अधिकारियों की एक जिला कोर टीम का गठन किया गया जो इस मुद्दे को विभिन्न स्तर, प्रखंडों, शिक्षा संस्थानों, औद्योगिक घरानों आदि में युद्ध स्तर पर उठाएगी, ताकि इसे फैलने से रोकने के लिए एहतियाती और निवारक उपाय किए जा सकें. कार्यक्रम में डीटीओ धनंजय, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रिंकू कुमारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संध्या रानी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव, जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष पांडेय, जिला शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार मौजूद रहे.

रक्त विकार है थैलेसीमिया

थैलेसीमिया एक रक्त विकार है जो परिवारों (वंशानुगत) से गुजरता है जिसमें शरीर असामान्य रूप या अपर्याप्त मात्रा में हीमोग्लोबिन बनाता है. हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में प्रोटीन है जो ऑक्सीजन ले जाता है. विकार के परिणाम स्वरूप बड़ी संख्या में लाल रक्त कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं, जिससे एनीमिया होता है. इसके लिए थैलेसीमिया सोसाइटी ऑफ जमशेदपुर की ओर से एक स्वैच्छिक निकाय का गठन किया गया है. जो थैलेसीमिया से पीड़ित रोगियों की पहचान करना, समय पर रक्त उपलब्धता सुनिश्चित करना, माता-पिता और अभिभावकों के बीच जागरुकता बढ़ाना, नए मामलों की घटनाओं को रोकने के लिए सक्रिय उपायों को लागू करना, विवाह के लिए पंजीकरण करते समय पूर्व-गर्भाधान परीक्षण की पुष्टि करना आदि शामिल है.

विधायक ने जुगसलाई में कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

फिर बनेगी महागठबंधन की सरकार : मंगल कालिंदी

जुगसलाई मे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक मंगल कालिंदी.

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

- कई लोगों ने ली झामुमो की सदस्यता
- कहा-कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ इनके बिना जीत संभव नहीं

जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र के देव मंडप में महागठबंधन (इंडिया) के कार्यकर्ताओं की बैठक सह मिलन समारोह किया गया. जिसमें क्षेत्र के विधायक मंगल कालिंदी समेत गठबंधन दल के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए.

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक मंगल कालिंदी ने इंडिया गठबंधन की नीतियों और झारखंड सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं से सभी को अवगत कराया. साथ ही इसको जन-जन तक पहुंचने की बात गठबंधन के कार्यकर्ताओं से कहीं. उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं. इनके बिना किसी भी पार्टी की जीत संभव नहीं. विधायक ने आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कार्यकर्ताओं को तैयारी में जुट जाने का के लिए कहा.

कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाएगी और फिर से एक बार हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनेगी. इस दौरान लोगों ने विधायक द्वारा जनहित में किए गए कार्यों के लिए उनका आभार व्यक्त किया तथा सम्मानित किया.

मौके पर अमित सिंह और रंजीत साव के नेतृत्व में काफी संख्या में युवाओं और महिलाओं ने विधायक मंगल कालिंदी के समक्ष झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थामा. विधायक ने सभी को पार्टी का पट्टा पहना कर पार्टी में शामिल करवाया. कार्यक्रम में ज्योति मिश्रा, अभिजीत सिंह, नलिनी सिन्हा, मोहम्मद जमील, आशा शुक्ला, केके शुक्ला, शमशाद, राजू गद्दी, कौलेश्वर पांडेय, रंजीत साव, गुलाम अली, मुकेश शर्मा,शैलेश शर्मा, प्रेम तिवारी, जीएस भाटिया, शामू मल्लिक, अमर तिवारी, मोनू तिवारी, रंजन पांडेय, प्रफुल तिवारी आदि काफी संख्या में गठबंधन के कार्यकर्ता उपस्थित थे.

आदित्यपुर में आज सड़क के गड्ढों में धान रोपेंगे नागरिक

निगम को दिया था तीन दिन का समय, नहीं हुई मरम्मत

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर आकाशवाणी चौक के समीप जर्जर सड़क की मरम्मत के लिये पिछले दिनों शहर के नागरिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त शैलेश कुमार से मिलकर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा था. प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें 3 दिन (72 घंटे) का समय देकर सड़क की मरम्मत की मांग की थी. जिसकी समयावधि पूरी हो चुकी है लेकिन अब तक मरम्मत नहीं हुई है. अब वायदे के अनुसार सोमवार को सड़कों के गड्ढों में धान की रोपनी कर नागरिक विरोध जताएंगे.

बता दें कि कई महीने से आकाशवाणी चौक से आरआईटी क्षेत्र को जोड़ने वाली मुख्य सड़क कोलकाता बाजार के पास काफी जर्जर हालत में है, वहां बड़े-बड़े गड्ढे हर पल दुर्घटना को दावत दे रहे हैं. इस सड़क से हजारों स्कूली बच्चे के साथ-साथ आम आदमी का आवागमन होता है. एनआईटी जैसे प्रमुख शिक्षण संस्थान का पहुंच पथ भी यही है. इसके बावजूद इस समस्या का सुधि लेने वाला कोई नहीं है.

इसी बात को लेकर नगर निगम को ज्ञापन सौंपकर सड़क मरम्मतके लिये तीन दिन का समय दिया गया था, जो आज रविवार को पूरा हो चुका है, अब कल धान रोपनी की जाएगी. इसकी जानकारी भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सतीश शर्मा ने दी.

उन्होंने बताया कि उनके साथ ललन शुक्ला, अमितेश अमर, पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष अमित सिंह, पूर्व युवा मोर्चा मीडिया प्रभारी शनि सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष किसान मोर्चा जितेंद्र शुक्ला, विजय कुमार, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष मिंटू पांडे, पूर्व महामंत्री किसान मोर्चा धीरेंद्र ओझा, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष राजेश चौधरी एवं रंजन पंडित आदि इस अभियान में शामिल हैं.

आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक ने दिया पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा

आदित्यपुर | आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक प्रेम कुमार ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने पार्टी के राज्यसभा के सांसद और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक को अपना इस्तीफा भेज दिया है. प्रेम कुमार ने अपने इस्तीफे में पार्टी आलाकमान पर झारखंड की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दिया है. बता दें कि प्रेम कुमार अन्ना आंदोलन से पार्टी से जुड़े थे.

सोनारी के कृष का ईस्ट जोन बैडमिंटन चैंपियनशिप में चयन

जमशेदपुर । जमशेदपुर के सोनारी निवासी युवक कृष दुबे का चयन इस्ट जोन बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए हुआ है. उक्त चैंपियनशिप सितंबर में बिहार के गया जिले में होगी. इससे पहले कृष दुबे विगत दिनों गिरिडीह और भुवनेश्वर में आयोजित अंडर-19 बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपना परचम लहरा चुके हैं. कृष दुबे की इस उपलब्धि पर सोनारी थाना प्रभारी व शांति समिति के सदस्यों ने उसका अभिनंदन किया. शांति समिति के सचिव सह अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू ने कहा कि आज कल के कुछ नौजवान नशे के आदी होते जा रहे हैं. वहीं कुछ बच्चे मोबाइल में अपना संसार बनाने लगे हैं. ऐसे समय में कृष दुबे जैसा नौजवान में खेल के प्रति ललक से युवा पीढ़ी को सबक लेना चाहिए. कार्यक्रम में सोनारी थाना प्रभारी कुमार सरयू आनंद के अलावे सदस्य राहुल भट्टाचार्जी, अभिभावक स्वरूप अरुण जॉन पुरुषोत्तम पांडेय ने मिलकर उसे फूलों का गुलदस्ता भेंट कर और मुंह मीठा करवा कर आशीर्वाद दिया.

- थाना प्रभारी समेत शांति समिति के सदस्यों ने किया अभिनंदन

पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार ने शुरू किया जनसंपर्क अभियान

जोजोबेड़ा में स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर सुनीं समस्याएं

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

झारखंड विधानसभा के आसन्न चुनाव को देखते हुए राजनीतिक सरगर्मी शुरू हो गई है. जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में विधायक सरयू राय की निरंतर सक्रियता को देखते हुए कांग्रेस पार्टी के नेता तो सक्रिय हैं ही, अब भाजपा भी सक्रिय हो गई है. रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के भांजे व पूर्व महानगर भाजपा अध्यक्ष दिनेश कुमार ने जन संपर्क अभियान शुरू कर दिया. उन्होंने जोजोबेड़ा में स्थानीय लोगों के साथ बैठक की. क्षेत्र की समस्याओं को सुना.

दिनेश कुमार ने बताया कि बैठक में स्थानीय विधायक द्वारा क्षेत्र की उपेक्षा का विषय प्रमुख रहा. बस्तीवासियों ने विधायक सरयू राय की कार्यशैली की आलोचना की. दिनेश कुमार को जनसमूह ने बताया कि क्षेत्र की समस्याएं गंभीर हैं और निवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. गंदगी का अंबार, सार्वजनिक शौचालय का हाल बेहाल, बजबजाती हुई नालियां चारों ओर नजर आ रही हैं, इसके अलावे बस्ती की मूलभूत सुविधाओं को लेकर भी विधायक संवेदनशील नहीं हैं. बैठक में उपस्थित जनसमूह ने संकल्प लिया कि आसन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा का परचम लहरायेंगे.

केवि के 30 टॉपर आदिवासी बच्चों को प्रतिमान सम्मान

जादूगोड़ा । तुरामडीह सामुदायिक केंद्र में आयोजित यूसिल अनुसुचित जनजाति कर्मचारी संघ के कार्यक्रम में परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय के 30 टॉपर आदिवासी बच्चों को आज रविवार को डुमरिया के बीडीओ नीलेश मुर्मु ने प्रतिमान सम्मान प्रदान किया. सम्मान पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे. इसके पूर्व संथाली, हो एवं मुंडा समुदाय की नृत्य मंडलियों ने समारोह के मुख्य अतिथि डुमरिया बीडीओ निलेश मुर्मू समेत विशिष्ट अतिथि यूसिल अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सह यूसिल डीजीएम मनोरंजन महाली व कंपनी के प्रशासनिक अधिकारी दीपतेन्दु हांसदा का भव्य तरीके से स्वागत किया. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संघ के तुरामडीह इकाई के प्रभारी सृजन टुडू, मंगल टुडू, मानिक चन्द मुर्मू, देवीराम सोरेन, बगराय हांसदा, सुनील दिग्गी, गुरुचरण हांसदा, दीपक हेम्ब्रोम, कारा मुर्मू, गुरबा हांसदा, देवनारायण भोक्ता, कालीचरण मुर्मू, लखन मार्डी और पांडुराम हांसदा ने अहम योगदान दिया.

- यूसिल अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ के कार्यक्रम में किया गया सम्मानित

संस्कृति श्रीश्री राम मंदिर नवयुवक दुर्गा पूजा कमेटी रोड 13-14 इस वर्ष मना रही है स्वर्ण जयंती

हंस रूपी समुद्री जहाज के बीच में मां दुर्गा देंगी दर्शन, भूमि पूजन हुआ

संवाददाता । आदित्यपुर

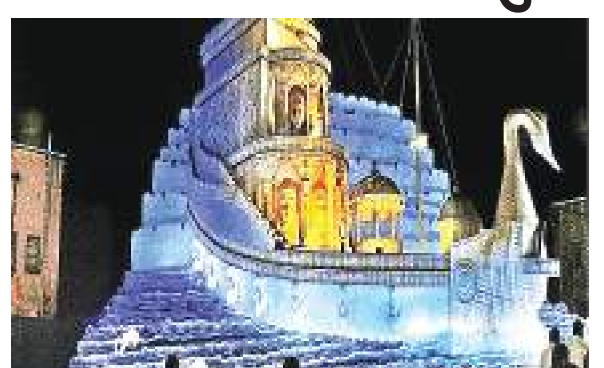

श्रीश्री राम मंदिर नवयुवक दुर्गा पूजा कमेटी द्वारा रविवार को भव्य पूजा पंडाल निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया. इसमें अतिथि के रूप में पूर्व मेयर विनोद कुमार श्रीवास्तव मौजूद थे. इस वर्ष कमेटी अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहा है. इसको लेकर यहां भव्य पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है. हंस रूपी समुद्री जहाज के बीच में मां दुर्गा दर्शन देंगी. श्रीश्री राम मंदिर नवयुवक दुर्गा पूजा कमेटी रोड नंबर 13-14 इस वर्ष स्वर्ण जयंती वर्ष मना रही है. इसको लेकर हंस रूपी समुद्री जहाज की आकृति बना रही है. इसी बीच दुर्गा भक्तों को दर्शन देगी. भूमिपूजन में यजमान के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष उदय सिंहदेव, मनोज तिवारी, चेयरमैन जितेंद्र मिश्रा, दशरथ उपाध्याय, भोगेन्द्र नाथ झा, संतोष चौबे, विनोद सिंह, सागर सिंह, अमित सिंह, सोनी सिंह, अध्यक्ष विजय कृष्ण राजू, संयोजक निरंजन मिश्रा, सतीश मिश्रा, स्वप्मिल सिंह, लक्ष्मण राय आदि शामिल थे.

सहारा गार्डन सिटी में दुर्गोत्सव के लिए भूमि पूजन

आदित्यपुर । सहारा गार्डन सिटी दुर्गा पूजा समिति आदित्यपुर ने सुबह 11 बजे दुर्गा पूजा के लिए भूमि पूजन किया. पंडित तारा बनर्जी और यजमान प्रमोद कुमार ने पूजा कराई. मुख्य संरक्षक शशांक गांगुली के अलावा संरक्षक उषा देवी, मुन्ना दुबे, रमाशंकर सिंह एवं मनी कांत झा, अध्यक्ष एस.के.चौधरी, कार्यकारी अध्यक्ष राजीव रंजन एवं सौरभ भट्टाचार्जी, महासचिव प्रशांत कांत, सचिव अरविंद कुमार सिंह एवं राकेश रंजन, कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार एवं बी दास, ऑडिटर द्वारिका नाथ तथा समन्वयक के रूप में पीएन पांडे, अरविंद दुबे, रितेश शर्मा, प्रभाकर कुमार, जीडी ओझा तथा काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया. बता दें कि सहारा गार्डन सिटी में काफी धूम धाम से पूजा की जाती है.

न्यूज अपडेट

पटमदा में आनंदमार्ग ने किया साड़ी का वितरण

जमशेदपुर । आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल जमशेदपुर की ओर से रविवार को पटमदा के रांगाटांड़ गांव में महिलाओं के बीच लगभग 150 साड़ी का वितरण किया गया. इस दौरान उपस्थित महिलाओं को भक्ति भाव के विषय में बताते हुए सुनील आनंद ने कहा कि अभी खेती का समय है सावन का महीना है. सुबह खेत में जाने के पहले 5 मिनट भी कम से कम हरि का कीर्तन करना चाहिए. हरि का नाम भाव से लेने से अशांति, तनाव और चिंता से मुक्ति मिलती है. साथ ही कोई भी कार्य की शुरुआत करने में सफल मिलती है. कहा कि कीर्तन एक उच्चतम और श्रेष्ठतम भावनात्मक अभ्यास है. कीर्तन हमें ईश्वर के साथ गहरे संबंध बनाने और अपने आन्तरिक शक्ति को प्रकट करने में सहायता करता है.

विवेकानंद फाउंडेशन ने फूंका आतंकवाद का पुतला

आदित्यपुर । बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा देश में तख्ता पलट के साथ ही हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर किए जा रहे अत्याचार के विरुद्ध विवेकानंद फाउंडेशन सरायकेला-खरसावां ने रविवार की सुबह आकाशवाणी चौक पर कट्टरपंथियों का पुतला दहन कर विरोध दर्ज किया और हिंदुओं की रक्षा के लिए सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की. इस मौके पर संगठन के संस्थापक भाजपा नेता ललन शुक्ला ने कहा कि बांग्लादेश में खास तौर पर हिंदुओं को निशाना बनाकर उनके घरबार और दुकानों को जलाया जा रहा है, बहू बेटियों की इज्जत लूटी जा रही है. उन्हें धर्मांतरण के लिए मजबूर किया जा रहा है. वहां 25 फीसदी से घटकर हिंदू अब महज आठ फीसदी बचे हैं, जिनका भी अस्तित्व खतरे में है.

वृक्ष मित्र मंडली ने जेपी उद्यान में किया पौधरोपण

आदित्यपुर। आदित्यपुर स्थित जयप्रकाश उद्यान में टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष टुन्नू चौधरी के नेतृत्व में "वृक्ष मित्र मंडली" ने वृहत पौधरोपण कार्यक्रम चलाया गया. आज के कार्यक्रम में बरगद, नीम, आम, जामुन, महोगिनी, कटहल, बेल जैसे कुल 50 पौधे जाली सहित लगाये गये. टुन्नू चौधरी ने कहा कि खुशी की बात है पिछले महीने की शुरुआत में हमारे मंडली द्वारा लगाये सभी पौधे कुछ बड़े भी हो गये हैं. यह निर्णय लिया गया है कि हमारे "वृक्ष मित्र मंडली" द्वारा आने वाले समय में जयप्रकाश उद्यान के अलावा ग्रीन आदित्यपुर लक्ष्य के साथ आदित्यपुर के अन्य स्थानों पर भी पौधरोपण किया जायेगा. मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश मिश्रा ने कहा कि हमारी मंडली द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि आने वाले प्रत्येक रविवार को सभी पौधा लगे जाली से खर पतवार की सफाई की जायेगी.

ग्रामीण क्षेत्रों की लड़खड़ाई बिजली व्यवस्था

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र की पाथरी पंचायत के सातों गांव में बारिश होते ही लोगों को बिजली की समस्या से जूझना पड़ा रहा है. ग्रामीण क्षेत्र में बिजली व्यवस्था लड़खड़ा गई है. बारिश के मौसम के बीच बिजली गुल रहने के कारण ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है. शनिवार को पूरे दिन बिजली बहाल नहीं होने से पूरे मोहल्ले में सन्नाटा पसरा रहा. अंधेरे के कारण पूरे सात गांव मधुआबेड़ा, गोहालडीहि, चड़कमारा, राधानगर, टिगांशाई, कुलिंयक के लोग परेशान रहे. वहीं बिजली नहीं होने से पेयजल की समस्या का भी लोगों को सामना करना पड़ रहा है. खबर लिखे जाने तक बिजली विभाग के कर्मचारी बिजली बहाल करने में जुटे हुए हैं.

लक्ष्मण टुडू ने खराब चापाकल की करायी मरम्मत

घाटशिला । छोलागोड़ा गांव में घाटशिला के पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू ने रविवार को खराब चापाकल की मरम्मत करवा कर ग्रामीणों को पानी मुहैया करवाया. इस दौरान पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू ने बताया कि गांव के दौरे के क्रम में छोलागोड़ा गांव की महिलाओं ने काफी दिन से चापाकल खराब होने की शिकायत की थी. महिलाओं ने पूर्व विधायक को बताया कि चापाकल के खराब होने के कारण पानी की यहां काफी समस्या बनी रहती है. टुडू ने बताया कि उन्होंने अपने स्तर से चापाकल की मरम्मत करवाई और ग्रामीणों को पानी मुहैया करवाया. चापाकल से पानी निकलते देख ग्रामीणों के चेहरे पर खुशियों का ठिकाना ना रहा. उन्होंने कहा कि ना यहां के विधायक काम को अंजाम देने के लिए गंभीर हैं और ना ही उनके प्रतिनिधि. यहां के विधायक चैन की नींद सो रहे हैं.

पर्यावरण मित्र व एनएसएस ने लगाये 200 पौधे

घाटशिला । रविवारीय विशेष पौधरोपण अभियान में रविवार को पर्यावरण मित्र घाटशिला एवं घाटशिला कॉलेज की एनएसएस इकाई ने कदमडीह, मुसाबनी और अमलगोड़ा फुटबॉल मैदान, बड़ाजुड़ी घाटशिला में करंज, छातीम, नीम और शरीफा का 200 पौधे लगाये. कदमडीह में कैनाल के दोनों किनारे पर्यावरण मित्र के नेतृत्व में मिशन जंगल के तहत लगातार पौधरोपण किया जा रहा है. प्रो इंदल पासवान और डॉ. संदीप चन्द्रा के नेतृत्व में कदमडीह गांव और बड़ाजुड़ी गांव के युवा लगातार पौधरोपण अभियान को गति दे रहे हैं. विदित हो कि पर्यावरण मित्र और घाटशिला कॉलेज की एनएसएस इकाई पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार सार्वजनिक स्थानों पर पौधरोपण कर रहा है.

भाजपा के नव नियुक्त पदाधिकारी सम्मानित

घाटशिला । भारतीय जनता पार्टी जिला कमेटी की ओर से रविवार को घाटशिला के एक होटल में जिला अध्यक्ष चंडी चरण साव की अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक में पूर्वी सिंहभूम जिला के नव नियुक्ति जिला पदाधिकारी एवं सभी मंडल अध्यक्षों को जिलाध्यक्ष चंडी चरण साव ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया. उन्होंने सभी नव नियुक्त मंडल अध्यक्ष एवं जिला कमेटी के पदाधिकारी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन पर विशेष ध्यान देना है, ताकि बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता मजबूती के साथ संगठन के कार्य में लगे रहें. उन्होंने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को लेकर विचार-विमर्श किया. जिला अध्यक्ष ने कहा कि 13 अगस्त की शाम 4 बजे राजस्टेट मैदान से मऊभंडार तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी. इसमें सभी को शामिल होने का निर्देश दिया.

खुदीराम बोस का 117वां शहादत दिवस मनाया

चांडिल । चांडिल गोलचक्कर स्थित खुदीराम बोस चौक पर रविवार को शहीद खुदीराम बोस स्मारक समिति के बैनर तले देश के पुष्प शहीद खुदीराम बोस का 117वां शहादत दिवस मर्यादापूर्वक मनाया गया. इस अवसर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई. इसके बाद सभा का आयोजन किया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए. सबसे पहले शहीद खुदीराम बोस की तस्वीर पर स्मारक समिति के अध्यक्ष मनोज वर्मा ने माल्यार्पण किया. इसके बाद सचिव आशुदेव महतो, रूदिया पंचायत के मुखिया सुबोधनी माहली, समाजसेवी नीलरतन खां समेत अन्य लोगों ने तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. कार्यक्रम में शहीद खुदीराम बोस स्मारक समिति के संरक्षक ज्योति लाल माहली ने कहा कि वर्तमान समय में खुदीराम बोस के विचारों को गांव और शहर में सभी छात्रों और नौजवानों के बीच पहुंचाना जरूरी है. कार्यक्रम में शहीद खुदीराम बोस स्मारक समिति के अध्यक्ष मनोज वर्मा, सचिव आशुदेव महतो, सदस्य अनंत महतो, युधिष्ठिर प्रमाणिक आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए.

ब्रीफ खबरें

राशन कार्ड की बाध्यता दिसंबर तक स्थगित रखने की मांग

आदित्यपुर । आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह ने झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों से आवेदन पत्र प्राप्त करने हेतु लगाए गए शिविर का निरीक्षण किया. कई महिलाओं ने बताया कि उन्होंने राशन कार्ड के लिए आवेदन दिया है, मगर अब तक नहीं बना है. पुरेंद्र नारायण सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से मिलकर झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के योग्य लाभुकों को आवेदन करने हेतु दिसंबर तक राशन कार्ड की बाध्यता स्थगित करने की मांग की है.

कांवड़ यात्रा में भूत प्रेत की झांकी रही आकर्षण का केंद्र

जमशेदपुर । रविवार की सुबह साकची बाजार श्री शिव मंदिर कमिटी द्वारा निकाली गयी कांवड़ यात्रा में सैकड़ों कांवरियों ने संकल्प के साथ भाग लिया. इस धार्मिक कार्यक्रम में स्वर्णरेखा नदी मानगो से जल उठाकर ढाई किलोमीटर की यात्रा तय कर श्री श्री साकची शिव मंदिर पहुंचकर सभी भक्तों ने कतारबद्ध होकर शिवलिंग पर जलाभिषेक किया. इस कांवड़ यात्रा में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता पत्नी सुधा गुप्ता संग शामिल हुए. कांवड़ यात्रा में शिव परिवार सहित भूत प्रेत की झांकी आकर्षण का केंद्र रही. इसके बाद साकची शिव मंदिर में महाआरती के पश्चात सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया.

खुदीराम का बलिदान प्रेरित करती रहेगी : अमरप्रीत सिंह

जमशेदपुर । स्वतंत्रता सेनानी, अपने साहस एवं शौर्य से क्रांति की चिंगारी को गति देने वाले खुदीराम बोस के बलिदान दिवस पर रविवार को 'नमन परिवार' की ओर से उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई. इस मौके पर अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि जब एक युवा अपने भविष्य को लेकर परेशान रहता है उस उम्र में मां भारती की परतंत्रता की बेड़ियों को तोड़ने के लिए हंसते-हंसते अल्पायु में ही अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान क्रांतिकारी अमर शहीद खुदीराम बोस के साहस, त्याग एवं बलिदान की गौरव गाथा युगों-युगों तक हर भारतवासियों को प्रेरित करती रहेगी.

सुंदरनगर में मारवाड़ी महिलाओं ने मनायी हरियाली तीज

जमशेदपुर । सुंदरनगर मारवाड़ी महिला मंच की ओर से रविवार को हरियाली तीज का आयोजन किया गया. जिसमें समाज की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. सभी महिलाएं हरी चुड़ी व साढ़ी के अलावे रंग बिरंगे परिधान में थी. इस दौरान महिलाओं ने कई प्रकार के खेल व प्रतियोगिताएं आयोजित की. जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. इस दौरान मारवाड़ी पारंपरिक गानों पर महिलाओं ने नृत्य किया. कार्यक्रम का आयोजन मारवाड़ी महिला मंच की अध्यक्ष संगीता की गई अध्यक्षता में आयोजित हुआ. मौके पर सचिव सीमा अग्रवाल , कोसा अध्यक्ष श्रद्धा अग्रवाल, मधु बागडेवाल, रितिका धानुका, सुमित्रा देवी शाह, सोनल शाह, रिचा शर्मा, पिंकी मालपानी, रेखा धानुका, अन्नपूर्णा आदि मौजूद थीं.

बोल बम के जयकारे से गूंज रहा महादेवशाल स्टेशन व आसपास का पूरा क्षेत्र

महादेवशाल धाम में जलाभिषेक करने दूर-दूर से पहुंचे लोग

- मंदिर में महिला व पुरुष श्रद्धालुओं की लगी कतार

विशेष सहयोगी । गोईलकेरा

पश्चिमी सिंहभूम जिला के गोईलकेरा प्रखंड स्थित प्रसिद्ध महादेवशाल धाम में सावन की चौथी सोमवारी से पूर्व रविवार को भी दूर-दराज से श्रद्धालु पूजा अर्चना व जलाभिषेक के लिए पहुंचे. बड़ी संख्या में महिला और पुरुष शिव भक्तों ने कतार में शामिल होकर जलाभिषेक किया. रविवार को सुबह से ही महादेवशाल धाम मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही. महादेवशाल मंदिर व मेला समिति की ओर से महिला व पुरुष के अलग अलग कतार में शामिल होने की व्यवस्था की गई थी. झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावे ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ से भी श्रद्धालु पहुंचे थे.

रविवार को महादेवशाल धाम में जलाभिषेक के लिए कतार में खड़े श्रद्धालु.

बोल बम, हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा महादेवशाल रेलवे स्टेशन और आसपास का क्षेत्र भक्तिमय हो उठा है. मंदिर को आकर्षक तरीके से सजाया गया है.

इस अवसर पर कई सामाजिक संगठनों द्वारा श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद स्वरूप खीर, पूड़ी, सब्जी और खिचड़ी बांटे गए. इधर सोमवार को होने वाली भीड़ को लेकर भी मंदिर समिति ने तैयारी पूरी कर ली है, ताकि श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं हो.

महादेवशाल धाम मंदिर के बाहर लगे मेले में खरीदारी करते लोग.

मेले में खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़

महादेवशाल धाम मंदिर के समीप ही मेला भी लगाया गया है. यहां पूजन सामग्रियों के अलावा बच्चों के खिलौने, जरूरत के सामान, खानपान के स्टॉल इत्यादि लगाए गए हैं. रविवार को साप्ताहिक छुट्टी होने के कारण एक ओर लोगों ने महादेवशाल धाम मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की और मेले में खरीदारी भी की. यह मेला पूरे सावन माह तक चलता है.

भाषा-संस्कृति को बचाने के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

आदिवासी धरती के जल, जंगल और जमीन के रक्षक हैं : राजेन्द्र

- कुदाहातु में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया

संवाददाता । चाईबासा

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर टोन्टो प्रखंड के सिरिंगसिया पंचायत के अन्तर्गत ग्राम कुदाहातु में हो समाज की भाषा-संस्कृति को बचाने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक खेलकूद प्रतियोगिता का रविवार को आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले महिला एवं पुरुष वर्ग को अतिथियों ने सम्मानित किया. यह कार्यक्रम कुदाहातु गांव में दूसरी बार आयोजित की गई. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हो समाज के बुद्धिजीवी राजेन्द्र सिंकू ने आदिवासी दिवस के उद्देश्य पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि हमारे आदिवासी इस धरती के जल, जंगल और जमीन के रक्षक हैं. इसके बावजूद भी हम अपनी हक और अधिकार का सही लाभ नहीं ले पाते हैं, क्योंकि हमारे आदिवासी समाज में बहुत कम लोग ही पढ़े लिखे हैं. इसके कारण हमारा आज भारत आजादी के 77 साल बाद भी हम अपने हक और अधिकार का सही लाभ नहीं ले पा रहे हैं.

कुदाहातु में विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत करते ग्रामीण.

इसके लिए हम सभी सामाजिक जागरूकता और शैक्षणिक विकास में आगे आएं. कार्यक्रम में पुरुषों पुरुषों के लिए सेंगेल गुरतुई ओल, बोड़ पटाः, रूतु -बनम साड़ी बदा-बादी सांस्कृतिक खेलकूद का आयोजन किया गया. महिलाओं के लिए जाटि गलंग, जोनो गलंग बदाबादी, सकम पुऊ, सुसुन-दुरंग बदा-बादी आदि का आयोजन किया गया. साथ ही नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया.

धर्म संस्कृति का बचाने का लें संकल्प : अध्यक्ष

कार्यक्रम में आदिवासी हो समाज युवा महासभा के टोन्टो प्रखंड अध्यक्ष राजेश उर्फ बिष्टुम हेस्सा ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के शुभ अवसर पर आदिवासी समुदाय की रीति-रिवाज एवं अपनी धर्म संस्कृति को बचाये रखने का संकल्प लें. आदिवासी समाज की परंपरा से नयी पीढ़ी को जोड़ने में आप सभी आदिवासी हो समाज महासभा से जुड़ें और सामाजिक विकास में ग्रामीणों को आर्थिक रूप से मदद करने के लिए अपील की. इसके साथ ही हो समाज की मूल-संस्कृति के बचाव एवं धार्मिक भटकाव से लोगों को बचाने में सामाजिक स्तर पर जन जागरूकता फैलाने हेतु युवाओं को आदिवासी हो समाज युवा महासभा को सहयोग करने लिए प्रोत्साहित किया. इस अवसर पर जब्बर सिंह लागुरी, सुरेश चंद्र हेस्सा, पोदना लागुरी, बिष्टुम आदि मौजूद थे.

कांवरियों के लिए सुखराम हेम्ब्रम ने लगाया सेवा शिविर

चांडिल । चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में पवित्र सावन माह में बोल बम जाने वाले कांवरियों की भीड़ देखी जा रही है. यहां जयदा स्थित ऐतिहासिक बूढ़ा बाबा मंदिर में पूजा अर्चना कर सुवर्णरेखा नदी से पवित्र जल लेकर बड़ी संख्या में कांवरिया पश्चिम बंगाल के बेडादा स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर जा रहे हैं. बोल बम जाने वाले कांवरियों की सेवा के लिए जगह-जगह सेवा शिविर लगाया गया है. झारखंड आंदोलनकारी सह स्वच्छ चांडिल स्वस्थ चांडिल के संस्थापक सुखराम हेम्ब्रम ने भी सेवा शिविर लगाया है. उनके द्वारा नीमडीह प्रखंड के आदरडीह पेट्रोल पंप के पास रविवार को भंडारा का आयोजन किया गया. सेवा शिविर में बोल बम जाने वाले कांवरियों के लिए ड्रेस, गमछा और विशाल भंडारा की व्यवस्था की गयी थी. उन्होंने बोल बम जाने वाले कांवरियों और सभी शिव भक्तों को अपने हाथों से भोजन कराया और उनकी सेवा की. सेवा शिविर में कांवरियों के लिए नहाने की भी सुविधा उपलब्ध करायी गयी थी.

भोजन परोसते सुखराम हेम्ब्रम.

ग्रामीणों को सरकारी योजना का लाभ पहुंचाया जाएगा : होदा

कांग्रेस के कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी.

- कांग्रेस ने स्पेशल अभियान चलाने के लिए बैठक में की

संवाददाता । चाईबासा

कांग्रेस भवन चाईबासा में रविवार को जिला अल्पसंख्यक कांग्रेस उपाध्यक्ष जहांगीर आलम की अध्यक्षता में बैठक की गई. बैठक में झारखंड सरकार द्वारा की जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओं अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पेंशन योजना, मुख्यमंत्री निराश्रित पेंशन योजना, सर्वजन पेंशन योजना, मंईयां योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्र की निर्दोष निरक्षर ग्रामीणों को लाभ पहुंचाने के लिए स्पेशल अभियान चलाने पर चर्चा की गई. मौके पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव अशरफ होदा ने कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि कोल्हान में झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों से ग्रामीणों को लाभ पहुंचाने के साथ ही इसका समुचित प्रचार-प्रसार करना आवश्यक है, ताकि कोल्हान में इंडिया गठबंधन की वर्चस्व को कायम रखा जा सके. कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सन्नी सिंकु ने कहा कि कोल्हान की विलग राजनीतिक और प्रशासनिक इतिहास को पश्चिम सिंहभूम जिला में पदस्थापित नौकरशाह को समझना जरूरी है. बैठक में जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव मासूम रजा, जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव बबलू सिंकु, खुंटपानी प्रखंड कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष सकारी दोंगो, पूर्व अध्यक्ष मनोज जामुदा आदि उपस्थित थे.

चाईबासा में 12वीं पश्चिमी सिंहभूम जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता शुरू

- राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 25 व 26 अगस्त को होगी

संवाददाता । चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिला योग एंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन चाईबासा के तत्वावधान में 12वीं जिला स्तरीय ओपन योग प्रतियोगिता का शुभारम्भ पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि व्यस्तम जीवन शैली में योग एवं ध्यान मानसिक व शारीरिक एकाग्रचित्तता और उत्तम स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है.

ऐसे आयोजन इसके प्रति लोगों में जागरूकता उत्पन्न करते हैं, जिले भर से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को देखकर प्रसन्नता हो रही है. आयोजक और प्रायोजक एसआर रूंगटा ग्रुप दोनों ही बधाई के पात्र हैं. शेखर खीरवाल धर्मशाला चाईबासा में आयोजित इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल थे. प्रतियोगिता में चाईबासा सदर के साथ-साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों चक्रधरपुर, सोनुवा, मनोहरपुर, खूंटपानी, झींकपानी, तांतनगर, नोवामुंडी, हाटगम्हरिया, मंझारी से 195 प्रतिभागियों ने भाग लिया. मालूम हो कि बालक और बालिका के लिए आयु 8 से 25 प्लस तक अलग-अलग वर्गों में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था. निर्णायक मंडली में सुनील प्रजापति, संजय चिरानिया, हिमानी लकड़ा, पूजा नायक, सुमित विश्वकर्मा, गौरव प्रसाद, सोम नायक, चंदन शीट और सिद्धार्थ प्रसाद शामिल थे. सचिव कन्हैया लाल अग्रवाल ने एसआर रूंगटा ग्रुप के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता को प्रारंभ से ही उनके द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है. प्रतियोगिता कई चरणों में विभिन्न 10 आसनों के प्रदर्शन पर आधारित है, सभी प्रतिभागी अपना श्रेष्ठ देने का प्रयास कर रहे हैं. प्रतिभागियों का उत्साह चरम पर है जो योगासन की लोकप्रियता का परिचायक है. इस प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय ओपन प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए चयन प्रक्रिया 17 अगस्त को स्थानीय रुंगटा मैरेज हाउस में सुबह 11 बजे से आयोजित की जाएगी. राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 25 एवं 26 अगस्त को जमशेदपुर में किया जाएगा.

जब्त सामग्री के साथ उत्पाद विभाग की छापामारी टीम.

न्यूज अपडेट

स्वतंत्रता दिवस के लिए नृत्य के अभ्यास में जुटी बच्चियां

किरीबुरु । स्वतंत्रता दिवस को ऐतिहासिक बनाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों में विभिन्न स्कूलों की बच्चियां जुट गई हैं. मेघाहातुबुरु स्थित मैदान में भव्य स्वतंत्रता दिवस का आयोजन सेल प्रबंधन द्वारा किया जाता है. इसमें सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्युरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) और स्कूली बच्चों द्वारा परेड व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है. केन्द्रीय विद्यालय मेघाहातुबुरु समेत विभिन्न स्कूलों के बच्चे आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं. इसी उद्देश्य के साथ रविवार को दर्जनों बच्चियां मेघाहातुबुरु मैदान में नृत्य का अभ्यास करती नजर आयीं.

गंगदा पंचायत के चुर्गी गांव में बनी नाली धंस गई

किरीबुरु । पहली बारिश में ही गंगदा पंचायत के चुर्गी गांव में लगभग ढाई लाख रुपये की लागत से पंचायत फंड से बनी नाली धंस गई. चुर्गी गांव के ग्रामीणों ने बताया कि यह नाली बरसात शुरू होने से पहले बनायी गयी थी. नाली के नीचे पीसीसी ढलाई नहीं की गई थी. गड्ढा खोदकर दोनों तरफ ईंट से जोड़ाई कर नाली बना दी गई थी. पिछले दिनों एक-दो बार हुई भारी वर्षा के बाद नाली की एक ओर की दीवार धंस कर दूसरी दीवार से सट गयी है. ग्रामीण इसमें भारी अनियमितता बरते जाने की बात कह रहे हैं. उन्होंने इसे पुनः बनाने और जांच की मांग की है.

मलेरिया से बचने के लिए मच्छरादानी का किया वितरण

किरीबुरु । सारंडा में बढ़ते मच्छरों व मलेरिया के प्रकोप बढ़ गया है. इसे देखते हुए रविवार को छोटानागरा के धर्मगुटू टोला के सामाजिक संगठन खेरवाड़ एभेन आखड़ा ने अपने समुदाय के बीच मच्छरदानी का वितरण किया. खेरवाड़ एभेन आखड़ा के संचालक सह उप मुखिया रमेश हांसदा ने सभी ग्रामीणों को मलेरिया से बचाव हेतु मच्छरदानी का नियमित प्रयोग करने, आसपास जल जमाव, गंदगी व झाड़ियां नहीं होने देने, पानी को उबालकर तथा उसे ठंडा कर साफ कपड़ों से छानकर पीने, बुखार आने पर अंधविश्वास अथवा घरेलू इलाज न कर पहले चिकित्सक के पास जाकर मलेरिया की जांच कराने की अपील की.

डुकुरडीह में स्कूल के नाम जमीन खरीदने का विरोध

चक्रधरपुर । शिक्षण संस्थान के नाम पर मनोहरपुर के डकुरडीह में जमीन खरीदने के विरोध में रविवार को ग्रामीणों की बैठक हुई. इसमें ग्रामीणों ने गांव में स्थापित स्कूल की संस्था द्वारा ग्रामीण रैयतों की जमीन खरीदी करने का कड़ा विरोध किया. बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि स्कूल के पास पहले से ही काफी जमीन है. इसके बावजूद संस्था को और भी जमीन लेने की क्या आवश्यकता पड़ गई है. बाहरी संस्था द्वारा गांव में खरीदी गई उक्त जमीन रैयत अमीन मुंडारी और धनसिंह मुंडारी की है. इस संदर्भ में मनोहरपुर के अंचल अधिकारी से मिल कर ज्ञापन सौंपने का भी निर्णय लिया गया है. बैठक में ग्राम मुंडा अशोक महतो आदि मौजूद थे.

पुरुष वर्ग में खरसावां और महिला वर्ग में पाताहातु विजेता

चक्रधरपुर । मनोहरपुर प्रखंड के घाघरा में अभिनव समिति के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ. प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में खरसावां और महिला वर्ग में सोनुवा के पाताहातु की टीम विजेता बनी. प्रतियोगिता में कुल 46 टीमों ने हिस्सा लिया था. पुरुष वर्ग में उप विजेता सोनुवा के झीलरूवां, तृतीय स्थान घाघरा और चतुर्थ स्थान में सागजुड़ी की टीम रही. महिला वर्ग में उप विजेता आनंदपुर की टीम रही. अतिथि के रूप में सांसद जोबा माझी की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि सोनुवा के झामुमो नेता हेमचंद महतो, ढीपा के मुखिया अशोक बांदा आदि मौजूद थे.

ससुराल से बिना बतायेनिकली विवाहिता, परिजन परेशान

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर प्रखंड की टोकलो थाना क्षेत्र के रोलाडीह गांव की एक विवाहिता घर में परिजनों को बिना बताये कहीं चली गई है. इससे परिजन परेशान हैं. परिजनों ने मामले की जानकारी टोकलो थाना में भी दी है. बताया जाता है कि रोलाडीह गांव निवासी कपूर महतो की पत्नी रानी महतो 9 जून को रोलाडीह स्थित अपने ससुराल से किसी को बिना बताये घर से निकल गई. इसे लेकर रानी के पति कपूर महतो ने बड़ाम्बो स्थित मायके व अन्य जगहों में खोजबीन की, लेकिन रानी का कहीं पता नहीं चल पाया. बताया जाता है कि पिछले महीने 25 जून को रानी महतो का विवाह रोलाडीह निवासी कपूर महतो से हुआ था. ससुराल वाले और मायके वाले उसे ढूंढने का पूरा प्रयास कर रहे हैं. पुलिस से भी उसे जल्द ढूंढने की अपील की गई है.

समारोह सिस्टर निवेदिता महिला इंटर कॉलेज का 20वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया, रंगारंग कार्यक्रम भी हुए

शिक्षा से ही समाज में बदलाव संभव है, कभी भी इससे पीछे न भागें : रमेश प्रसाद

- प्राचार्य ने कॉलेज के 20 साल के सफर की दी जानकारी

संवाददाता । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर के थाना रोड स्थित सिस्टर निवेदिता महिला इंटर कॉलेज का 20वां वार्षिकोत्सव समारोह रविवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच मनाया गया. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि चाईबासा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश प्रसाद, विशिष्ट अतिथि कॉलेज के अध्यक्ष खिरोद महतो, सचिव पतंजलि महापात्रा उपस्थित थे. दीप प्रज्ज्वलित कर वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि चाईबासा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश प्रसाद ने भी विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताया. उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही समाज में बदलाव संभव है, इसलिए कभी भी इससे पीछे न भागें. कॉलेज के प्राचार्य देवब्रत महापात्रा ने कॉलेज के 20 सालों के सफर के बारे में जानकारी दी.

महिला इंटर कॉलेज में वार्षिकोत्सव समारोह में नृत्य पेश करती छात्राएं.

समारोह के दौरान सम्मान पाने वाली छात्राओं के साथ अतिथिगण.

उन्होंने कहा कि कॉलेज के शिक्षकों व कर्मचारियों की मेहनत के कारण दिन-प्रतिदिन आगे बढ़ता गया. शिक्षकों के बेहतर मागदर्शन में जैक बोर्ड के परीक्षाफलों में छात्राओं ने बेहतर अंक प्रदान कर कॉलेज का मान बढ़ाया. छात्राएं लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें, अवश्य सफलता मिलेगी. इस अवसर पर कॉलेज की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान झारखंड की लोक गीतों पर एक से बढ़कर एक नृत्य पेश किये, जिसे खूब सराहा गया. अन्य छात्राओं ने भी गीत, नृत्य, कविता, नाटक की प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया. मौके पर कॉलेज की शिक्षिका अन्नपूर्णा झा, अर्चना शुक्ला, निशा तिवारी, एहतशामउल हक शम्सी, जुनैद आलम, संतोष कुमार, हरिपदो प्रमाणिक समेत अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं, शिक्षकेत्तर कर्मचारी व छात्राएं मौजूद थे.

बेहतर अंक लाने वाली छात्राओं को किया सम्मानित

कॉलेज के वार्षिकोत्सव समारोह के दौरान इंटर की परीक्षा में बेहतर अंक लाने वाली छात्राओं को अतिथियों ने सम्मानित किया. इस दौरान विज्ञान में सानिया परवीन, अफिया फिरोज, मुस्कान परवीन, कॉमर्स में गीता कुमारी, पूजा महतो, रायमुनी केराई, कला में रितिका राय, एलिजा फिरदौस, सविता महतो समेत अन्य को सम्मानित किया गया. सभी संकाय की टॉपर्स को एक हजार रुपये का चेक और मेडल प्रदान किया गया. वहीं विज्ञान में ओवर ऑल टॉपर रही कॉलेज की छात्रा सानिया परवीन को स्वर्गीय दिनेश महापात्रा स्कॉलरशिप के तहत पांच हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया.

झारखंड विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति ने किया हज़ारीबाग का दौरा, अधिकारियों के साथ की बैठक

अस्पतालों में पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति रविवार को अपने दो दिवसीय दौरे को लेकर हज़ारीबाग पहुंची. समिति के अध्यक्ष केदार हाजरा ने परिसदन के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की. इस दौरान उन्होंने झारखंड विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला. तत्पश्चात विभिन्न मामलों पर चर्चा के क्रम में आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए. उन्होंने विभागवार संबंधित अधिकारियों से वर्तमान में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली. बैठक के दौरान हाज़रा ने भूमि सुधार विभाग, खनन विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि, खाद्य आपूर्ति, वन विभाग, श्रम विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, कल्याण, पशुपालन एवं स्वास्थ्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विगत वर्षों में किए गए विकास कार्यों, योजनाओं एवं उनके वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और आमजनों को योजनाओं से लाभान्वित करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए.

जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक करते विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति के अध्यक्ष.

उन्होंने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज की स्थिति, सदर अस्पताल में एंटी वेनम, एंटी रेबीज़ की दवा की उपलब्धता सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों आदि में पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर तरीके से करने और क्षेत्र भ्रमण करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया. उन्होंने राजस्व से संबंधित विभिन्न विभागों के अधिकारियों से वर्तमान वित्तीय वर्ष में लक्ष्य के अनुरूप प्राप्त राजस्व की जानकारी ली और ससमय लक्ष्य की प्राप्ति को लेकर आवश्यक निर्देश दिए.उन्होंने डीआरडीए के अधिकारी से मनरेगा योजना के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रगति की जानकारी ली. उन्होंने भवन, पथ प्रमंडल, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल आदि के कार्यपालक अभियंताओं से वर्तमान में निर्माणाधीन योजनाओं, संचालित योजनाओं की जानकारी ली और योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण पूरा करने का निर्देश अधिकारियों को दिया. उन्होंने पौधरोपण पर विशेष ध्यान देने और माइनिंग से हुई क्षति को पूरा करने के लिए वृहद स्तर पर वन रोपण करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया. बैठक में उक्त समिति के सदस्यों के अलावा, जिला स्तरीय कई अधिकारी व कर्मचारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे.

खास बातें

- विभागों की ओर से कराए जा रहे कार्यों की जानकारी ली
- लक्ष्य के अनुरूप प्राप्त राजस्व की जानकारी ली

रामनगर में बंद घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये की चोरी

संवाददाता। हजारीबाग

खास बातें

- भुक्तभोगी पिता का इलाज कराने गए थे दिल्ली
- घर में 70 हजार नकद समेत लाखों के सामान ले उड़े चोर

शहर के रामनगर में चोर बंद घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये के सामान ले उड़े. इस संबंध में भुक्तभोगी ने फोन से सदर थाना पुलिस को जानकारी दी है. गोविंद नारायण सिंह अपने पिता देवेंद्र नारायण सिंह का इलाज कराने 13 जून को दिल्ली गए थे और तब से वहीं हैं. इधर नौ अगस्त को रात में गोविंद के चाचा रवींद्र नाथ ने फोन से उन्हें सूचना दी कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है और सारा सामान बिखरा हुआ है. 10 अगस्त को जब वह घर आया, तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है और सारा सामान बिखरा हुआ है. इसकी सूचना मोबाइल फोन से सदर थाना को दी गई. घर से नकद-70,000/रुपये, एक बड़ा एलईडी टीवी (42 इंच), तीन सोने की चेन, तीन सोने का हार, एक सोने का मांग टीका, तीन कान का झाला, दो सोने की जीतिया, एक सोने का दोलना पटवास, दो सोने का कान का टाप्स, एक सोने का कान का झुमका, तीन सोने की अंगूठी, दो सोने की चूड़ियां, दो चांदी के पायल, दो चांदी का पाजेब, चार जोड़ी चांदी की बिछिया, 20 चांदी का सिक्का, पांच चांदी का पान पत्ता, पांच चांदी का कसैली, एक चांदी की मछली, एक चांदी का कजरौटा, एक चांदी का गिलास, एक चांदी की कटोरी, एक चांदी का गले का सेट, पीतल के बर्तनों की चोरी हुई है. भुक्तभोगी ने पुलिस कार्रवाई की गुहार लगाई है.

ब्रीफ खबरें

अवैध बालू लदे दो हाईवा किए जब्त

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देशानुसार, गुप्त सूचना के आधार पर खनन विभाग ने रविवार को मध्य रात्रि जांच अभियान चलाया. इस क्रम में हजारीबाग के नगवां टोल प्लाजा के पास बालू से लदे दो हाईवा को पकड़ा. ये वाहन पदमा थाना क्षेत्र स्थित सोकी नदी से बालू ला रहे थे. उक्त वाहनों के पास खनिज ई-परिवहन चालान नहीं पाया गया. इस संदर्भ में कोर्रा थाने में अवैध परिवहन के बाबत अज्ञात मालिकों, अज्ञात चालकों एवं संलिप्त विक्रेता/अवैधकर्ताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है.

डॉ. नजीर ने चलाया जनसंपर्क अभियान

विष्णुगढ़। मांडू विधानसभा से चुनावी दंगल में उतरने वाले डॉक्टर नजीर अंसारी ने शनिवार को प्रखंड के नरकी, चानो, बनासो और नवादा पंचायत का दौरा किया. इस क्रम में उन्होंने लोगों से समर्थन मांगा. उन्होंने कहा अगर उन्हें जीत मिली तो वे समर्पण भाव से क्षेत्र की जनता की सेवा करेंगे और विकास की नई इबारत लिखेंगे. साथ ही मांडू को बुलंदियों पर पहुंचाएंगे. कहा कि दुर्भाग्य से अबतक मांडू को विकास के रास्ते पर ले जाने वाला कोई राजनेता नहीं मिला. मांडू के विकास में संकीर्ण सोच सबसे बड़ी बाधा रही है. कहा कि अगर मांडू के मतदाता मुझे मौका देते हैं तो मैं एक नई मिसाल कायम करूंगा. मेरी सोच सर्वधर्म समभाव की है. अगर उन्हें मौका मिलता है तो क्षेत्र में एक उच्च स्तरीय अस्पताल एवं कॉलेज का निर्माण करेंगे, जहां शिक्षा और चिकित्सा बिल्कुल ही निशुल्क होगा.

कार्रवाई : रगदारी मांगने व हत्या के मामलों का किया गया उद्भेदन

बड़ी सफलता : पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

संवाददाता। हजारीबाग

जिले की गिद्दी थाना पुलिस ने पांडे गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. वहीं एक मामले में विष्णुगढ़ पुलिस ने एक हत्यारोपी को गिरफ्तार किया है. पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने रविवार को अपने आवास पर प्रेस वार्ता कर बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त गिद्दी थाना के कुरकुटा निवासी कृपाल वेदिया, पिता रामेश्वर भेड़िया (35) है. 5 जुलाई को पांडे गिरोह के अपराधी द्वारा जिद्दी थाना अंतर्गत निर्माणाधीन राजकीय मध्य विद्यालय में आकर काम कर रहे मजदूर एवं मुंशी को धमका कर पांच लाख रुपये की मांग की गई थी. इस संबंध में संवेदक के आवेदन के आधार पर गिद्दी थाना कांड संख्या 56/24 के तहत 8 जुलाई को भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत दर्ज किया गया था.

पुलिस अधीक्षक द्वारा इस कांड का उद्घाटन एवं अपराधियों की गिरफ्तार के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़कागांव के नेतृत्व में एक टीम गठन किया गया. टीम ने अनुसंधान के क्रम में उक्त कांड में पांडे गिरोह के एक अपराधी बशीर कॉलोनी निवासी आनंद तुरी, कृपाल वेदिया, आलोक राज को कांड में सम्मिलित पाया गया. आनंद तुरी पूर्व में ही जेल भेजा गया था जिसकी निशानदेही पर शनिवार को कृपाल वेदिया को गिरफ्तार किया गया है एवं अन्य आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है. जल्द फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

पांडे गिरोह एक सदस्य की गिरफ्तारी के बाद मीडिया से मुखातिब पुलिस अधीक्षक व अन्य अधिकारी.

खास बातें

- रंगदारी मांगने के मामले में पांडे गिरोह का एक अपराधी धराया
- गोली मारकर और गला रेतकर हत्या करने का आरोपी गिरफ्तार

पिता की हत्या का लिया बदला : विष्णुगढ़ पुलिस ने एक हत्यारोपी को गिरफ्तार किया है. पकड़े गए आरोपी गालहोबार निवासी तोहिद अंसारी, पिता स्व. सनूल अंसारी है. इस संबंध में पुलिस अधीक्षक ने प्रेस वार्ता कर बताया कि 3 अगस्त को विष्णुगढ़ थाना अंतर्गत गलहोवार में एक घटना घटित हुई, जिसमें एक व्यक्ति को गोली मारकर एवं गला रेत कर अज्ञात अपराधियों ने हत्या कर दी थी. मृतक की पहचान गालहोबार निवासी सरफुद्दीन अंसारी के रूप में हुई थी और मृतक के परिजन ने छह नामजद को आरोपी बनाया था, जिसमें तोहद अंसारी, तौफीक अंसारी, ऑफिस अंसारी, इमरान शाह, अलीमुद्दीन शाह, सुभान अंसारी के विरुद्ध विष्णुगढ़ थाना कांडसंख्या 133/24 के तहत 4 अगस्त को मामला दर्ज किया गया था.

इसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विष्णुगढ़ के नेतृत्व में कांड का त्वरित अनुसंधान करते हुए घटना में प्रयुक्त अग्नेयास्त्र को घटनास्थल से बरामद किया गया तथा छापामारी के दौरान 10 अगस्त को कांड के प्राथमिक अभियुक्त रोहित अंसारी (27) को ग्राम गोलहोबार से गिरफ्तार किया गया. पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि 2019 में मृतक सरफुद्दीन अंसारी ने उनके पिता सैनुल अंसारी की हत्या कर दी थी. तब से वह और उनके भाई बदला लेने के लिए साजिश रच रहे थे. मौका पाकर 3 अगस्त की शाम उक्त गांव में आंगनबाड़ी केंद्र के पास उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई. इसके बाद भी मृतक की मौत नहीं होने पर गला रेत कर हत्या कर दी गई. पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि अभी एक आरोपी फरार है. जल्द ही फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा.

मांगें पूरी होने पर नवनिर्मित सड़क से कायेले की ट्रांसपोर्टिंग शुरू

भू-रैयतों का बेमियादी धरना समाप्त

संवाददाता। केरेडारी

चट्टी बारियातु और केरेडारी कोल खनन परियोजना से ट्रांसपोर्टिंग 2.2 नवनिर्माण सड़क व अन्य सात सूत्री मांग को लेकर विस्थापित प्रभावित समिति भदई खाप एवं जोरदाग चट्टीपेटो, भदई खाप के भू रैयतों ने मांगें पूरी होने पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन को समाप्त कर दिया है. इसके बाद एनटीपीसी के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों ने पेटो जोरदाग में नारियल फोड़कर कोयले की ट्रांसपोर्टिंग शुरू की. इससे पहले एनटीपीसी के लेटर पैड में पदाधिकारी के हस्ताक्षर युक्त मांग पर सहमति बनने के बाद धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया.

सात सूत्री मांगों में भू रैयतों से जो जमीन सड़क निर्माण के लिए ली गई है उनके एवज में एनटीपीसी पेटो व भदई खाप के भू रैयतों की बनी समिति को मान्यता दी जाएगी. संविदात्मक रोजगार के साथ फसल क्षतिपूर्ति के तहत सड़क के दोनों तरफ 20 फीट जगह अंचलाधिकारी की जांच उपरांत निर्धारित की जाएगी. प्रशासन की जांच के बाद सरकारी दरों पर भुगतान किया जायेगा, जिसमें सभी भू रैयतों अपनी जमीन के कागजात अंचल कार्यालय में जमा करेंगे. दोनों पक्ष द्वारा किए गए मुकदमे को एक सप्ताह के अंदर वापस करने, अनुशासन एवं आचरण सही पाए जाने पर किसी को भी संविदा कार्य कर रहे लोगों को रोजगार से नहीं निकला जायेगा. जिनकी रैयती जमीन है उनको एकमुश्त पांच वर्ष का भुगतान करने आदि पर सहमति बनी.

कोल खनन परियोजना के अधिकारी भू-रैयतों के साथ.

चट्टी बरियातू के नवीन गुप्ता ने बताया कि ग्रामीणों की सहमति से ट्रांसपोर्टिंग शुरू की गई है. मौके एनटीपीसी के केडी, सीबी तथा पकरी बरवाडीह के प्रमुख फैज तैयब, सीबी महाप्रबंधक नवीन गुप्ता, केडी शिव प्रसाद, मो वासिफ, पवन रावत, रित्विक से रिजवान शरीफ, अनुराग गुप्ता, समिति अध्यक्ष रामेश्वर साव, सचिव मनौवर अंसारी, कोषाध्यक्ष चंदन कुमार साव, चंदन कुमार साव, रितेश यादव, प्रकाश साव, राम कुमार साव, किशोर साव, पिरतम साव आदि दर्जनों लोग मौजूद थे.

चौपारण में लें कांस्य थाली मसाज का लाभ

संवाददाता। चौपारण

चतरा मोड़ पर निकिता फार्मा के पीछे एक्यूप्रेशर के साथ कांस्य थाली मसाज लोगों को कराया जा रहा है. संचालक उज्ज्वल सिन्हा बताते हैं कि आज की जीवनशैली में बीमारियों से बचने के लिए एक्यूप्रेशर व कांस्य थाली मसाज राम बान की तरह काम करता है और लोगों को स्वास्थ्य लाभ भी मिल रहा है. उन्होंने कहा कि चौपारण-चतरा मोड़ पर मेरे भाई पुरषोत्तम कुमार सिन्हा क्लिनिक में बैठकर लोगों को सारी सुविधाएं दे रहे हैं.

वहीं मसाज से कई तरह की बीमारियों में साइनस बिंदु, सर दर्द, चिंता, हिस्टीरिया, अनिंद्रा, स्मृति, सर्दी, नजला - जुकाम, शक्ति केंद्र, आंखों के रोग, कान के रोग, दातों का दर्द, फेफड़ों के रोग, हृदय रोग, रक्त संचार के रोग, हाई ब्लड प्रेशर, आमाशय के रोग, स्प्लीन के रोग, जिगर के रोग, मधुमेह (शुगर), गुर्दों के रोग, पित्ताशय, पाचन तंत्र के रोग, बड़े आंत के रोग, भूख बढ़ाना, आंतों के रोग, अपेंडिक्स, मूत्र तंत्र के रोग, साइटिका, प्रजनन अंगों के रोग, काम शक्ति बढ़ाना, जोड़ों का दर्द, टांगों का दर्द, एड़ियों का दर्द, बवासीर, कमर का दर्द, कोहनी का दर्द, कंधे का दर्द, टॉन्सिल, हार्मोन्स संतुलन, वजन घटाना, थायराइड ग्रंथि के रोग, पैराथायराइड ग्रंथि रोग जैसे तमाम बीमारियों का इलाज यहां पर किया जाता है.

जिले में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित

विधिक शिविर लगाकर दिव्यांग बच्चों को किया गया जागरूक

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर और प्रधान जिला जज सत्य प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले रविवार को जिले में विभिन्न स्थानों पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर अधिवक्ता और पारा लीगल वालेंटियर्स ने हिस्सा लिया. इस दौरान शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दिव्यांग विद्यालय हुड़हुडु, इचाक प्रखंड भुसुवा गांव आदि जगहों पर यह कार्यक्रम दिव्यांग बच्चों को लेकर चलाया गया. कार्यक्रम में बच्चों व उपस्थित लोगों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान, दिव्यांग बच्चों के लिए विधिक सेवाएं, यौन शोषण पीड़ितों के लिए विधिक सेवाएं और जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई. इस कार्यक्रम की समय सीमा 13 जुलाई से 26 अगस्त तक तय की गई है. जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौरव खुराना ने बताया कि दिव्यांग बच्चों के बीच प्रमाणपत्र वितरित करने के लिए 16 अगस्त को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कैंप का भी आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम के सुचारु रूप से क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर एक टीम गठित की गई है, जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, सिविल सर्जन हजारीबाग, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी और एनजीओ के सदस्यों को शामिल किया गया है.

अंगद नायक झारखंडियों के हितों की रक्षा को संघर्षरत रहते थे : रमेश महतो

संवाददाता। रामगढ़

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा व झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति द्वारा क्रांतिकारी शहिद अंगद नायक की जयंती कैथा चौक पर मनाई गई. इस कार्यक्रम में केंद्रीय पदाधिकारी, जिला कोर कमेटी सदस्य, प्रखंड कोर कमेटी सदस्य, पंचायत पदाधिकारी एवं सक्रिय सदस्य उपस्थित हुए. जिला मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने कहा कि शहीद अंगद नायक झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय सचिव थे. झारखंडी जनमानस के हक और अधिकार के लिए हमेशा संघर्षरत रहते थे. अंगद नायक का जन्म चुटिया, रांची में हुई थी. अंगद नायक ने विधानसभा घेराव के दौरान टाइगर जयराम महतो को अपनी बाहों में पकड़कर पुलिस की लाठी से बचाने का काम किया था. वह एक सच्चे, निडर और साहसी व्यक्ति थे. पार्टी के प्रति समर्पित तथा हमेशा अपने दायित्व का निष्ठापूर्वक एवं ईमानदारी से निर्वहन करते थे. उनके घर-परिवार के हरेक सुख-दुख में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा व झारखंडी भाषा संघर्ष समिति हमेशा तत्पर रहती है. समारोह में मुख्य रूप से लीलावती महतो, जिला मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो, पंकज महतो, पवन कुमार महतो, प्रकाश प्रभाकर, बिनोद महतो, प्रभु दयाल महतो, भवानी महतो, रनविजय महतो, अमरु महतो, कुल दीप महतो, लक्ष्मन महतो, सूरज मुंडा, पिंटू महतो, अमित कुशवहा, सूरज चंद्र वंशी, कौलेश्वर कुशवाहा, विजय दुबे, रोशन तिवारी, आरिफ अंसारी सहित कई लोग उपस्थित थे.

अंगद नायक के जयंती कार्यक्रम के दौरान समिति के लोग.

प्राइवेट स्कूल संगठन के पदमा प्रखंड अध्यक्ष बनाए गए राजन कुमार

हजारीबाग। झारखंड प्राइवेट स्कूल संगठन के जिला के अध्यक्ष विनोद भगत एवं सचिव प्रभु दयाल कुशवाहा की देखरेख में राजन कुमार को सर्वसम्मति से पदमा प्रखंड का अध्यक्ष बनाया गया. बताया जा रहा है कि 2021 में वे पदमा प्रखंड के अध्यक्ष बनाये गये थे. तीन साल हो चुके थे इसलिए अगले तीन साल के लिए फिर से पदमा की जिम्मेवारी उनको दी गई है. इसके लिए उनको झारखंड प्राइवेट स्कूल संगठन की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं. इस मौके पर अध्यक्ष विनोद भगत ने कहा कि उम्मीद है कि आगे भी वे अच्छा काम करेंगे और स्कूलों को जोड़कर चलेंगे. बैठक का संचालन शिव शंकर तिवारी ने किया. इसमें स्कूल प्राचार्य सिकंदर यादव, पंकज कुमार, मनीष कुमार, अमरदीप, सुनील सिंहां अब्दुल कलाम, मिस्टर अंसारी आदि मौजूद थे.

सदर से भाजपा के टिकट के प्रबल दावेदार हैं दिनेश प्रसाद

- कहा–कुशवाहा समाज से मिल रहा समर्थन, मिला मौका तो लड़ेंगे चुनाव

संवाददाता। हजारीबाग

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर उम्मीदवार अपनी अपनी दावेदारी पेश करने लगे हैं. इसी कड़ी में करवेकला पंचायत के मुखिया दिनेश प्रसाद कुशवाहा ने शनिवार को भाजपा के टिकट पर सदर विधानसभा क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी का दावा पेश किया है. उन्होंने कहा है कि वह 1983 से भाजपा के लिए काम कर रहे हैं. प्रखंड अध्यक्ष से लेकर जिला स्तर तक पार्टी ने जो जिम्मेदारियां दी उनको ईमानदारी के साथ पूरा किया है. पूर्व में पार्टी के प्रत्याशियों को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. उन्होंने यह भी बताया कि पूरे सदर विधानसभा क्षेत्र में कुशवाहा समाज का समर्थन पार्टी को भरपूर मिल रहा है, जिसकी संख्या भी अधिक है. ऐसे में एक मौका कुशवाहा समाज को मिलना चाहिए था. हम पिछले कई वर्षों से भाजपा के लिए काम कर रहे हैं, हर दुख सुख में साथ रहते आए हैं. उन्होंने कहा कि इस वर्ष कुशवाहा समाज के लोगों के कहने पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है. अगर पार्टी नेतृत्व का आदेश हुआ तो आगामी विधानसभा चुनाव जोर-शोर से लड़ेंगे और जीत हासिल कर कार्यकर्ताओं एवं आम जनता का सहयोग लेकर जात-पात से ऊपर उठकर क्षेत्र का विकास करेंगे.

दिनेश प्रसाद कुशवाहा.

पहल राधा स्वामी की एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला में 300 से अधिक लोग शामिल हुए

संगठन का उद्देश्य, अंतिम व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचे

संवाददाता। हजारीबाग

राधा स्वामी संगठन ने शनिवार को मुकुंदगंज स्थित उत्सव मैरेज हॉल में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सह कार्यशाला का आयोजन किया. मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि पलामू जिला कोऑर्डिनेटर शिव शंकर प्रसाद, पटना जोन के प्रभारी समीर कुमार, गया जिला समन्वयक गौतम कुमार, हजारीबाग जिला कोआर्डिनेटर अखिलेश्वर नारायण दास, जोनल रामकुमार प्रसाद ने संयुक्त रूप से इसका शुभारंभ किया.

कार्यक्रम में जिले की 252 पंचायतों के कोऑर्डिनेटर, 17 प्रखंडों कोऑर्डिनेटर और 36 नगर निगमों के कोऑर्डिनेटर सहित 300 से अधिक लोग शामिल हुए. इस दौरान संगठन की विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए हजारीबाग जिला कोऑर्डिनेटर अखिलेश्वर नारायण दास ने कहा कि संगठन का उद्देश्य है कि योजनाओं को राज्य के ग्रामीण इलाकों तक पहुंचाया जाए, जिससे झारखंड को एक सशक्त राज्य बनाया जा सके.

राधा स्वामी के एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला में उपस्थित लोग.

अरुण कुमार ने संगठन द्वारा संचालित 15 योजनाओं का उल्लेख किया, जो धरातल पर क्रियान्वित हैं और जिनका लाभ कई ग्रामीणों तक पहुंचाया जा चुका है. उन्होंने कहा कि राधा स्वामी संगठन की स्थापना 2010 में राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक शर्मा द्वारा की गई थी. दीपक शर्मा का सपना था कि भारत की हर बच्ची उनकी बहन है और इसी सोच के साथ उन्होंने कन्यादान योजना की शुरुआत की थी.

आज संगठन की कई योजनाएं सफलतापूर्वक चल रही हैं. शिवशंकर प्रसाद ने कहा कि राधास्वामी संगठन कन्यादान योजना, कन्यादान उपहार योजना, आवास योजना, किसान सम्मान योजना, राधास्वामी अनाज बैंक योजना, राधास्वामी सदस्य पेंशन योजना, छात्रवृत्ति योजना के अलावा वाहन योजना जैसी 15 प्रमुख योजनाओं पर काम कर रहा है. उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य है, गांव के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजना का लाभ पहुंचे. इसमें पंचायत कोआर्डिनेटर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी. मौके पर चौपारण ब्लॉक कोआर्डिनेटर मुकुंद साव, बड़कागांव के विषेश्वर राम, सदर के तुलसी कुशवाहा, पदमा के भरत पांडेय सहित 17 पंचायत के प्रखंड कोआर्डिनेटर, पंचायत और नगर निगम के वार्ड कोआर्डिनेटर मौजूद थे.

रांची रोड स्थित केके हॉस्पिटल में लगाया गया मेगा हेल्थ कैंप

500 लोगों ने कराई सेहत की जांच

संवाददाता। रामगढ़

रांची रोड स्थित केके हॉस्पिटल में रविवार को निःशुल्क मेगा हेल्थ चेकअप कैंप एवं सहायता शिविर लगाया गया. सुबह 9:00 बजे से दोपहर के 3:00 बजे तक इसका आयोजन किया गया. कैंप का उद्घाटन हॉस्पिटल के ऑनर सह प्रसिद्ध जनरल सर्जन डॉ पंकज कुमार ने किया.

कैंप में हृदय रोग, दांत, कान, नाक, स्वांस, ऑर्थो, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज सहित विभिन्न प्रकार की बीमारियों की जांच के साथ दवा एवं सलाह भी लोगों को दी गई. कैंप में डॉ पंकज कुमार (जनरल सर्जरी), डॉ प्रेम कुमार (मूत्र रोग विशेषज्ञ) डॉ मुकेश कुमार अग्रवाल (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉ नवीन कुमार बरनवाल (किडनी रोग विशेषज्ञ), डॉ संतोष प्रसाद (शिशु रोग विशेषज्ञ) और डॉ अंतरिक्ष कुमार (पेट रोग विशेषज्ञ), डॉ दीपक चंद्र प्रकाश (मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ), डॉ नीलम कालुंदिया (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ ए कुमार (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ राजेश कुमार (जेनरल फिजिशियन), डॉ हेमलता (फिजियोथैरेपी) आदि ने अपनी सेवाएं दी. शिविर में लगभग 500 से अधिक मरीजों का निःशुल्क इलाज किया गया. कैंप के सफल आयोजन में सिमरन, वर्षा, मुशर्रत माही, संतोष आदि ने योगदान दिया.

कैंप में जांच के बाद लोगों को सलाह के साथ दवा भी दी गई.

झारखंड में मुद्दों को लेकर मुखर रहे वामदल, पर वोट की दौड़ में रह गये पीछे

- 2005 में तीन, 2009 और 2014 में दो, 2019 में लेफ्ट के कैंडिडेट विधानसभा में पहुंचे
- नीरसा, सिदरी, बगोदर सहित एक दर्जन सीटों पर रही है लेफ्ट की मजबूत मौजूदगी

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड राज्य के गठन से पहले बिहार विधानसभा में वामदलों के 14 विधायक हुआ करते थे. इनमें से 5 के करीब झारखंड के हिस्से से चुने जाते थे. इनमें माले के छह, सीपीएम के दो, सीपीआई के पांच विधायक जीत कर विधानसभा पहुंचते थे. एमसीसी के पास भी एक सीट थी. भाकपा के विशेश्वर खान राज्य के पहले प्रोटेम स्पीकर बनाए गए थे, लेकिन राज्य गठन के बाद से ही लेफ्ट पार्टियों का जनाधार कमजोर होता गया.

झारखंड में विधानसभा चुनाव लड़ने वाले प्रमुख लेफ्ट पार्टी में माकपा माले, सीपीएम, सीपीआई, मासस और फॉरवर्ड ब्लॉक प्रमुख हैं. पिछले चार विधानसभा चुनावों में 2005 में इन दलों को 7.35 प्रतिशत वोट मिले और तीन विधानसभा में पहुंचे. 2009 में इनका वोट गिरा.

इन्हें 5.03 प्रतिशत वोट मिले और दो विधायक चुने गये. 2014 में इनके वोट प्रतिशत में गिरावट जारी रही. 4.73 प्रतिशत वोट मिले और एक विधायक चुने गये. 2019 के विधानसभा चुनाव में लेफ्ट पार्टियों को 3 प्रतिशत वोट से ही संतुष्ट रहना पड़ा और एक विधायक विधानसभा में पहुंचने में सफल हो सके. वहीं 2019 को विधानसभा चुनाव में निरसा और सिंदरी में मासस दूसरे स्थान पर रही. पाकुड़, महेशपुर, नाला, राजधानवार, बहरागेड़ा, सिल्ली. हटिया और लिट्टीपाड़ा विधानसभा सीट पर लेफ्ट पार्टियां तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं.

तीन दर्जन से अधिक विस सीट पर वामदल लड़ते हैं चुनाव

राजनीतिक प्रेक्षकों के मुताबिक वामदल लगातार झारखंड की राजनीति में कद बढ़ाने की कोशिश में लगे हैं. 2024 के विधानसभा चुनाव में सीपीआई दो दर्जन से अधिक सीट पर उम्मीदवार उतारने का तैयारी कर रहा है. माकपा माले में एकीकरण के बाद 17 विधानसभा सी पर चुनाव की तैयारी कर रही है. सीपीआईएम भी एक दर्जन से अधिक सीट पर उम्मीदवार खड़े कर सकती है. फारवर्ड ब्लॉक करीब आधे दर्जन सीटों पर अपने उम्मीदवार खडे.कर सकती है.

कोयला खदान वाले इलाकों में वोट नहीं जुटा पा रहे वामदल

झारखंड की पहली विधानसभा में वाम दलों के विधायकों की संख्या तीन थी, जो बाद में घटती ही गई. वामदल इसके पीछे जोड़-तोड़ की राजनीति को दोषी ठहराते हैं. चुनाव में बढ़ती जा रही पैसे की भूमिका को भी जिम्मेदार ठहराते हैं. इससे किसी को शायद ही इनकार हो, लेकिन मजदूर संगठनों में असरदार भूमिका में होने के बावजूद कोयला खदान वाले इलाकों या बोकारो तक में अपने सदस्यों-समर्थकों के वोट नहीं जुटा पा रहे हैं.

किस चुनाव में लेफ्ट पार्टी को कितने प्रतिशत वोट मिले

2005

पार्टी	उम्मीदवार	कुल मत प्रतिशत	जीते
सीपीआई	15	1.80	-
सीपीएम	13	0.99	0
माकपा माले	28	2.46	1
फॉरवर्ड ब्लॉक	12	1.00	2
मासस	5	1.01	0

2009

पार्टी	उम्मीदवार	कुल मत प्रतिशत	जीते
सीपीआई	8	0.86	-
सीपीएम	10	0.46	0
माकपा माले	33	2.35	1
फॉरवर्ड ब्लॉक	11	0.27	1
मासस	5	1.01	0

2014

पार्टी	उम्मीदवार	कुल मत प्रतिशत	जीते
सीपीआई	24	0.89	-
सीपीएम	12	0.35	0
माकपा माले	39	1.52	1
फॉरवर्ड ब्लॉक	14	0.27	1
मासस	13	1.02	0
सीपीआईएम	6	0.5	0

2019

पार्टी	उम्मीदवार	कुल मत प्रतिशत	जीते
सीपीआई	18	0.46	-
सीपीएम	10	0.32	0
माकपा माले	14	1.15	1
फॉरवर्ड ब्लॉक	09	0.04	0
मासस	08	0.97	0
सीपीआईएम	3	0.02	0

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शेयर बाजार से लाभ का योग है, समय उत्तम है, पर किया गया परिश्रम सार्थक होने में बिलंब होगा. वही परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. परिवारिक जीवन सुखमय होगा. खर्चों की अधिकता रहेगी. किया गया कार्य लाभ देगा.

वृषभ अधिक भोजन से परहेज करें. बहुत जरूरी है तो ही ऋण ले. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. काम-काज के लिए अच्छा रहेगा. परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा. मन में कुछ नकारात्मक विचार आ सकते हैं.

मिथुन घर में किसी महिला के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है. घरेलू विवाद कोशिश करने से सुलझ सकता है. भाग्योदय लेट संभव है. पारिवारिक सुख अच्छा मिलेगा. मिथ्या आरोप लगने के कारण क्रोध बढ़ सकता है.

कर्क माता से विवाद से बचें. किसी महिला से विवाद हो सकता है. सोच विचार कर कार्य करें. काम काज सामान्य रहेगा. मन प्रसन्न रहेगा. नवीन मित्रता हो सकती है. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य में कमी देखने को मिल सकती है.

सिंह सत्कर्म के लिए मन प्रेरित होगा. भाई के साथ कहीं यात्रा का योग है. परिवार के सदस्यों की तरफ से सुख और सहयोग मिलेगा. आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बना रहेगा. शुभफलों की प्रधानता रहेगी. अपनों से विवाद से दूर रहें.

कन्या क्रोध पर काबू जरूरी है. रूखे व्यवहार से बनी बनाई बात बिगड़ सकती है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. काम काज सामान्य रहेगा. परीक्षा एवं प्रतियोगिता में आशाजनक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं. किसी से मन-मुटाव हो सकता है.

तुला काम काज सामान्य रहेगा. आज आपका मन किसी भी काम में पूरी तरह से नहीं लग पाएगा. आपके लिए निराशाजनक हालात पैदा हो सकते हैं. परिवार या मित्र से मतभेद हो उत्पन्न हो सकते हैं. विवाद से बचें.

वृश्चिक समाज में पूछ परख बढ़ेगी. खर्च में वृद्धि का योग है. पर कामकाज में सफलता मिलेगी. दूसरों के साथ अच्छे संबंध बने रहेंगे. स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बन सकती है. वाहन के प्रति सावधानी रखने की आवश्यकता है. अन्न का दान करें.

धनु पिता से लाभ का योग है. आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. आर्थिक स्थिति अच्छी होगी. वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. खर्चे में बढ़ोतरी होगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. शिवलिंग पर दूध और जल अर्पण करें.

मकर सरकारी कार्य मे गति मिलेगा. कोई बड़ा बाधा दूर होगा. कामकाज में सफलता मिलेगी. शिक्षा-प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. परिवार के लोगों के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा. शिवलिंग पर दूध अर्पण करें.

कुंभ समय बहुत ही उत्तम है. जीवन साथी की भावनाओं की कद्र करें. शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी. स्वभाव में गंभीरता एवं एकाग्रता बनी रहेगी. परिवार की तरफ से मन प्रसन्न रहेगा. आलस का त्याग करें. काला वस्तु का दान करें.

मीन बेकार की बहस से बचें. करीबियों की भावनाओं की कद्र करें. आपके मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. आपके कार्य और प्रभाव से कामकाज में लाभ होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. पीली वस्तु का दान करें.

राज्य सेवा के दो अफसर बदले

रांची। राज्य सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के दो अफसरों का तबादला कर दिया है. महेश कुमार संथालिया को पाकुड़ के डीडीसी के पद पर पदस्थापित किया गया. इससे पहले वे स्वास्थ्य विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर पदस्थापित थे. वहीं संजय कुमार दास को परियोजना निदेशक जनजाति विकास अभिकरण साहिबगंज के पद पर पदस्थापित किया गया है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

प्रखंड कार्यालय परिसर में वज्रपात

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर प्रखंड कार्यालय परिसर में रविवार को तेज वर्षा के साथ अचानक वज्रपात हो गया. जिससे कुछ देर के लिए परिसर में अफरा तफरी मच गई. वज्रपात से प्रखंड़ कार्यालय में लगे सारे सिस्टम जल गए . वहीं मौके पर उपस्थित बीडीओ राहुल देव सहित अन्य कर्मी बाल-बाल बच गये.बीडीओ श्री देव ने बताया कि रविवार के दिन भी कार्यालय परिसर में सरकारी काम से कई कर्मी उपस्थित थे. इसी बीच तेज बारिश के साथ अचानक वज्रपात हो गया. जिससे लगभग सभी सिस्टल जल गए. हालांकि कोई अप्रिय घटना नही घटी. मौके पर पंचायत सचिव उज्ज्वल सिंह, दिगम्बर पांडेय, प्रियंका प्रिया समेत अन्य कर्मी मौजूद थे.

हर वर्ग की महिलाओं को सम्मान दे रही हेमंत सरकार : तनवीर आलम

गढ़वा। झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम ने कहा है कि सरकार द्वारा चलाई जा रही झारखंड मुख्यमंत्री माईयां सम्मान योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में बेहतर कदम है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नारी सशक्तिकरण को लिए काफी गंभीर है. इसके तहत छात्राओं को शिक्षा में मदद के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के माध्यम से कक्षा 8 से लेकर स्नातक तक की छात्राओं को सरकार 40 हजार रुपए का सहयोग प्रदान कर रही है. वृद्धा पेंशन की उम्र सीमा को कम करते हुए 50 वर्ष के ऊपर की सभी महिलाओं को वृद्धा पेंशन से हर माह एक हजार रुपए का सहयोग देने की घोषणा कर चुकी है. मातृत्व अवकाश को बढ़ाते हुए राज्य सरकार ने दो वर्ष कर दिया. इसका लाभ अब संविदा पर नौकरी कर रही महिलाओं को भी प्राप्त होगा. उक्त बातें झामुमो नेताओं ने रविवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के आवास पर प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर कही.

लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी बांटने वाली ताकतों से बचकर रहने का आह्वान

वंचितों को कुचलने का भाजपा का सपना अब टूट गया : मीर

खास बातें

- बनहोरा में विश्व आदिवासी दिवस पर हुआ कार्यक्रम
- झारखंड सरकार गरीबों के लिए अच्छा काम कर रही है

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस के महासचिव व झारखंड प्रभारी गुलाम मोहम्मद मीर ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेताओं ने अबकी बार 400 पार का नारा दिया था लेकिन जिस प्रकार से देश ने भाजपा को 240 सीट पर समेट दिया है. उसके बाद यह स्पष्ट है कि बैसाखियों पर चलती केन्द्र सरकार अगले पांच साल तक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और पसमांदा को उसके हक और अधिकारों से वंचित नहीं कर सकती. यदि किसी भी गलती से भाजपा को अपने सपने के अनुसार लोकसभा चुनाव में अपेक्षित सीट मिल जाती तो आरक्षण समाप्त हो जाता. ये बातें मीर ने बनहोरा में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार ने गरीबों के लिये बहुत अच्छे काम किये हैं और बड़ी संख्या में लोग सरकार की कल्याणकारी एवं गरीबों-वंचितों के लिये लाभकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं.

राजीव गांधी की जयंती पर मंईयां योजना की राशि दिए जाने का शुभारंभ हो

उन्होंने विशेष रूप से अबतक मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना में प्राप्त 37 लाख से अधिक आवेदनों की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने सरकार को यह सुझाव दिया है कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी की जयंती पर अगले 20 अगस्त से सांकेतिक रूप से ही सही लेकिन मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना की शुरुआत की जाये और महिलाओं के खाते में रकम जाने की शुरुआत हो.

झारखंड को एमपी और असम से आए नेताओं की जरूरत नहीं : मीर ने कहा कि झारखंड को मध्य प्रदेश और असम जैसे प्रदेशों से आये हुए लोगों की जरूरत नहीं है और वे खुद अपनी समस्याओं का समाधान करने में सक्षम हैं. कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि कांग्रेस विशाल और खुले विचारों वाली पार्टी है और सभी लोग अपने विचार और राय रखने को स्वतंत्र हैं. उन्होंने सभी से आह्वान किया कि झारखंड विधानसभा चुनाव के लिये तैयार हो रहे कांग्रेस के घोषणापत्र के लिये अपनी वैसे विचार दें जो झारखंड और यहां की जनता के हित में हो. श्री मीर ने कहा कि भाजपा और उसके नेता, भारतीय धर्म, संस्कृति और समाज की बजाय सत्ता की परवाह करते हैं. इसी कारण उसे 2014 और 2019 के चुनाव में तो सफलता मिल गयी लेकिन 2024 के चुनाव में मतदाताओं ने उसे ऐसा समेटा कि अब केंद्र सरकार अगले पांच साल तक बैसाखी पर चलने को मजबूर है.

आदिवासी अधिकार और आरक्षण बचाने की ताकत रखती है : बंधु कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि आदिवासियों की सभ्यता-संस्कृति, बरसों-बरस पुरानी है और इसी के कारण प्रकृति का स्वरूप कायम है. उन्होंने कहा कि आदिवासी जल, जंगल एवं जमीन से जुड़े हैं और इसे बचाने के साथ और इसे बचाने के साथ सबसे ज्यादा जरूरत देश के संविधान की रक्षा करने की है क्योंकि वही आदिवासियों के अधिकार और उनके आरक्षण को हर हाल में बचाने की ताकत रखती है.

साजिशों से बचने की जरूरत : ठाकुर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी भाजपा और उसके नेताओं की साज़िशों से बचकर रहने की जरूरत है. इस मौके पर मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने अपने सम्बोधन में कहा कि आदिवासियों की संस्कृति के संरक्षण के लिए हमेशा बढ़-चढ़कर आगे रहने की जरूरत है.

कई किए गए सम्मानित : विश्व आदिवासी दिवस समारोह में समाज के प्रति अपना विशिष्ट योगदान देनेवाले बनहोरा क्षेत्र के 30 सम्मानित एवं वरिष्ठ नागरिकों के साथ ही परीक्षा से श्रेष्ठ प्रदर्शन करनेवाले 30 लोगों को एक-एक हजार रुपये की सम्मान राशि दी गयी. इसके साथ ही क्षेत्र के विविध गावों के लोगों की सुविधा के लिए कुर्सियां दी गयी. उपस्थित अतिथियों एवं गणमान्य लोगों के बीच इस अवसर पर पौधे का विवरण भी किया गया. विश्व आदिवासी दिवस की शुरुआत से पूर्व मीर, ठाकुर एवं श्री तिर्की ने पारंपरिक रूप से जतरा खूंटा की पूजा की और जल चढ़ाया साथ ही सभी अतिथियों ने जतरा मैदान में वृक्षारोपण भी किया.

मंत्री सत्यानंद भोगता ने लालू और तेजस्वी से चुनावी चर्चा की

तेजस्वी यादव से मुलाकात करते श्रममंत्री सत्यानंद भोगता.

संवाददाता। चतरा

झारखंड विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट चरम पर है. चुनाव के मद्देनजर झारखंड प्रदेश के एकमात्र राजद विधायक सत्यानंद भोगता ने आज पटना में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात की. इस मुलाकात को शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है. लेकिन राजनीतिक गलियारे में इसे सीट बंटवारे को लेकर चर्चा बताया जा रहा है. बता दें कि चतरा से राजद विधायक सह झारखंड राज्य के कैबिनेट मंत्री सत्यानंद भोगता ने आज राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव से उनके पटना स्थित आवास पर मुलाकात की. इसके बाद मंत्री श्री भोगता ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से मुलाकात की. बताया जा रहा है कि झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर गहन चर्चा हुई है. झारखंड विधानसभा चुनाव में मंत्री सत्यानंद भोगता किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं. वह झारखंड में पांच बार मंत्री रह चुके हैं. उनकी झारखंड की राजनीति पर अच्छी पकड़ है. झारखंड में राजद के एक ही विधायक सत्यानंद भोग हैं. मंत्री सत्यानंद भोगता पिछले उपचुनाव में भी स्टार प्रचारक रह चुके हैं. मंत्री सत्यानंद भोगता ने झारखंड के मुख्यमंत्री के साथ सबसे ज्यादा सभा करने का रिकॉर्ड बनाया है. सूत्रों की मानें तो मंत्री सत्यानंद भोगता को आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी.

कुलदीप की दावेदारी ने भाजपा विधायक की बढ़ा दी परेशानी

- प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से मिलकर रखी अपनी बात

इटखोरी (चतरा)।

सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के वर्तमान विधायक किशुन कुमार दास की परेशानी टंडवा प्रखंड मुख्यालय निवासी कुलदीप कुमार दास ने प्रत्याशी के लिए दावेदारी पेश कर बढ़ा दी है. ज्ञात हो कि विधायक श्री दास व पत्रकार कुलदीप टंडवा के ही निवासी हैं. साथ ही क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण में विधायक पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगते रहे हैं. ऐसे में पत्रकार श्री दास प्रदेश में उच्चस्तरीय नेताओं संग संबंध हो या अपने कार्य में अलग पहचान बनाते हुए मजबूत दावेदारी पेश करते हुए केंद्र से लेकर प्रदेश स्तर के सभी नेताओं से मिलने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. अब देखना होगा कि भाजपा में सिमरिया विधानसभा प्रत्याशी के दौड़ में ये कितनी लंबी छलांग लगाते हैं. इधर कुलदीप कुमार दास दावेदारी पेश करने के बाद झारखंड के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष अमर बाऊरी, असम के मुख्यमंत्री सह झारखंड चुनाव प्रभारी हेमंता विश्व शर्मा समेत कई प्रदेश के नेताओं से मुलाकात कर कर उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं. हालांकि इनके अलावे भी पत्थलगड़ा के दिनेश्वर राम, सुजीत भारती के अलावे कई क्षेत्र के बाहर के भी नेता हैं जो दावेदारी पेश कर रहे हैं.

बाबूलाल मरांडी से मिलते कुलदीप.

रणनीति पूरे राज्य में संगठन का होगा विस्तार व सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है

जो पिछड़ों की बात करेगा, वैश्य समाज उसके साथ : महेश्वर

संवाददाता। गढ़वा

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू ने कहा है कि पूरे प्रदेश में संगठन का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण किया जएगा. इसके तहत गढ़वा में गढ़वा में संयोजक नियुक्त किए गए हैं. उन्होंने कहा कि पिछड़ों के हित की जो बात करेगा, पिछड़ों को अधिकार दिलाने का काम करेगा आगामी विधानसभा चुनाव में वैश्य मोर्चा उसके साथ रहेगा. श्री साहू ने तीन दिवसीय गढ़वा प्रवास के दौरान रविवार को सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर उक्त बातें कही. श्री साहू ने कहा कि उनकी टीम तीन दिवसीय गढ़वा जिला के दौरा पर है. संगठन विस्तार एवं अपने मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह दौरा किया जा रहा है. वैश्य मोर्चा नेताओं ने केंद्रीय महासचिव गढ़वा जिला प्रभारी कंचन साहु के नेतृत्व में परिसदन में प्रमुख लोगों के साथ आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से भुनेश्वर सोनी एवं संतोष कुमार गुप्ता को जिला संयोजक तथा संजय केशरी को गढ़वा नगर मंडल संयोजक मनोनीत किया गया है. साथ ही मेराल के सामुदायिक भवन में आयोजित प्रखंड स्तरीय बैठक में सर्वसम्मति से सुनेश्वर साह एवं अनुज प्रसाद को प्रखंड संयोजक बनाया गया. जबकि प्रमोद कुमार तथा सूर्य योगेन्द्र कुमार को युवा मोर्चा का संयोजक बनाया गया है. श्री साहू ने कहा कि आगामी 2 अक्टूबर को रांची में सद्भावना वैश्य महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है. इसमें राज्य के सभी जिलों से अधिक से अधिक संख्या में लोगों को शामिल होने की तैयारी की जा रही है. उन्होंने कहा कि राज्य में पिछड़ों की आबादी 52 प्रतिशत से अधिक है. इसमें 40 प्रतिशत से अधिक वैश्य हैं. अलग राज्य बनने के बाद भाजपा ने पिछड़ा वर्ग को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है. एकीकृत बिहार में ओबीसी समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था. परंतु झारखंड बनने के बाद भाजपा ने इसे घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया.

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते मोर्चा के पदाधिकारी.

डेडीकेटेड प्रीमियर स्कूल में पेरेंट्स-टीचर मीटिंग का आयोजन

मेदिनीनगर । शहर के सुदना स्थित डेडीकेटेड प्रीमियर स्कूल में पेरेंट्स-टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया. जिसमें बच्चों के पीटी परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया. पूर्व के मुकाबले बच्चों के रिजल्ट में अपेक्षित सुधार देखी गई. इससे अभिभावक अपने बच्चों के परीक्षा परिणाम से संतुष्ट दिखे. प्री नर्सरी से 11वीं तक के सभी वर्गों के टॉपर छात्रों को सम्मानित किया गया. स्कूल द्वारा बच्चों के समुचित विकास के लिए किए गए प्रयासों की अभिभावकों ने खूब सराहना की. स्कूल की प्राचार्य डॉ श्वेता कुमारी व निदेशक इं. विनय मेहता ने बच्चों और अभिभावकों का मार्गदर्शन किया और आगामी अर्धवार्षिक परीक्षा में बेहतर करने की शुभकामनाएं दी. मौके पर विद्यालय के कोऑर्डिनेटर नीलिमा मिश्रा, नीतू मिश्रा, अविनाश आनंद कुमार, श्वेता पाठक, निशिकांत दुबे, विशाल मल्होत्रा, श्वेता कुमारी, नेहा कुमारी, पूनम पांडेय, धीरेंद्र उपाध्याय, श्वेता शबनम और चंद्रदीप कुमार, राजन सर, चंदन सर आदि के साथ अभिभावकों में प्रभात अग्रवाल, संजीव कुमार सिंह, विजय उपाध्याय, कुणाल तिवारी आदि उपस्थित थे.

पेज एक का शेष

सेबी चीफ की फर्म ...

दंपती की कुल संपत्ति एक करोड़ डॉलर : हिंडनबर्ग ने दावा किया है कि अडानी समूह के मॉरीशस और विदेशी फर्जी इकाइयों के कथित अस्पष्ट जाल को लेकर सेबी ने आश्चर्यजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है. कहा, आईआईएफएल में एक प्रमुख के हस्ताक्षर वाले फंड की घोषणा में कहा गया है कि निवेश का स्रोत वेतन है और दंपती की कुल संपत्ति एक करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है. दस्तावेजों से पता चलता है कि अच्छी साख वाले हजारों भारतीय म्यूचुअल फंड होने के बावजूद सेबी की चेयरपर्सन माधवी बुच और उनके पति ने कम परिसंपत्तियों के साथ एक बहुस्तरीय विदेशी कोष में हिस्सेदारी ली थी. हिंडनबर्ग ने कहा कि इनकी परिसंपत्तियां उच्च जोखिम वाले अधिकार क्षेत्र से होकर गुजरती थीं। इसकी देखरेख घोटाले से कथित तौर पर जुड़ी एक कंपनी करती थी. यह वही इकाई है, जिसे अडानी के निदेशक चलाते थे और विनोद अडानी ने कथित अडानी नकदी हेरफेर घोटाले में महत्वपूर्ण रूप से उपयोग किया था.

रिपोर्ट में सुप्रीम कोर्ट का भी हवाला दिया : रिपोर्ट में सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का हवाला भी दिया गया है जिसमें कहा गया था कि सेबी इस बात की जांच में खाली हाथ रहा कि अडानी के कथित विदेशी शेयरधारकों का वित्तपोषण किसने किया था. हिंडनबर्ग ने कहा, अगर सेबी वास्तव में विदेशी कोष धारकों को ढूंढना चाहता था तो शायद सेबी प्रमुख खुद को आईने में देखकर इसकी शुरुआत कर सकती थीं. हमें यह आश्चर्यजनक नहीं लगता कि सेबी उस मामले का पीछा नहीं करना चाहता था, जो उसके अपने प्रमुख तक जाता था. सेबी ने इस साल 26 जून को हिंडनबर्ग को एक कारण बताओ नोटिस भेजकर जानबूझकर सनसनी फैलाने और कुछ तथ्यों को विकृत करने" के साथ अपना दांव लगाने के लिए न्यूयॉर्क हेज फंड के साथ काम करने का आरोप लगाया था.

किसानों को मिलेगा लाभ

पीएम मोदी वर्ष 2014 से ही किसानों की आय बढ़ाने के लिए टिकाऊ खेती के तरीकों और जलवायु अनुकूल तरीकों की वकालत करते रहे हैं. उन्होंने लगातार जैव-सुदृढ़ किस्मों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है और कुपोषण से निपटने के लिए उन्हें मध्याह्न भोजन योजना और आंगनवाड़ी सेवाओं जैसी सरकारी पहलों से जोड़ा है.

बजट में पीएम-प्रणाम योजना की घोषणा : बता दें कि भारत सरकार पहले से ही पर्यावरण की चिंता के साथ हरित और टिकाऊ कृषि और अच्छी कृषि प्रथाओं के माध्यम से हरित कृषि को बढ़ावा दे रही है. यह राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एनएमएसए) को लागू कर रहा है जो जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) के तहत राष्ट्रीय मिशनों में से एक है. एनएमएसए का उद्देश्य भारतीय कृषि को बदलती जलवायु के प्रति अधिक लचीला बनाने के लिए रणनीतियों को विकसित और लागू करना है. इसके अलावा, सरकार ने बजट 2023-24 में धरती माता के पुनरुद्धार, जागरूकता, पोषण और सुधार के लिए प्रधानमंत्री कार्यक्रम (पीएम-प्रणाम) योजना की भी घोषणा की है, जिसका उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग और रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करना है.

मैंने सत्ता छोड़ी...

सर्वशक्तिमान अल्लाह की कृपा से मैं जल्द ही वापस आऊंगी. शेख हसीना ने आगे कहा है कि अवामी लीग ने बार-बार आवाज उठाई है. मैं बांग्लादेश के भविष्य के लिए हमेशा प्रार्थना करूंगी, वह राष्ट्र जिसके लिए मेरे महान पिता ने संघर्ष किया. वह देश जिसके लिए मेरे पिता शेख मुजीबुर रहमान और परिवार ने अपनी जान दे दी.

मैंने आपको कभी रजाकार नहीं कहा : आरक्षण आंदोलन और छात्र विरोध का जिक्र करते हुए हसीना ने कहा, मैं बांग्लादेश के युवा छात्रों से दोहराना चाहूंगी कि मैंने आपको कभी रजाकार नहीं कहा. बल्कि मेरे शब्दों को आपको भड़काने के लिए तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया. मैं आपसे उस दिन का पूरा वीडियो देखने का अनुरोध करती हूं. षड्यंत्रकारियों ने मासूमियत का फायदा उठाया है और राष्ट्र को अस्थिर करने के लिए आपका इस्तेमाल किया है.

राज्य के 4.73 लाख किसानों ...

13 जिलों में 20 हजार से अधिक किसानों के ऋण माफ : 13 जिलों के 20 हजार से अधिक किसानों के 50 हजार रुपये तक के ऋण माफ किए जा चुके हैं. इनमें चतरा में 20,777, देवघर में 36341, दुमका में 28010, पूर्वी सिंहभूम में 26388, गढ़वा में 24346, गिरिडीह में 25308, गोड्डा में 20233, हजारीबाग में 26819, जामताड़ा में 20232, पलामू में 28637, रांची में 28674, सरायकेला-खरसांवा में 21259 और पश्चिमी सिंहभूम में 25645 किसानों के ऋण माफ किए जा चुके हैं.

धनबाद को मिला है सबसे अधिक टारगेट : धनबाद को किसानों के केवाइसी का सबसे अधिक लक्ष्य मिला है. यहां 46193 किसानों का केवाइसी किया जाना है. वहीं पूर्वी सिंहभूम में 36458, गढ़वा में 39322, गिरिडीह में 35677, गोड्डा में 33765, गुमला में 30952, जामताड़ा में 41627, रामगढ़ में 45697 और सिमडेगा में 31445 किसानों का केवाइसी किया जाना है.

किस जिले में कितने केवाइसी करने का है लक्ष्य

जिला	लक्ष्य	जिला	लक्ष्य
बोकारो	25,935	खूंटी	28,558
देवघर	29,417	कोडरमा	11,782
धनबाद	46,193	लातेहार	15,283
चतरा	34	लोहरदगा	16,074
दुमका	16,137	पाकुड़	15,216
पूर्वी सिंहभूम	36,458	पलामू	11,015
गढ़वा	39,322	रामगढ़	45,697
गिरिडीह	35,677	रांची	13,084
गोड्डा	33,765	साहिबगंज	41,358
गुमला	30,952	सरायकेला खरसांवा	21,259
हजारीबाग	20,926	सिमडेगा	31,445
जामताड़ा	41,627	पश्चिमी सिंहभूम	9,753

मोहम्मद यूनुस से अपेक्षा

उपलब्ध विकल्पों के बीच मोहम्मद यूनुस संभवतः सबसे अच्छा नाम हैं. वे एक बांग्लादेशी उद्यमी, बैंकर, अर्थशास्त्री और नागरिक समाज के नेता हैं. यूनुस को ग्रामीण बैंक की स्थापना और माइक्रोक्रेडिट और माइक्रोफाइनेंस के कॉन्सेप्ट को आगे बढ़ाने के लिए 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. यूनुस को अमेरिका सहित कई अन्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिले हैं. उन्होंने 2009 में यूनाइटेड स्टेट्स प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम और 2010 में कांग्रेसनल गोल्ड मेडल प्राप्त किया. यूनुस उन सात व्यक्तियों में से एक हैं, जिन्हें नोबेल शांति पुरस्कार, यूनाइटेड स्टेट्स प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम और यूनाइटेड स्टेट्स कांग्रेसनल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया है. उन्होंने लघु ऋण के जरिए गरीब तबकों के सशक्तीकरण का प्रभावशाली प्रयोग किया है. वे पूंजीवाद के वर्तमान स्वरूप के आलोचक हैं, हालांकि मूलतः वे पूंजीवाद के खिलाफ नहीं हैं. अपने पहले मकसद में कामयाब होने के बाद बांग्लादेश के छात्र नेताओं के सामने चुनौती पैदा हुए सियासी खालीपन को भरने की है. कहा जा सकता है कि इस क्रम में इन नौजवानों परिपक्व ने पहल की है. आर्थिक समस्याओं और पूर्व सरकार की तानाशाही से परेशान लोगों के असंतोष को संगठित कर एक बड़े जन आंदोलन में तब्दील करने में इन छात्र नेताओं ने केंद्रीय भूमिका निभाई. नतीजतन, प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद को देश से भागना पड़ा. अब उनकी जगह कार्यवाहक सरकार के गठन की चुनौती है. इस सिलसिले में छात्र नेताओं ने नोबेल पुरस्कार विजेता सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद यूनुस का नाम आगे किया है. उन्होंने खुद यूनुस से बात की और उन्हें अंतरिम सरकार में नेतृत्वकारी भूमिका लेने के लिए राजी कर लिया. स्पष्टतः यह परंपरागत राजनीतिक दलों के प्रति युवा वर्ग में मौजूद अविश्वास का संकेत है. छात्र नेताओं ने स्पष्ट किया है कि वे सैनिक शासन बर्दाश्त नहीं करेंगे. वे जल्द से जल्द सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली चाहते हैं. साथ ही उन नीतियों को भी वे बदलना चाहते हैं, जिससे बांग्लादेश के युवाओं के सामने अवसरहीनता की स्थिति बनी है. उन्होंने लघु ऋण के जरिए गरीब तबकों के सशक्तीकरण का प्रभावशाली प्रयोग किया है. इसी कार्य के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. वैचारिक तौर पर वे पूंजीवाद के वर्तमान स्वरूप की आलोचना करते रहे हैं, हालांकि बुनियादी तौर पर वे पूंजीवाद के खिलाफ नहीं हैं. शेख हसीना सरकार के साथ यूनुस टकराव की भूमिका में रहे. शायद इन सब कारणों से ही छात्रों की पहली पसंद वे बने हैं. जाहिर है, छात्र नेता देश में एक नई शुरुआत करना चाहते हैं. इसके लिए उन्होंने यथासंभव प्रयास किया है, लेकिन इस दिशा में प्रगति आसान नहीं होगी. बल्कि यह आशंका अधिक मजबूत है कि चीजें घूम-फिर कर वापस वहीं पहुंच जाएंगी. इसका प्रमुख कारण मौजूदा राजनीतिक शक्तियों का चरित्र है. उन राजनीतिक शक्तियों को किनारे लगाने के लिए एक नई वैचारिक पहल और राजनीति की जरूरत होगी. मगर उसकी जमीन फिलहाल नज़र नहीं आती.

> छात्र नेताओं ने स्पष्ट किया है कि वे सैनिक शासन बर्दाश्त नहीं करेंगे. वे जल्द से जल्द सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली चाहते हैं. साथ ही उन नीतियों को भी वे बदलना चाहते हैं, जिससे बांग्लादेश के युवाओं के सामने अवसरहीनता की स्थिति बनी है.

सुभाषित

गौरवं प्राप्यते दानात् न तु वित्तस्य संचयात्।
स्थितिः उच्चैः पयोदानां पयोधीनां अधः स्थितिः॥

दान से गौरव प्राप्त होता है, वित्त के संचय से नहीं. जल देनेवाले बादलों का स्थान उच्च है, बल्कि जल का समुच्चय करनेवाले सागर का स्थान नीचे है. इसी प्रकार दानी का स्थान सर्वोपरि होता है. इसलिए यदि पास में संपत्ति हो तो दान अवश्य ही करना चाहिए.

सफेद टी-शर्ट राहुल की ट्रेड मार्क

मौजूदा संसद का बजट सत्र पूरी तरह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नाम रहा. कांग्रेस नेता हर उस जगह जा रहे हैं, जहां देश के प्रधानमंत्री को जाना चाहिए. सफेद टी शर्ट राहुल गांधी की ट्रेड मार्क बन चुकी है. राहुल गांधी आम लोगों के बीच कितने साधारण बन जाते हैं, यह देखने योग्य है. सुल्तानपुर के मोची रामचेत से मुलाकात के दौरान जूता सिलना सीखना और दिल्ली में राजमिस्त्री के साथ सीमेंट–बालू का मसाला तैयार करना इसके उदाहरण हैं.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

यूं तो भारतीय राजनीति में कोई ड्रेस कोड नहीं है, लेकिन राहुल गांधी का अपने ट्रेडमार्क सफेद टी-शर्ट पर जोर है. भारतीय राजनीति में कपड़े चुनना एक कठिन प्रक्रिया है, क्योंकि आपके पास इसका कोई खास पैटर्न नहीं होता है. राजनीतिज्ञ खुद को स्वच्छ और नैतिक व आध्यात्मिकता की भावना वाले व्यक्ति के रूप में पेश करते हैं. सफेद रंग इन सभी विशेषताओं से जुड़ा हुआ है. इसलिए, राहुल की सफेद टी-शर्ट एक मजबूत राजनीतिक संदेश देती है और युवाओं से जुड़ाव का प्रतीक है. एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो दिन में चार बार कपड़ा बदलते हैं, वहीं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, एक सफेद टी शर्ट में आप को हर आम व खास मौकों पर दिखते हैं. भारत जोड़ो यात्रा के बाद से राहुल गांधी की सफेद टी शर्ट भी खूब चर्चा में रही है. आज राहुल गांधी की सफेद टी शर्ट ने देश में एक ब्रांड का रूप ले लिया है. बहुत लोग इसे राहुल गांधी की सादगी भी मानते हैं. इसी सफेद टी शर्ट में देख कर आम लोग भी राहुल गांधी को अपने बीच का आदमी मानने लगे हैं, और उनसे मिलने पर अपनत्व महसूस करते हैं. याद कीजिए, भाजपा के लोगों ने इसी टी शर्ट को लेकर शुरू-शुरू में यह कह कर सवाल उठाया था कि यह तो बहुत महंगी ब्रांड (करीब 41 हजार रुपए की) वाली है. लेकिन लोगों ने उसकी परवाह नहीं की और उन्हें सिर-आंखों पर बिठा लिया. जिस सुलगते मणिपुर में पीएम नरेंद्र मोदी एकबार भी आंसू पोंछने नहीं गए, राहुल गांधी वहां तीन बार जा चुके हैं. अभी हाल ही में वायनाड में हुए जल प्रलय के बाद भी राहुल गांधी बिना देर किए अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ पहुंच गए. वायनाड में दो दिन रुक कर राहुल गांधी ने ज्यादा से ज्यादा पीड़ितों से मुलाकात कर सबको ढाढ़स बंधाया. राहुल गांधी ने कहा- जिस तरह का दुख मुझे अपने पिता राजीव गांधी की मौत पर हुआ था, उससे भी कहीं ज्यादा दुख मुझे वायनाड के आपदा पीड़ितों से मिल कर और उनका दर्द जानकर हुआ है. पहली बार देखने को मिल रहा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी बोलने खड़े होते हैं, तो सत्ता पक्ष में घबराहट दिखती है. राहुल गांधी तथ्यों के साथ पूरी सरकार को जिस तरह घेरते हैं, उससे साफ है कि उनका जनता से जुड़ाव और हर समस्या पर उनकी पारखी नजर का कमाल है ये. दबी जुबान से विरोधी भी राहुल गांधी की वाकपटुता और उनके अंदाज की तारीफ करने लगे हैं.

आपको याद होगा कि 4 दिसंबर 2013 को, जब अरविंद केजरीवाल की नई बनी आम आदमी पार्टी ने सभी चुनावी भविष्यवाणियों को गलत साबित करते हुए दिल्ली विधानसभा में 28 सीटें जीतीं, तो राहुल गांधी ने कहा था कि वे केजरीवाल की सफलता से सीखेंगे. लगभग 11 साल बाद, राहुल गांधी अब दिल्ली के मुख्यमंत्री (अरविंद केजरीवाल) की शैली में उनसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, बल्कि उनसे भी आगे बढ़ चुके हैं. राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा करके जन-जन के बीच पहुंच चुके हैं और आज पीएम नरेंद्र मोदी से भी मीलों आगे हैं. विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी लोकसभा के अंदर और बाहर दोनों जगह एक साहसी राजनेता के रूप में उभर कर आए हैं. उन्होंने नाटकीय रूप से दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उनके खिलाफ छापेमारी करने और उनकी गिरफ्तारी की योजना बना रही है. यह दावा उन्होंने हाल ही में आधी रात 1:52 बजे एक माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर किया. यह समय महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि वर्षों से, कई कांग्रेस नेता अक्सर राहुल गांधी की रात 10 बजे से सुबह 10 बजे तक की अनुपलब्धता की शिकायत करते थे. ईडी को अपने खिलाफ कार्रवाई की चुनौती देकर ऐसा लगता है कि राहुल ने कई राजनीतिक गुणा-गणित कर लिए हैं. अगर ईडी ने उन्हें नहीं बुलाया, तो राहुल एक तरह की जीत हासिल करेंगे. अगर एजेंसी आगे बढ़ती है, तो राहुल ईडी के कदम को राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई करार देंगे. इससे भी जरूरी बात यह है कि ईडी से आंतरिक और पूर्व जानकारी होने के राहुल के दावे को विश्वसनीयता मिलेगी.

लोकसभा में अपने भाषणों में राहुल गांधी लगातार दो व्यापारिक घरानों के नाम लेते रहे हैं. हर बार, जब अध्यक्ष या सत्तापक्ष की बेंचों से विरोध होता है तो राहुल के आरोप को बल मिलता है कि यह आपसी लाभ का मामला है. राहुल गांधी को राजनीतिक घराने का होने के बावजूद मैं पारंपरिक राजनेता नहीं मानता. राहुल गांधी की टीम के प्रमुख सदस्य एनजीओ और कार्यकर्ता पृष्ठभूमि से आते हैं. भारत जोड़ो यात्रा के दोनों चरणों के दौरान, 21 राज्यों से आए 150 से अधिक सिविल सोसाइटी संगठनों ने राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में हिस्सा लिया था. पिछले कुछ महीनों में, राहुल गांधी ने एक लोकप्रिय शख्सियत बनने के बजाय पीएम मोदी के खिलाफ ध्रुवीकरण करने वाला चेहरा बनने की कोशिश की है. राहुल गांधी जनता से सीधे संवाद और बातचीत करते हैं. एक दिन उन्हें लोको पायलटों से मिलते हुए देखा जा सकता है और अगले दिन आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर कुलियों के साथ बातचीत करते हुए, इस सीधे संपर्क और संवाद की धारणा ने राहुल को उन लोगों के मुकाबले बड़ा फायदा दिया है, जो सुरक्षा व्यवस्थाओं और सलाह को प्राथमिकता देते हैं. राहुल गांधी की जोखिम लेने की क्षमता और उनकी स्वतःस्फूर्तता की सफलता की संभावना अधिक है, क्योंकि कांग्रेस की विरासत और प्रभाव किसी भी अन्य राजनीतिक पार्टी से कहीं बड़ा है. इसलिए, यह थोड़ा आश्चर्यजनक है कि अखिलेश यादव ने शैडो कैबिनेट और शैडो प्रधानमंत्री के गठन से संबंधित एक प्रश्न पर कैसी प्रतिक्रिया दी. समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो ने एक साक्षात्कार में पूछा कि क्यों एक ही शैडो प्रधानमंत्री होना चाहिए. हमारे पास दो, तीन या अधिक शैडो प्रधानमंत्री क्यों नहीं हो सकते, अखिलेश ने कहा, मानो अन्य इंडिया गठबंधन के सहयोगियों जैसे टीएमसी, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी), आरजेडी, डीएमके आदि की चिंताओं को दिखा रहे हों. अगर कांग्रेस महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करती है तो विपक्षी पंक्तियों में पहले की तरह राहुल गांधी का उभरना और भी महत्वपूर्ण हो जाएगा.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

काम का सामान्य स्वरूप

काम वस्तुतः उसके विकृत स्वरूप में ही दूषण है. यह अपने सामान्य स्वरूप में विकार नहीं है. एक ब्रह्मचारी के लिए तो काम हर दशा में अनादेय है, वहीं जो एक साथी से वचन बद्ध है या व्रतधारी है, उनके लिए मर्यादित स्वरूप में स्वीकार्य है. वैसे भी काम के प्रति जनसामान्य में सहानुभूति है. मात्र विकृत स्वरूप से ही वितृष्णा है. अतः इसे सर्वसामान्य कथन के रूप में, व्यक्तित्व का शत्रु नहीं माना जा सकता. तथापि कामविकार को तृष्णा अर्थात लोभ में परिगणित तो माना जाता ही है. प्रत्येक आत्म के साथ मोह का प्रगाढ बंधन होता है. और ये चार कषाय, मोह से ही सक्रिय होते हैं. मोह के दो स्वरूप हैं राग और द्वेष. मोह से ही मन के अनुकूल स्थिति 'राग' है और मोह से ही मन के प्रतिकूल स्थिति 'द्वेष' है. इन चार कषायों में दो 'राग' प्रेरित है और दो 'द्वेष' प्रेरित. माया और लोभ राग प्रेरित है तो क्रोध व मान द्वेष प्रेरित. 'मोह' से इतना स्रोत सम्बंध होने के उपरांत भी 'मोह' इन शत्रुओं का पोषक तो है, किंतु सीधा दूषण नहीं है. इसलिए व्यक्तित्व के शत्रुओं के रूप में क्रोध, अहंकार, कपट और लोभ को चिन्हित किया जा सकता है. निसंदेह अहंकार इन चारों में अधिक प्रभावशाली और दुर्जेय है, किंतु यदि मात्र अहंकार को लक्ष्य कर, उसे ही साधा जाय और शेष तीनो को खुला छोड दिया जाय तो वे अहंकार को सधने नहीं देते. वस्तुतः यह चारों कषाय एक दूसरे पर निर्भर और एक दूसरे के सहयोगी होने के बाद भी अपने आप में स्वतंत्र दूषण है. इसलिए चारों पर समरूप नियंत्रण आवश्यक है. एक को प्रधानता और दूसरे के प्रति जरा सी लापरवाही, उस एक को साधने के लक्ष्य को सिद्ध होने नहीं देती. कह सकते है यह शत्रुओं का घेरा है, जिस शत्रु को कमजोर समझा जाएगा वह निश्चित ही पिछे से वार करेगा. चारों के साथ, समरूप संघर्ष आवश्यक है. अब बात ईर्ष्या और आलस की तो ईर्ष्या 'अहंकार' का ही प्यादा है और आलस 'लोभ' का प्यादा. यह दोनो भी, उन चार प्रमुख शत्रुओं के अधीनस्त ही है. यदि हम गौर से देखेंगे तो स्पष्ट हो जाएगा कि क्रोध, घमण्ड, अविश्वसनीयता, और प्रलोभन हमारे व्यक्तित्व को असरदार बनने नहीं देते. और इन चारों के अधीस्त जो भी दूषण आते है वे भी सभी मिलकर हमें नैतिकता के प्रति टिकने नहीं देते. ये सभी दूषण, कम या ज्यादा सभी में होते है किंतु इनकी बहुत ही मामूली सी उपस्थिति भी विकारों को प्रोत्साहित करने में समर्थ होती है. इसलिए इनको एक्ट में न आने देना, इन्हे निरंतर निस्क्रीय करते रहना या नियंत्रण स्थापित करना ही व्यक्तित्व के लिए लाभदायक है.

किसान आंदोलन : चुनौतियां और नई उम्मीदें

• कृषि

लाल बहादुर सिंह

संयुक्त किसान मोर्चा ने 9 अगस्त को "कॉरपोरेट भारत छोड़ो दिवस" के रूप में मनाया. साथ ही मांग की कि भारत विश्व व्यापार संगठन से बाहर आए और कृषि उत्पादन तथा व्यापार में कोई बहुराष्ट्रीय कंपनी न हो. किसान नेताओं ने बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि मोदी सरकार ने अपना विजय रथ रोकने के "अपराध" के लिए किसानों से बदला लिया है और उन्हें दंडित किया है. न सिर्फ कृषि का बजट घटा दिया गया है, बल्कि उनकी जो दो मुख्य मांगें थीं, एमएसपी की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी, उनका बजट में कहीं कोई जिक्र ही नहीं है. अन्नदाता के प्रति सरकार की संवेदनहीनता की यह पराकाष्ठा है. किसान संगठन अपनी पहल बनाए हुए हैं. उन्होंने फिर उस समय सुर्खियां बटोरीं जब वे राहुल गांधी से मिलने संसद प्रांगण में गए. शुरुआती इंकार के बाद अंततः सरकार को झुकना पड़ा और उन्हें इसकी परमिशन देनी पड़ी. राहुल से किसानों के मिलने से, वह भी संसद भवन के अंदर, सरकार का असहज होना समझ में आने लायक है, क्योंकि किसान उस एमएसपी की कानूनी गारंटी के सवाल पर मिलने गए थे, जिसका वायदा मोदी सरकार ने ऐतिहासिक किसान आंदोलन के स्थगन के समय किया था, लेकिन बाद में वायदा खिलाफी करते हुए उससे मुकर गई. किसान नेताओं ने राहुल गांधी को याद दिलाया कि विपक्षी गठबंधन ने चुनाव पूर्व घोषणाओं में एमएसपी की कानूनी गारंटी का वायदा किया था. उन्होंने उनसे मांग की कि इसके लिए वे आवाज उठाएं और लागू करवाएं. जाहिर है किसानों को सरकार से अधिक विपक्ष से उम्मीद है कि वह एमएसपी की कानूनी गारंटी लागू करवाएगी. लोकसभा चुनाव में भाजपा को किसानों के आक्रोश का शिकार होना पड़ा, जब कुल 159 ग्रामीण इलाके की सीटों पर उसे हार का मुंह देखना पड़ा. इनमें 38 सीटें पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के किसान आंदोलन के सघन इलाके की सीटें हैं. लखीमपुर में किसानों के जनसंहार के आरोपी पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी को मोदी ने भले किसानों की बारंबार मांग के बावजूद मंत्रिमंडल से नहीं हटाया, लेकिन किसानों ने चुनाव में हराकर उसे दंडित कर दिया. कृषिमंत्री अर्जुन मुंडा को भी झारखंड के खूंटी में हार का मुंह देखना पड़ा. अब किसानों ने शिवराज सिंह चौहान को कृषि मंत्री बनाए जाने पर तीखा आक्रोश व्यक्त किया है. वे 2017 जून में मंदसौर में हुए किसानों के जनसंहार के लिए, जिसमें 6 किसान मारे गए थे, शिवराज चौहान सरकार को जिम्मेदार मानते हैं. मोर्चे ने प्रधानमंत्री मोदी और नेता विपक्ष राहुल गांधी तथा सभी सांसदों को दिए जानेवाले 14 सूत्रीय चार्टर में अपनी सभी ज्वलंत मांगों को शामिल किया है और लंबित मांगों को दोहराया है, जिनमें एमएसपी की कानूनी गारंटी, कर्जमाफी, किसानों तथा खेत मजदूरों के लिए 10 हजार मासिक पेंशन, सभी फसलों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा सर्वांगीण बीमा कवरेज की गारंटी शामिल है. ऐसा लग रहा है कि मोर्चे ने अपना मास डायनेमिज्म और स्वतः स्फूर्त उत्साह और जनभागीदारी का तत्व खो दिया है और संगठन संचालन के नाम पर एक तरह का फॉर्मलिज्म और यांत्रिकता हावी हो गई है. दूसरी ओर जो धड़ा पहलकदमी लेता दिख रहा है और शंभू बॉर्डर पर डेरा डाले हुए है, उसका एक हिस्सा अपने को अराजनीतिक कहता है, उसके शीर्ष नेता डल्लेवाल की संघ के किसान संगठन से नजदीकी बताई जाती है, तो दूसरा हिस्सा किसान मजदूर मोर्चा ऐतिहासिक किसान आंदोलन के समय संयुक्त किसान मोर्चा से अलग रहा और उसके ऊपर अराजकता पैदा करने के भी आरोप लगे थे. जाहिर है यह कुनबा भी किसी स्पष्ट लोकतांत्रिक वैचारिक विजन के आधार पर काम नहीं कर रहा है और इसकी राजनीतिक दिशा संदिग्ध है. उधर किसान आंदोलन के गढ़ पंजाब में कट्टरपंथी ताकतों का असर बढ़ना भी किसान आंदोलन के लिए अशुभ संकेत है. जाहिर है यह स्थिति केंद्र सरकार और भाजपा के अनुकूल है, इसलिए वे इसमें गहरी रुचि ले रहे हैं. आज जरूरत इस बात की है कि हर तरह की संकीर्णता त्यागकर सुस्पष्ट जनतांत्रिक दिशा और साझा मुद्दों तथा कार्यक्रम के आधार पर किसान संगठनों की व्यापक एकता कायम हो और एकताबद्ध संयुक्त किसान मोर्चा MSP गारंटी कानून , कर्जमाफी तथा पेंशन आदि किसानों के बीच लोकप्रिय मुद्दों को केंद्रित करते हुए मोदी सरकार को घेरने की ओर बढ़े. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> किसान नेताओं ने राहुल गांधी को याद दिलाया कि विपक्षी गठबंधन ने चुनाव पूर्व घोषणाओं में एमएसपी की कानूनी गारंटी का वायदा किया था. उन्होंने उनसे मांग की कि इसके लिए वे आवाज उठाएं और लागू करवाएं. जाहिर है किसानों को सरकार से अधिक विपक्ष से उम्मीद है कि वह एमएसपी की कानूनी गारंटी लागू करवाएगी.

नौकरियों के पारिस्थितिकीय यथार्थ

• रोजगार

प्रो. सुनील रे

आज भारत के सामने विकास की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, लाखों बेरोजगारों को अच्छी नौकरियां मुहैया कराना, खास तौर पर ग्रामीण भारत में.यह भी स्पष्ट है कि कॉर्पोरेट पूंजी के बड़े निवेश पर निर्भर 'ट्रिकल डाउन' अर्थव्यवस्था में अडिग विश्वास के साथ 'सामान्य रूप से व्यवसाय' प्रतिमान इन नौकरियों को बनाने में विफल रहा है.इसका मुख्य कारण यह है कि कॉर्पोरेट पूंजी की रोजगार लोच बहुत कम है, जबकि नौकरियों की मांग बहुत तेज गति से बढ़ रही है.कई कारणों से निजी पूंजी का निवेश नहीं हो रहा है, जिसमें एक तरफ घरेलू बाजार के आकार के विस्तार की कमी की ओर इशारा करने वाले संरचनात्मक मुद्दे शामिल हैं, जिसके परिणामस्वरूप वस्तुओं और सेवाओं की निरंतर कम खपत मांग है, तो दूसरी तरफ नीति के प्रति निजी क्षेत्र की दुविधा और भारत की विकास गाथा के प्रति संदिग्ध प्रतिबद्धता है. सार्वजनिक क्षेत्र भी पर्याप्त नौकरियां नहीं बना सकता. भले ही सभी पीएसयू और सरकारी रिक्तियों को भर दिया जाए, लेकिन नौकरी की समस्या का समाधान कहीं नहीं है. यह और भी गंभीर होने वाली है, विशेष कर ग्रामीण भारत में, जहां बार-बार सूखा और बाढ़ आती रहती है, और इसलिए कृषि क्षेत्र अनिश्चित प्रदर्शन वाला बना हुआ है. शिक्षित बेरोजगारों को समग्र रूप से देखते हुए नौकरियों की चुनौती को अलग रंग में देखा जा सकता है, विशेष रूप से देश के ग्रामीण इलाकों में फैले लोगों को. ये युवा अब अक्सर कम पेशेवर इनपुट के साथ अजीबोगरीब स्थिति में स्थानीय नौकरियों में आंशिक रूप से स्व-नियोजित हैं, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, कम पूंजी वाले उद्यमशीलता उपक्रमों का समर्थन करने और परिदृश्य को बदलने के लिए नए रास्ते खोल सकते हैं. यह कम पूंजी आधारित लेकिन कुशल स्थानीय विकास प्रक्रिया की क्षमता है. यह प्रक्रिया तथाकथित 'आला संरचना' को देखकर सामूहिक उद्यमशीलता संरचना जैसे नए मॉडल के माध्यम से रोजगार सृजन के वैकल्पिक तरीके की मांग करती है. आला संरचना मूल रूप से एक पारिस्थितिक सिक्का है जो प्रजातियों के सह-अस्तित्व को समझाने के प्रयासों के हिस्से के रूप में आया था. सिद्धांत रूप में, एक-दूसरे को बाहर करने की उनकी प्रवृत्ति के बावजूदः आला संरचना में अंतर सह-अस्तित्व को स्थिर करने वाले कारकों के रूप में कार्य करते हैं. प्रजातियां अपने आप में आला संरचना बनाकर पर्यावरण को बदल सकती हैं और ऐसा करके, उक्त प्रजाति अपने आप विकसित होती है, लेकिन दूसरों को भी प्रभावित करती है. इसके साथ ही परिवर्तन और विकास को भी प्रेरित करती है. इस लेखक ने हाल ही में अपनी पुस्तक 'रूटलेज इंडिया' के अध्याय 'डीपनिंग डेमोक्रेसी' में विशिष्ट संरचना के निर्माण के माध्यम से विकेंद्रीकृत स्तर पर रोजगार सृजन में इस पर चर्चा की है, जिसमें कहा गया है कि 'उचित संरचनात्मक परिवर्तन लाने के लिए देश के बहुसंख्यक लोगों के जीवन की भौतिक स्थितियों की गहरी समझ के आधार पर रोजगार सृजन का एक वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य आवश्यक है.' आर्थिक संदर्भ में समुदाय के भीतर से स्वयं संगठित विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए एक नई सामूहिक उद्यमशीलता संरचना या सामूहिक उद्यम प्रणाली एक आला संरचना की तरह काम करती है. इस तरह की संरचना विनिर्माण, प्रसंस्करण, मरम्मत, निर्माण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा, व्यापार, विपणन, व्यवसाय आदि जैसी सभी प्रकार की गतिविधियों में असंख्य संबद्ध उत्पादकों के स्व-संगठनों को जन्म दे सकती है. वे सामूहिक उद्यम हैं (व्यक्तिगत स्वामित्व नहीं), लेकिन पारंपरिक अर्थों में महत्वपूर्ण रूप से सहकारी भी नहीं हैं. वे कम पूंजी आधार के साथ काम करते हैं और मुख्यधारा की आर्थिक संरचना के अनुलग्नक के रूप में नहीं, सापेक्ष स्वायत्तता बनाए रखते हैं. यह श्रमिकों की सहकारी समितियों का एक नया आविष्कार है. श्रमिकों का एक स्वतंत्र निर्माण, न कि सरकार या बड़ी पूंजी के संरक्षण में. यह राज्य का समर्थन भी ले सकता है लेकिन पूरी तरह से सचेत रहते हुए कि यह उसके द्वारा शासित नहीं है. यहां, श्रमिक स्वयं मालिक हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> सार्वजनिक क्षेत्र भी पर्याप्त नौकरियां नहीं बना सकता. भले ही सभी पीएसयू और सरकारी रिक्तियों को भर दिया जाए, लेकिन नौकरी की समस्या का समाधान कहीं नहीं है. यह और भी गंभीर होने वाली है, विशेष कर ग्रामीण भारत में, जहां बार–बार सूखा और बाढ़ आती रहती है, और इसलिए कृषि क्षेत्र अनिश्चित प्रदर्शन वाला बना हुआ है.

मीडिया में अन्यत्र

लगातार बढ़ रही चीन पर निर्भरता

केंद्र सरकार ने विनिर्माण क्षेत्र में काम करने वाले चीनी तकनीशियनों की वीजा मंजूरी प्रक्रिया को तेजी प्रदान करने और सुसंगत बनाने का निर्णय लिया है. यह स्वागतयोग्य है. इस पहल से जटिलताओं को सहज बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है. खासतौर पर उन 14 क्षेत्रों के लिए ऐसा किया जा रहा है, जो उत्पादन से संबद्ध योजनाओं (पीएलआई) के तहत आते हैं. इस महीने प्रभावी हो रहे नए मानकों के अनुसार किसी कंपनी के आवेदन करने के बाद उसे मंजूरी के लिए संबंधित सरकारी विभागों तक भेजा जाएगा और उन्हें अपनी प्रतिक्रिया 28 दिनों के भीतर गृह मंत्रालय के पास भेजनी होगी. उम्मीद है कि इस प्रक्रिया में एक से डेढ़ महीने का वक्त लगेगा और कारोबारी ई-वीजा छह महीने के लिए वैध होगा. कई कारोबारों का कहना है कि वीजा संबंधी मसले उनके उत्पादन और उनकी उत्पादकता को प्रभावित कर रहे हैं. यह उम्मीद की जानी चाहिए कि यह पहल इन चिंताओं को दूर करेगी और उन कंपनियों के लिए भी वीजा जारी किए जाएंगे, जो पीएलआई योजनाओं के अधीन नहीं आतीं. सरकार ने वीजा की समस्या को दूर किया है, लेकिन बहस का एक अन्य बड़ा मुद्दा है चीनी निवेश, खासकर नवीनतम आर्थिक समीक्षा में की गई टिप्पणियों के संदर्भ में. चूंकि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में चीन की स्थिति मजबूत है, इसलिए भारत के लिए स्वतंत्र रूप से इन नेटवर्क का अनिवार्य हिस्सा बन पाना असंभव है. चीन के विनिर्माण का दायरा इतना व्यापक है कि भारत द्वारा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका बढ़ाने का कोई भी प्रयास चीन के हितों और परिचालन से टकराएगा. वीजा का मसला भी इस बात को रेखांकित करता है. हालात को देखते हुए भारत के पास दो विकल्प हैं- चीन की आपूर्ति श्रृंखला के साथ अधिक गहराई से जुड़ाव अथवा विनिर्माण क्षेत्र में चीन के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देना. सर्वेक्षण बाद वाले विकल्प के हित में है. उसने तुर्किये और ब्राजील का उदाहरण लिया है और तर्क दिया है कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देने से घरेलू विनिर्माण को गति मिलेगी और निर्यात में बढ़ोतरी होगी. भारत में चीन के निवेश से उत्पादन में इजाफा होगा और इससे व्यापार घाटा कम करने में मदद मिलेगी. इतना ही नहीं इससे हम तकनीक संपन्न होंगे, प्रबंधन क्षमता में सुधार होगा और उत्पादन लागत में सुधार होगा. बहरहाल, ये लाभ कई चिंताओं और जोखिम के साथ आते हैं. चीन की पूंजी की आवक और उसका प्रभाव कई जोखिम अपने साथ लाएगा. उदाहरण के लिए डेटा सुरक्षा में सेंध लगने से राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक संप्रभुता के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है. सरकार ने 2020 में कहा था कि भारत के साथ भूसीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले निवेश को मंजूरी की आवश्यकता होगी. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

बारिश/वारिस

रिमझिम के तराने लेकर आयी बरसात. मुहम्मद रफी की आवाज में यह गाना एक जमाने में लोकप्रियता चरम ऊंचाई पर था. इस गाने को सुनने के बाद रिमझिम बारिश की कल्पना अपने आप हो जाती है. कारण तो मुझे नहीं पता, लेकिन आज मेरी कल्पना बारिश तक पहुंच कर अटक गयी है. इससे मिलता जुलता एक शब्द है 'वारिस'. बोलने में हम चाहे जो भी बोल लें, लेकिन लिखने में कुछ लोगों के सामने भ्रम की स्थिति खड़ी हो जाती है. वे अचानक समझ नहीं पाते कि अगर बरसात के समान अर्थ वाला शब्द हो तो उसे बारिश लिखें या वारिस. इसी उधेड़बुन में गलती हो जाती है. इससे बचने का एक उपाय यही है कि हम बारिश और वारिस को अच्छी तरह समझने का प्रयास करें. कुछ ऐसा ही प्रयास आज की शब्द चर्चा में किया जायेगा. तो आइए, सबसे पहले हम बारिश पर विचार करते हैं. बारिश का तो लगभग हर कोई जानता है. फिर भी जब चर्चा छिड़ गयी है तो बताना ही पड़ेगा. महात्मा गांधी विश्वविद्यालय वर्धा की ओर से प्रकाशित वर्धा हिंदी शब्द कोश के अनुसार बारिश फारसी भाषा से आया संज्ञा स्त्री लिंग शब्द है, जिसका अर्थ है-वर्षा, बरसात, वृष्टि, बरखा, बादलों से निरंतर गिरनेवाली जल की बूंदें.पानी की फुहार, बौछार.दूसरी ओर मिलता जुलता शब्द है वारिस. वारिस अरबी भाषा से आया संज्ञा पुलिंग है. इसका अर्थ भी लगभग हर कोई जानता है. फिर भी चर्चा में उसका अर्थ बताना अपना पावन कर्तव्य है.तो वारिस का अर्थ वर्धा हिंदी शब्द कोश के अनुसार है-उत्तराधिकारी, हकदार, वह जिसे किसी की विरासत मिले. इसी शब्द से बना शब्द है लावारिस. लावारिस का अर्थ है-जिसका कोई वारिस या उत्तराधिकारी न हो, जिसकी देखभाल करनेवाला कोई न हो, अनाथ, जिसका कोई मालिक या दावेदार न हो. उलझन की बात यह है कि दोनों सुनने में लगभग एक जैसे लगते हैं, लेकिन वास्तव में एक जैसे होते नहीं हैं.

वादा तेरा वादा, वादे पे तेरे मारा गया!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

वादों के दो छोर होते हैं. एक छोर पर वे वादे होते हैं जो केवल करने के लिए किए जाते हैं. निभाए कभी नहीं जाते. वादों का दूसरा छोर वह होता है जो बिना कोई वादा किए ही बात निभा ले जाता है. शायद इसीलिए जो वादे किए जाते हैं उनपर लोगों का विश्वास धीरे धीरे उठाता जा रहा है. बात को सुलझाने के लिए पहले लोग संवाद की तलाश में रहते थे. संवाद की जगह अब वादे किए जाते हैं. निभ गए तो निभ गए नहीं तो सुभान-अल्लाह! वादे कई तरह के होते हैं. कुछ बाबाओं के वादे होते हैं जिनसे वे अपने भोले भाले भक्तों का शोषण करते हैं. कुछ वादे बाज़ार के होते हैं. किसी वस्तु को बेंचने के लिए उसकी उपयोगिता संबंधी अनेक प्रकार के वादे किए जाते हैं, ज़रूरी नहीं सब सही हों. लेकिन इन दोनों प्रकार के वादों को अब लोग समझने लगे हैं. आसानी से इनके चक्कर में नहीं आते. ये वादे जब पूरे नहीं होते तो, वादा-खिलाफी के विरुद्ध लोग उठ खड़े होते हैं. ऐसे में वादाखिलाफी करने वालों की खैर नहीं रह पाती. बाबाओं के झूठे दावों और भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ तो अब कानून भी बन गए हैं. लेकिन अभी तक नेताओं के झूठे वादों के खिलाफ कोई कानून नहीं बन पाया है सो हमारे नेता धड़ल्ले से से झूठे वादे करते रहते हैं, भोली जनता को बरगलाते रहते हैं और साफ़ बच जाते हैं. चुनावों के दौरान वादों की जुमलेबाजी बस देखते ही बनती है. कोई व्यक्ति/पार्टी चुनाव जीतने पर स्मार्ट फोन देने का वादा करता है तो कोई बेरोजगारों को कार देने की बात करता है. वे इतना भी नहीं सोचते कि बेरोजगार बेचारा कार लेकर उसका करेगा क्या? पैट्रोल के पैसे कहाँ से लाएगा? लेकिन वादा करने में भला क्या जाता है. वादा उठाया और कर मारा. भुगतने वाले भुगतें! एक उम्मीदवार नेता ने तो हद ही कर दी. उन्होंने वादा किया कि यदि चुनाव जीत गए तो वे मतदाताओं को उनके घरों में दस लीटर शुद्ध-ब्रांडी मुफ्त में बाटेंगे, भले ही आप पीते न हों. ऐसा नहीं है कि ये सभी वादे झूठे ही होते हों. कुछ वादे बेशक निभाए भी जाते है. चुनाव नज़दीक आते ही राजनैतिक दल जनता से ज्यादह से ज्यादह वोट पाने की होड़ में जुट जाते हैं. ऐसे समय में जनता को भरमाने के लिए नेताओं का बड़े बड़े वादे करना मामूली बात है. इन बड़े बड़े वादों से उनके भाषण सजे रहते हैं. वादे हैं वादों का क्या ! कोई वादा करता है कि गरीब परिवारों को सालाना सत्तर हज़ार रूपए समर्थन राशि के रूप में दिया जाएगा तो कोई किसानों के हित में बढ़-चढ़ कर वादा करता है. कोई राष्ट्रीय ग्रामीण योजना शुरू कर देने की बात कहता है. कोई अपनी सरकार बनाने के दस दिन के भीतर किसानों की क़र्ज़ माफी की बात करता है. वादों का यह सिलसिला बढ़ता ही चला जाता है. वादा करने में आखिर जाता ही क्या है! उठाया और झट से कर मारा! एक युग था जब सम्राट, राजा महाराजा अपने राज्य और प्रजा की रक्षा बाजुओं की ताकत से लड़कर करते थे और इस कर्तव्य और आदर्श के लिए अपने प्राण तक निछावर कर देते थे. तब तो वादों के लिए भी कहा जाता था – प्राण जाय पर वचन न जाई. लेकिन आज कल तो लड़ाई थोथे-वादों से लड़ी जाती है.

सावन विशेष

शिव लोक देवता हैं. लोक मंगल की वह उच्च मनोदशा के महादेव हैं, जो स्वयं अनेक कष्टों को सहकर भी दूसरों के कष्टों को मिटाने का हर सम्भव प्रयास करते हैं. जगत में शिव वही हो सकता है, जिसके अंदर लोकमंगल का भाव हो, जिसकी प्रवृत्ति में परोपकार हो और जिसका मन किसी की पीड़ा को देखकर पसीजता हो. शिवत्व का वही वाहक हो सकता है जो हर स्थिति में समाज के कल्याण की भावना रखता हो.

शिवत्व : लोक मंगल की उच्च मनोदशा

वन्दे शिवं शंकरम्

डॉ मयंक मुरारी

शिव होना सहज नहीं है. जब कोई पुरुषोत्तम स्वयं खुले आसमान के नीचे जीवन यापन कर रावण को सोने की लंका देता है और बाणासुर के लिए श्रीकृष्ण से युद्धरत हो जाता हो, वही शुभता का पदचिन्ह बनाता है. शिव श्रेष्ठ हैं क्योंकि वह सभी का सम्मान करते हैं, चाहे देव हो, या असुर, मानव हो या दानव, नाग हो या किन्नर और गंधर्व हो या निषाद. प्राणी मात्र से प्रेम और प्राणी मात्र का हित ही शिव बनने का एकमात्र मार्ग है.

भोलेदानी देते बांटने की सीख

संसार में हरेक कोई पाना ही चाहता है. लोक कल्याण एवं लोक मंगल के लिए बांटने के भाव से समाज में संस्कृति निर्माण करने की सीख भोलेदानी ही दे सकते हैं. भगवान शिव किसी से कुछ भी नहीं लेते हैं, जो प्रकृति में स्वाभाविक है, वही उनका भोग है. जल, फूल, पत्ता और फल पर ही खुश और तृप्त होना सामान्य बात नहीं है, यह परमपुरुष का गुण है. प्रत्येक वस्तु अथवा व्यक्ति को सम्मान देने की आदत के कारण ही सम्मान मिलता है या वह पूजित होता है. समाज के तिरस्कृतों, उपेक्षितों और परित्यक्तों के लिए हमारे दिल में कितना प्रेम है, उसके आधार पर ही हमारी उदारता का आकलन किया जाता है और ऐसा उदार व्यक्तित्व समाज में वंदनीय बन जाता है.

करुणा के वशीभूत

भगवान शिव की करुणा निराली है, भागीरथ के पुकार पर मां गंगा के अति तीव्र वेग को भी अपने मस्तक पर सह लेते हैं. माता गंगा की जलधाराओं को अपनी जटाओं में धारण करते हैं और लोक के मंगल और शुभता के लिए उसे मुक्त भी कर देते हैं. यह घटना बताती है कि करुणा के वशीभूत व्यक्ति सदैव लोकमंगल के लिए कार्य करता है. दूसरों के कल्याण की भावना से हम उस वस्तु का परित्याग भी कर देते हैं, जो सबसे प्रिय है. रामायण में मर्यादा पुरुषोत्तम का जीवन इसका एक आदर्श उदाहरण है जिनके आराध्य महादेव है. महादेव ऐसे हैं जिनके हृदय में लोक कल्याण हितैषी श्रीराम का वास होता है. कथा है कि जब माता पार्वती का चित्त बेचैन था और उनका मन व्याकुल रहता था, तब महादेव रामकथा के माध्यम से लोक को कर्म और चरित्र की शिक्षा देते हैं. शिव पूजनीय हैं, क्योंकि उनका अपना कुछ नहीं है. सब में उनका वास है और उनमें सबका वास है.

त्याग की महिमा

महादेव का जीवन देवताओं में अकिंचन का है जहां वेदना तो है ही मगर आनंद भी कम नहीं है. आज आदमी अपनी वेदनाओं से ही इतना ग्रस्त रहता है कि आनंद उसके लिए मात्र एक काल्पनिक वस्तु बनकर रह गया है. महादेव सीखाते हैं कि वेदना हमारे संग्रह की प्रवृत्ति में अंतर्निहित है. संग्रह से जीवन कभी भी मूल्यवान नहीं बन सकता. भगवान शिव इसलिए नहीं पूजे जाते कि उनके पास प्रचुर संसाधन है. अपितु इसलिए पूजे जाते हैं कि मांगने पर वह अपने भक्त रावण को खुद अपना आत्मस्वरूप लिंग भी प्रदान कर देते हैं. यह जगत में देने की अपूर्व घटना है. त्याग की महिमा हमें भगवान शिव से सीखनी चाहिए. स्वयं मां अन्नपूर्णा के स्वामी होने पर भी जो पकवान और मिष्ठान नहीं अपितु फल-फूल व पत्तों का रसपान कर अपना जीवन निर्वहन करते हैं. परहित एवं परोपकार भगवान शिव के जीवन का मूल है. भगवान शिव का त्याग हमें यह सन्देश देता है कि संग्रह आपको सुख साधन तो उपलब्ध करायेगा पर शांति अथवा प्रसन्नता कभी भी नहीं दे पायेगा. त्याग से भले ही बाहरी सुख ना मिले पर भीतर की प्रसन्नता अवश्य मिल जाती है.

डमरू, त्रिशूल,धतूरे की सीख

भगवान शिव के हाथों में त्रिशूल जिसमें डमरू बंधा हुआ है. त्रिशूल वेदना का तो डमरू आनंद का प्रतीक है. उनके जीवन में यहां धतूरे को स्थान है. यहां भांग और ओक जैसै दुर्गंध युक्त वस्तुओं को स्थान तो है ही, साथ में कालकूट विष को भी स्थान मिलता है. यहां सर्प जैसे जन्मजात जहरीले प्राणी को भी प्रेमपूर्ण वास मिलता है तो भूत प्रेतों को भी उसी प्रेम से साथ रखा जाता है. भूत और प्रेत को सम्मान देना यह सीखाता है कि समाज में सभी वंचित, परित्यक्त, हाशिये पर रहनेवाले लोगों एवं जीवों को भी पूरी समानता और उदारता के आकांक्षी है. जितना उनका परिवेश अद्भुत है, उतना ही उनका स्वरूप भी निराला है. जीवन को दिव्य बनाने के लिए और उसका दैवीय आरोहण के लिए शिवत्व का पथ ही एकमेव साध्य है. हमलोग को शिव की तरह दो चक्षु का उपयोग संसार के लिए करना चाहिए तो अपने अंतर्चक्षु का उपयोग आत्मसंसार के लिए करना चाहिए. जब तक हम अपने आंतरिक दृष्टि का परिमार्जन नहीं करेंगे, बाहरी जीवन में विवेक, बुद्धि और वैज्ञानिक चिंतन का विकास हमारे अंदर नहीं हो सकेगा. हमारे जीवन के लिए क्या सही है, इसका निर्धारण हमारे अंतर्चक्षु ही करते हैं.

वृषभ और भस्म का संदेश

भारतीय परंपरा में वृषभ को धर्म का स्वरूप बताया जाता है. शरीर पर भस्म धारण कर जीवन का अमिट सत्य बताने वाले भोलेनाथ का वाहन वृषभ है. धर्म को धारण करनेवाले महादेव सदैव धर्म की ही सवारी करते हैं और जगत में सभी चीजों एवं वस्तुओं की उपयोगिता बताते हैं. वृषभ और भस्म के माध्यम से महादेव सांसारिक जीवन का अद्भुत संदेश संप्रेषित करते हैं. हमारा पद, पैसा, पहचान और प्रतिष्ठा सबकुछ नश्वर है. कुछ भी अमिट नहीं है. इसलिए, धर्म की सवारी करनी चाहिए. धर्म की सवारी से जब पंचभूत का शरीर भस्म बनेगा, तब भी हमारी यश और कीर्ति का नाश नहीं होगा. चाहे जितना भाग ले, परंतु जीवन में सात्विक गति ही स्वाभाविक है. यह अगर हम समय रहते सीख जाएं तो ठीक है, अन्यथा प्रकृति उम्र के विभिन्न पड़ावों पर इसे सीखा देती है. यही कारण है कि हमारी ऊर्जा का कब, कैसे, किसके लिए और कहां उपयोग करना है, यह धर्म बताता है. इसके अभाव में अज्ञानी मद में चूर होता है और ज्ञानी व्यक्ति अनासक्त भाव से कर्म करता है और उसके बंधन से भी बचा रहता शिव बंधनरहित है, क्योंकि कुछ भी वे संग्रह नहीं करते हैं और न ही उसकी इच्छा रखते हैं.

परिवार का प्रेम

सांसारिक जीवन में एक समय के बाद हम शांति एवं ठहराव खोजते हैं. ऐसी शांति जो विषम परिस्थिति में भी हमको भटकने नहीं दे. योगी बनने के लिए घर, परिवार और संसार छोड़न की जरूरत नहीं है. जगत के महायोगी केवल शिव हैं, जो खुद पारिवारिक जीवन जीते हैं. जहां मां पार्वती का वाहन शेर है और शिवजी का नंदी है. शेर का भोजन है वृषभ, लेकिन यहां कोई वैर नहीं है. कार्तिकेय का वाहन मोर है और शिवजी के गले में सर्प है. मोर और सर्प भी जन्म जात शत्रु हैं लेकिन यहां ये सब साथ ही रहते हैं. शिवजी का वाहन चूहा है और चूहा सर्प का भोजन है. एक संपूर्ण परिवार जहां सब विषय से दूर है, इसलिए उनका जीवन पूर्ण है. इस परिवार में सब शांति और सदभाव, बिना कलह के जीवन जीते हैं.

ऐसे कोई बनता महादेव

आज के युग में सभी को अमरता चाहिए. लेकिन इस जगत में व्याप्त विष को कौन धारण करेगा? बिना विष के कोई मृत्युंजय कैसे बन सकता है. इसलिए केवल महादेव मृत्युंजय हैं. विष को जो धारण करता है, उसके समीप विषय का आगमन हो भी नहीं सकता है. वह विषमता को दूर करते हैं. उनके चित्त में राम हैं. जहां राम हैं, वह निष्काम है. शिव अपने इस स्वभाव के कारण ही सहज एवं भोलेनाथ बन जाते हैं. जीवन में खुद श्रेष्ठ होना सब चाहता है. शिखर पर कुछ पहुंच भी जाते हैं. लेकिन महान वह है जो दूसरे को श्रेष्ठ बनाए. शिखर का पथ दूसरों को दिखाए. शिव देवाधिदेव क्यों हैं? इसलिए क्योंकि उन्होंने सभी को पूज्य बना दिया. शिव के आश्रय में चंद्रमा अपनी सारी कमियों के बावजूद उनके मस्तष्क पर विराजते हैं, माता गंगा को वह अपनी जटाओं पर धारण करते हैं और गले में सर्प को धारण करते हैं. इतना ही नहीं गणपति गणेश अग्रदेव, कार्तिकेय देवताओं के सेनापति और खुद इस सृष्टि की धारण शक्ति है. महादेव बनना सरल है यदि हम स्वाभाविक हैं. यदि हम अकिंचन हैं. हर स्थिति और परिस्थिति के लिए राजी हैं. मन, चित्त और बुद्धि में इसको लेकर कोई तरंग नहीं उठता हो.

चल रे कांवरिया शिव के धाम

डॉ हरेन्द्र सिन्हा

हिन्दू धर्म की पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सावन महीने को देवों के देव महादेव भगवान शंकर का महीना माना जाता है. कहते हैं कि भगवान शिव को सावन माह अत्यंत प्रिय है और इसी कारण से सावन माह को भारतीय जनमानस में श्रद्धापूर्ण एवं आनंदमय माना जाता है. भगवान शिव की आराधना फाल्गुन की महाशिवरात्रि को भी किया जाता है और दोनों अवसरों पर शिव के भक्त अपने आराध्य देव के लिए, आमतौर से कांवर में गंगाजल लेकर, पदयात्रा कर निर्धारित शिवलिंग पर जाकर जलाभिषेक करते हैं. कांवर यात्रा का नाम कांवर के नाम पर रखा गया है, जो आमतौर पर बांस से बना एक एकल खंभा होता है जिसमें दो टोकरियों में मोटे तौर पर बराबर भार विपरीत सिरों से बांधे या लटकाए जाते हैं. कांवर को एक या दोनों कंधों पर डंडे के बीच के हिस्से को संतुलित करके ले जाया जाता है. कांवर मूल रूप से संस्कृत का शब्द है.

- **इसलिए प्रिय सावन मास**

यह भी मान्यता है कि माता पार्वती ने सावन माह में भगवान शिव को पति परमेश्वर के रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी और तपस्या सफल होने पर उनसे विवाह किया था. यही कारण है कि शिवजी को सावन मास अत्यधिक प्रिय है. भगवान शिव को सावन का महीना प्रिय होने के अन्य कारण भी हैं कि भगवान शिव सावन के महीने में पृथ्वी पर अवतरित होकर अपनी ससुराल गए थे और वहां उनका स्वागत अर्घ्य और जलाभिषेक से किया गया था. माना जाता है कि प्रत्येक वर्ष सावन माह में भगवान शिव अपनी ससुराल आते हैं. भू-लोक वासियों के लिए शिव कृपा पाने का यह उत्तम समय होता है.

- **महत्वपूर्ण है जल अर्पण**

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक अन्य मान्यता यह भी है कि सावन माह में ही भोलेनाथ ने समुद्र मंथन से निकले हलाहल को अपने कंठ में समाहित कर के संपूर्ण सृष्टि की रक्षा की थी. विषपान के कारण उनका कंठ नीलवर्ण हो गया और उन्हें नीलकंठ संज्ञा की प्राप्ति हुई. इस विष के प्रभाव को कम करने के लिए सभी देवी देवताओं ने उन्हें जल अर्पित किया, जिस कारण से सावन में शिवलिंग पर जल अर्पित करने का अत्यधिक महत्व है.

चार तरह की कांवर यात्रा

(क) सामान्य कांवर : गंगा नदी से जल उठाने के पश्चात् शिवलिंग तक पहुंचने के दौरान यात्री जहां चाहे रुककर आराम कर सकते हैं. लेकिन उन्हें एक ख़ास बात का ध्यान रखना होता है. आराम करने के दौरान कांवर जमीन से नहीं छूनी चाहिए. इस दौरान कांवर स्टैंड पर रखी जाती है.

(ख) डाक कांवर : यात्री जल लेने के बाद शुरुआत से शिव के जलाभिषेक तक बग़ैर रुके लगातार चलते रहते हैं. वहीं इस दौरान शरीर से उत्सर्जन की क्रियाएं भी वर्जित होती हैं.

(ग) खड़ी कांवर : भक्त खड़ी कांवर लेकर चलते हैं. उनकी मदद के लिए कोई–न–कोई सहयोगी उनके साथ चलता रहता है.

(घ) दांडी कांवर : भक्त नदी तट से शिवधाम तक की यात्रा दंडवत होकर पूरी करते हैं. यह बेहद मुश्किल यात्रा होती है, जिसमें कई दिन और कभी–कभी एक माह का समय भी लग जाता है. दक्षिण भारत में मुरुगन स्वामी की पूजा के लिए भी लगभग इसी प्रकार के कार्यकलापों का आयोजन होता है, जो जनवरी माह के आसपास होता है.

- **रावण ने की थी कांवर यात्रा**

जहां तक कांवर यात्रा के मूल का प्रश्न है, इस संबंध में विद्वान कहते हैं कि सबसे पहली कांवर यात्रा शिव के सच्चे भक्त रावण द्वारा की गई थी. वह कांवर में गंगाजल लेकर आया और उसी जल से उसने शिवलिंग का अभिषेक किया और तब जाकर भगवान शिव को इस विष से मुक्ति मिली.

- **श्रवण कुमार की कांवर यात्रा**

कुछ विद्वानों का कहना है कि सर्वप्रथम त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने पहली बार कांवर यात्रा की थी. माता-पिता को तीर्थ यात्रा कराने के क्रम में श्रवण कुमार हिमाचल के ऊना क्षेत्र में थे जहां उनके अंधे माता-पिता ने उनसे मायापुरी यानि हरिद्वार में गंगा स्नान करने की इच्छा प्रकट की. माता-पिता की इस इच्छा को पूरी करने के लिए श्रवण कुमार अपने माता-पिता को कांवर में बैठा कर हरिद्वार लाए और उन्हें गंगा स्नान कराया. वापसी में वे अपने साथ गंगाजल भी ले गए. इसे ही कांवर यात्रा की शुरुआत माना जाता है. कुछ विद्वान भगवान श्री राम को भी कांवर यात्रा शुरू करने का श्रेय देते हैं. भगवान शिव की भक्ति में रमे भक्त सावन के माह में कांवर यात्रा करते हैं और झारखंड में मुख्यतः देवघर के अलावा, हरिद्वार, ऋषिकेश, नीलकंठ आदि अन्य राज्यों के दर्शनीय धार्मिक स्थलों पर जाकर भगवान शिव शंकर की स्तुति करते हैं.

- **देवघर में कांवरिए**

सावन मास में देवघर में कांवर लेकर पूरी दुनिया से लोग आते हैं और इस अवसर पर पूरे एक महीने देवघर में तिल धरने की जगह भी नहीं बचती है. कांवर यात्रा सावन के बाद भी कई-कई दिनों तक चलती है, जिसमें कांवरिए बांस की टोकरी से बने कांवर को कंधे पर रखकर और उसमें गंगा जल लेकर भगवान शिव को अर्पित करने जाते हैं.

झारखंड में सबसे महत्वपूर्ण शिव मंदिर देवघर में अवस्थित है, जिसे बाबा धाम या वैद्यनाथ धाम भी कहते हैं. देवघर को पूरे भारतवर्ष के 12 शक्तिपीठों में से एक जागृत शक्तिपीठ भी माना गया है. इसके अतिरिक्त भी झारखंड के कई अन्य शिव मंदिरों में भक्तगण जलाभिषेक करने जाते हैं.

देवघर में जलाभिषेक करने के लिए जो कांवरिए आते हैं, वो सबसे पहले सुल्तानगंज, बिहार में अजगैबी नाथ मंदिर के समीप से उत्तर वाहिनी गंगा का जल अपने कांवर में लेते हैं और उसे लेकर लगभग 105 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित देवघर पैदल यात्रा करके पहुंचते हैं. यहां जलाभिषेक पूर्ण करने के बाद ये कांवरिए समीप में ही स्थित बासुकीनाथ मंदिर (ज़िला : संताल परगना) भी जाकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं. इस यात्रा के दौरान जो भी स्त्री पुरुष आते हैं वो आपस में एक दूसरे को मौलिक नाम से नहीं संबोधित करते बल्कि भोला, भोली या बम कह कर पुकारते हैं और रास्ते भर बोल बम का मंत्र उच्चारण भी होता ही रहता है. बोल बम में बम शब्द ब्रह्मा, विष्णु, महेश एवं ओमकार का प्रतीक माना गया है. बोलबम सिद्ध मंत्र है, इसे बोलने से श्रद्धालु के शरीर में एक नई ऊर्जा का संचार होता है. इससे भक्त को अदृश्य शक्तियां मिलती हैं. शिवपुराण में उल्लेख है कि भगवान शिव स्वयं ही जल हैं. इसीलिए जल से उनके अभिषेक के रूप में आराधना का उत्तमोत्तम फल प्राप्त होती है.

- **कांवरियों के नियम-परंपरा**

कांवरियों को कुछ नियमों और परंपराओं का पालन करना पड़ता है. नियमों का पालन न करने पर उनकी यात्रा अधूरी या निष्फल मानी जाती है. श्रावण मास के दौरान उन्हें एक ऋषि की तरह रहना होता है. उन्हें नंगे पैर चलना पड़ता है. यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार का मांसाहार वर्जित है. इसके अलावा कोई भी व्यक्ति ईर्ष्या, द्वेष, झगड़ा आदि नहीं कर सकता या ऐसी भाषा में बात नहीं कर सकता, जो सही न हो. कांवरिए बिस्तर, सोफा और अन्य फर्नीचरों पर बैठने से भी गुरेज करते हैं.

शिव अराधना और जलाभिषेक के दौरान ध्यान रहे ये बातें

आचार्य अजय मिश्रा

भक्त सावन के पावन मास में शिव अराधना में लीन हैं. कहा जाता है यथा शक्ति तथा भक्ति. लेकिन पूजा पाठ के दौरान कुछ खास बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए. आइए शिव अराधना से जुड़ी ऐसी ही कुछ खास बातों/नियमों की करें चर्चा-

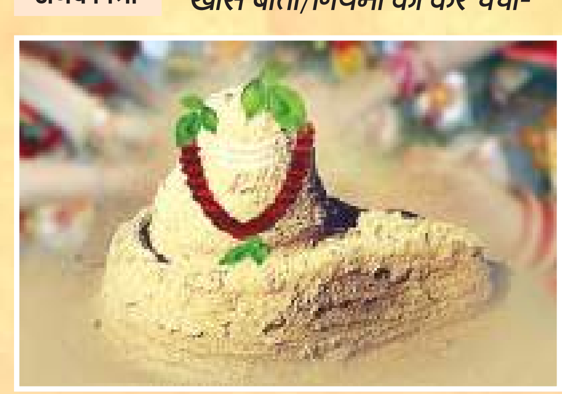

जलाभिषेक के समय रखें ध्यान

पूजा के दौरान अभिषेक के लिए हमेशा गंगाजल, साफ पानी या फिर गाय के दूध का ही इस्तेमाल करें. जलाभिषेक के समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए. कभी सीधे खड़े होकर जलाभिषेक नहीं करें. बैठकर या झुककर ही शिवलिंग का जलाभिषेक करें. जलाभिषेक करते समय इस बात का ध्यान रखें कि जलधारा पतली और धीमी गति से शिवलिंग पर गिरे.

जब चढ़ाएं बेलपत्र

बेलपत्र 3 पत्तों वाला और साबुत होना चाहिए. बेलपत्र को हमेशा चिकने सतह की ओर से शिवलिंग पर चढ़ाएं. ध्यान रखें कि शिवलिंग पर भूल से भी तुलसी, सिंदूर, हल्दी, नारियल, शंख और केतकी के फूल आदि नहीं चढ़ाने चाहिए.

परिक्रमा के दौरान ध्यान रखें ये बात

शिवलिंग की पूजा के दौरान कभी भी शिवलिंग की पूरी परिक्रमा नहीं करें. शिवलिंग के बाईं ओर से परिक्रमा शुरू करें और अर्धचंद्राकार में चक्कर लगाने के बाद वापस अपने स्थान पर आ जाएं. शिवलिंग के जलहरी (अभिषेक के दौरान जहां से जल नीचे की तरफ गिरती है) को कभी भी लांघना नहीं चाहिए.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ओलंपिक आंदोलन में विशिष्ट योगदान के लिए मिला सम्मान

ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित हुए अभिनव बिंद्रा

भाषा। पेरिस

भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनके विशिष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया गया. बीजिंग 2008 ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल करके भारत के पहले ओलंपिक व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता बने बिंद्रा को शनिवार को यहां अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 142वें सत्र के दौरान यह सम्मान प्रदान किया गया. बिंद्रा ने कहा, जब मैं छोटा था तो ये ओलंपिक रिंग्स ही थे, जिन्होंने मेरे जीवन को अर्थ दिया. उन्होंने कहा, और दो दशक से अधिक समय तक अपने ओलंपिक सपने को पूरा करने में सक्षम होना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी. खिलाड़ी के तौर पर अपने करियर के बाद, ओलंपिक आंदोलन में योगदान देने की कोशिश करना मेरे लिए बहुत बड़ा जुनून रहा है. यह मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है. आईओसी खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष 41 वर्षीय बिंद्रा ने कहा कि यह पुरस्कार उन्हें और भी अधिक मेहनत करने और ओलंपिक आंदोलन में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा.

वर्ष 1975 में स्थापित ओलंपिक ऑर्डर ओलंपिक आंदोलन का सर्वोच्च पुरस्कार है. यह ओलंपिक आंदोलन में विशिष्ट योगदान के लिए दिया जाता है. बिंद्रा ने सिडनी 2000 से पांच ओलंपिक में हिस्सा लिया. उन्होंने पहली बार एथेंस 2004 में अपनी छाप छोड़ी जब उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में जगह बनाई. बीजिंग 2008 में उन्होंने चीन के गत चैंपियन झू किनान को हराकर स्वर्ण पदक जीता. उन्होंने रियो 2016 में भी फाइनल में जगह बनाई, लेकिन चौथे स्थान पर रहे. बिंद्रा 2018 से आईओसी खिलाड़ी आयोग का हिस्सा हैं.

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. चीन	40	27	24	91
2. अमेरिका	38	44	42	124
3. जापान	20	12	13	45
4. ऑस्ट्रेलिया	18	19	16	53
5. फ्रांस	16	25	22	63
6. नीदरलैंड	15	7	12	34
7. ब्रिटेन	14	22	29	65
8. द. कोरिया	13	9	10	32
9. इटली	12	13	15	40
10. जर्मनी	12	12	8	32
74. भारत	0	1	5	6

ब्रीफ खबरें

भारत में प्रतिस्पर्धा मेरा सपनाः नीरज

नयी दिल्ली। स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को उम्मीद है कि पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद वह जल्द ही भारत में अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे. नीरज ने पेरिस में 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता जबकि पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर तक भाला फेंककर ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया. ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 88.54 मीटर के थ्रो से तीसरे स्थान पर रहे. स्पर्धा में जूलियन वेबर, याकूब वाडलेच और जूलियस येगो जैसे कुछ शीर्ष खिलाड़ी भी प्रतिस्पर्धा कर रहे थे. नीरज ने 'ओलंपिक.कॉम' द्वारा प्रशंसकों के साथ आयोजित एक बातचीत सत्र के दौरान कहा, भारत में अन्य अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ प्रतिस्पर्धा करना मेरा सपना है. उम्मीद है कि भारत में जल्द ही एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता होगी और मैं ऐसा कर पाऊंगा. टोक्यो में स्वर्ण के बाद पेरिस में रजत पदक के साथ लगातार दूसरा ओलंपिक पदक जीतने वाले नीरज ने कहा कि वह अपने खेल के कुछ क्षेत्रों पर काम करना चाहते हैं.

पेरिस ओलंपिक : टेबल टेनिस में चीन की महिला टीम को गोल्ड

चीन ने 300वां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी। पेरिस

चीन ने शनिवार को पेरिस खेलों में टेबल टेनिस का महिला टीम स्पर्धा का खिताब जीतकर ओलंपिक इतिहास में देश का 300वां स्वर्ण पदक जीता. चीन ने महिला टीम स्पर्धा के फाइनल में जापान को 3-0 से हराकर लगातार पांचवां स्वर्ण पदक जीता. इससे पहले शुक्रवार को पुरुष टीम ने यह उपलब्धि हासिल की थी. दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी सुन यिंगशा ने कहा, हमारे में से प्रत्येक ने आज अपना सब कुछ झोंक दिया और सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया. दक्षिण कोरिया ने जर्मनी पर 3-0 की जीत के साथ कांस्य पदक जीता जो 2008 में बीजिंग खेलों के बाद टीम स्पर्धा में उसका पहला पदक है. टेबल टेनिस में चीन प्रमुख शक्ति है जिसने पेरिस में पांचों ओलंपिक स्वर्ण पदक जीते. चीन ने 1988 में सियोल ओलंपिक में टेबल टेनिस को शामिल किए जाने के बाद से इस खेल में दिए गए 42 स्वर्ण पदक में से 37 जीते हैं.

मुक्केबाज लिन यू-टिंग ने स्वर्ण पदक जीता

पेरिस। ताइवान की लिन यू-टिंग ने पूरे पेरिस ओलंपिक मुक्केबाजी टूर्नामेंट के दौरान संयमित और शांत रहने की लड़ाई लड़ी और इन खेलों का अंत स्वर्ण पदक के साथ किया. वह तब भी संयमित रहीं जब ऐसा लग रहा था कि दुनिया के अधिकांश लोग उन्हें बदनाम कर रहे हैं, उन्हें गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं और उनके अस्तित्व की प्रकृति पर ही सवाल उठा रहे हैं. यू-टिंग ने फाइनल में पोलैंड की जूलिया सेरेमेटा को 5-0 से हराकर अपने देश के लिए पहला ओलंपिक मुक्केबाजी स्वर्ण पदक जीता. इस फ्लाईवेट मुक्केबाज ने अपना सोशल मीडिया बंद कर दिया, अपनी ट्रेनिंग जारी रखी और एक के बाद एक शानदार जीत हासिल करने पर ध्यान केंद्रित किया. लेकिन जब उन्होंने पोडियम पर अपने गले में स्वर्ण पदक के साथ खड़े होकर ताइवान का राष्ट्रगान सुना तो यू-टिंग भावुक हो गईं. यू-टिंग ने शनिवार रात अपने भार वर्ग में वर्चस्व स्थापित किया. एक दिन पहले इमान खेलीफ के बाद उन्होंने भी रिंग के अंदर और दुनिया भर में उनके नारीत्व के बारे में गलत धारणाओं का शानदार जवाब दिया.

सिफान हसन ने जीती पेरिस ओलंपिक की महिला मैराथन

पेरिस। सिफान हसन ने रविवार को यहां पेरिस खेलों में ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ महिला वर्ग की मैराथन रेस जीत ली. उन्होंने दो घंटे, 22 मिनट और 55 सेकेंड का समय निकालकर ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया और टिग्स्ट असेफा को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया. यह सिफान हसन का पेरिस ओलंपिक में तीसरा पदक है. उन्होंने 5,000 और 10,000 मीटर का भी कांस्य पदक जीता है. असेफा को रजत और कीनिया की हेलेन ओबिरी ने कांस्य पदक अपने नाम किया. सिफान हसन इस तरह छह ओलंपिक पदक जीत चुकी हैं. उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में 5,000 मीटर और 10,000 मीटर रेस जीती थी जबकि 1500 मीटर में तीसरे स्थान पर रही थीं.

कोच की जान बचाए जाने के बाद मुक्केबाजी रिंग में उज्बेकिस्तान का दबदबा

पेरिस। उज्बेकिस्तान के प्रिय मुख्य मुक्केबाजी कोच तुलकिन किलिचेव को पेरिस ओलंपिक में अपनी टीम के पहले स्वर्ण पदक का जश्न मनाने के बाद ब्रिटेन के ट्रेनिंग स्टाफ के दो सदस्यों ने दिल का दौरा पड़ने से बचाया. देश के मुक्केबाजों ने इसकी पुष्टि की. उज्बेकिस्तान की टीम ने पेरिस खेलों में पांच स्वर्ण पदक जीते जो 20 वर्षों में किसी भी ओलंपिक टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. इस तरह किलिचेव के मुक्केबाजों ने अपने कोच को जश्न मनाने का मौका दिया, जो पेरिस के एक अस्पताल में भर्ती हैं. बखोदिर जलोलोव ने अपना दूसरा सुपर हैवीवेट स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, (किलिचेव) वास्तव में एक कोच या पिता से कहीं अधिक हैं. उन्होंने कहा, उन्होंने हमें पाला है. उन्होंने हमें शिक्षित किया है. उन्होंने हम तक खेल भावना पहुंचाई है. वह हमेशा मेरे दिल में रहे हैं और कल हम उनसे अस्पताल में मिलने जाएंगे. फ्लाईवेट वर्ग में हसनबाय दुसमातोव के गुरुवार को उज्बेकिस्तान का पहला स्वर्ण पदक जीतने के बाद किलिचेव बीमार पड़ गए. ग्रेट ब्रिटेन मुक्केबाजी के अनुसार टीम के डॉक्टर हरज सिंह और फिजियोथेरेपिस्ट रॉबी लिलीस ने किलिचेव को जानलेवा संकट में पाया. उन्होंने कोच को सीपीआर दिया और लिलीस ने डिफाइब्रिलेटर (हृदय गति सामान्य करने के लिए इस्तेमाल होने वाली मशीन) का भी इस्तेमाल किया.

अमृतसर में भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत

भाषा। चंडीगढ़

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के सदस्यों का रविवार को अमृतसर हवाई अड्डे पर परिवार के सदस्यों और उत्साही प्रशंसकों ने ढोल बजाकर जश्न मनाते हुए जोरदार स्वागत किया. पेरिस खेलों में स्पेन को 2-1 से हराकर भारत ने ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीता. खिलाड़ियों के विमान से उतरने के तुरंत बाद परिवार के सदस्यों ने उनका फूल-माला पहनाकर स्वागत किया और गर्मजोशी से गले मिले. इसके बाद मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल और कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला जैसे राज्य के राजनेताओं ने खिलाड़ियों को बधाई दी. भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह स्वागत से अभिभूत थे और उन्होंने भविष्य में अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की उम्मीद जताई. अमृतसर के तिम्मोवाल गांव के रहने वाले हरमनप्रीत ने कहा, हम भविष्य में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे, ताकि इस खेल को और अधिक प्यार मिले. इस 28 वर्षीय खिलाड़ी को प्यार से 'सरपंच' कहा जाता है. हरमनप्रीत ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें इस भारतीय टीम का नेतृत्व करने का मौका मिला. उन्होंने समाज को एक व्यापक संदेश में युवाओं से खेल को अपनाने, अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और नशीली दवाओं से दूर रहने का आग्रह किया.

हरमनप्रीत के साथ राज्य के अन्य खिलाड़ी जैसे मनदीप सिंह, मनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, शमशेर सिंह, गुरजंत सिंह और हार्दिक सिंह भी पहुंचे. बाद में खिलाड़ी प्रार्थना करने के लिए स्वर्ण मंदिर गए.

पाकिस्तान वापसी पर नदीम का भव्य स्वागत

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अरशद नदीम का स्वदेश वापसी पर प्रशंसकों ने जोरदार स्वागत किया और वह अपने परिवार से मुलाकात के दौरान काफी भावुक नजर आए. नदीम जब यहां पहुंचे तो उनका स्वागत वाटर कैनन सैल्यूट से किया गया. यह एक राष्ट्रीय नायक का स्वागत था क्योंकि हजारों प्रशंसक नदीम की एक झलक पाने के लिए बेताब थे और धक्का-मुक्की के बीच उनके नाम के नारे लगा रहे थे. नदीम ने पेरिस खेलों की भाला फेंक स्पर्धा में 92.97 मीटर की दूरी तय करके स्वर्ण पदक जीता था. यहां पहुंचने पर नदीम ने अपनी मां, पिता और बड़े भाई को गले लगाया. अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लाउंज के अंदर एक भावनात्मक पुनर्मिलन के दौरान उनके परिवार उन्हें माला पहनाई. बाद में उन्होंने अपने परिवार के अन्य सदस्यों और कुछ ग्रामीणों से भी मुलाकात की जो पंजाब प्रांत के ग्रामीण खानेवाल क्षेत्र में उनके गृह नगर मियां चन्नू से आए थे. जैसे ही नदीम और उनका परिवार टर्मिनल के निकास द्वार पर पहुंचा तो जो तख्तियां और पोस्टर लिए हुए लोग उन्हें माला पहनाने के लिए दौड़ पड़े और उन्हें अपने कंधों पर उठाने की कोशिश करने लगे. भीड़ के कारण सुरक्षा अधिकारियों को उन्हें वापस लाउंज में ले जाना पड़ा. प्रशंसक स्थानीय समयानुसार रात नौ बजे से ही हवाई अड्डे के आगमन टर्मिनल के पास इंतजार कर रहे थे। हालांकि उनकी उड़ान इस्तांबुल से सुबह एक बजकर 29 मिनट के आसपास उतरने वाली थी.

सेंट लुई रेपिड टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की प्रज्ञानानंदा को उम्मीद

भाषा। सेंट लुई (अमेरिका)

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा यहां शुरू हो रहे सेंट लुई रेपिड व ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में एक बार फिर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से भिड़ेंगे. हाल के टूर्नामेंट में प्रदर्शन में थोड़ी गिरावट के बावजूद प्रज्ञानानंदा ग्रैंड शतरंज टूर की अंतिम तालिका में पोडियम पर जगह बनाना चाहेंगे. इससे उन्हें बोनस नकद पुरस्कार राशि भी मिलेगी. अब तक के समग्र टूर परिणामों में तीसरे स्थान पर चल रहे प्रज्ञानानंदा के पास अपनी स्थिति सुधारने के लिए लगातार दो टूर्नामेंट हैं. वह रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट के तुरंत बाद वह सिंकफील्ड कप में हिस्सा लेंगे, जहां उनके साथ हमवतन और विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश भी चुनौती पेश करेंगे. रोमानिया के बुखारेस्ट और क्रोएशिया के जाग्रेब में दो लगातार जीत के साथ पिछले साल के टूर विजेता अमेरिका के फैबियानो करुआना 22.25 अंक के साथ शीर्ष पर हैं. फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा 17.58 अंक के साथ दूसरे जबकि प्रज्ञानानंदा 16.25 अंक के साथ तीसरे पायदान पर हैं. गुकेश भी उनसे बहुत पीछे नहीं हैं। वह 14.25 अंक जुटाकर चौथे स्थान पर हैं.

ताहिला मैकग्रा के अर्धशतक से जीती टीम

ऑस्ट्रेलिया 'ए' ने भारत 'ए' को 7 विकेट से हराया

भाषा। ब्रिसबेन

ताहिला मैकग्रा की नाबाद अर्धशतकीय पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया महिला 'ए' टीम ने रविवार को यहां तीसरे और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में भारत 'ए' को सात विकेट से हराकर श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया. ऑस्ट्रेलिया ने पहले दो मैच क्रमशः पांच रन और आठ विकेट से जीते थे. भारत के 121 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने ताहिला की 22 गेंद में आठ चौकों और दो छक्कों से नाबाद 51 रन की पारी के बदौलत सिर्फ 13.5 ओवर में तीन विकेट पर 121 रन बनाकर जीत दर्ज की. ताहिला ने तेज गेंदबाज शबनम शकील की गेंदों पर लगातार तीन चौके लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई. ताहिला ने चार्ली नॉट (19) के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 रन भी जोड़े. सलामी बल्लेबाज ताहिला विल्सन (39 रन, 26 गेंद, पांच चौके, एक छक्का) ने भी उपयोगी पारी खेली. इससे पहले किरण नवगिरे (38, 20 गेंद, छह चौके, एक छक्का) ही टिककर बल्लेबाजी कर पाईं जिससे भारत 'ए' आठ विकेट पर 120 रन ही बना सका. कप्तान मीनू मनि ने 22 रन का योगदान दिया. भारत ने 47 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे, जिससे टीम उबरने में नाकाम रही. किरण और मीनू ने छठे विकेट के लिए 57 रन जोड़कर टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया. ऑस्ट्रेलिया की ओर से निकोला हैंकॉक, ग्रेस पार्सन्स और मैटलन ब्राउन ने दो-दो विकेट लिए. भारत 'ए' 22 अगस्त से एकमात्र अनौपचारिक टेस्ट से पहले मेजबान टीम के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला खेलेगा.

साक्षात्कार | गोलकीपर के रूप में मेरा विकल्प खोजने के लिए प्रतिभा मौजूद

नहीं पता कि मैं हॉकी के अलावा क्या करूंगाः श्रीजेश

भाषा। पेरिस

लगभग दो दशक तक भारतीय गोल पोस्ट के सामने दीवार की तरह खड़े रहने के बाद दूसरे ओलंपिक कांस्य पदक के साथ हाल ही में संन्यास लेने वाले गोलकीपर पीआर श्रीजेश का मानना है कि भारतीय हॉकी में उनका उपयुक्त विकल्प खोजने के लिए काफी प्रतिभा मौजूद है. पेरिस ओलंपिक में 36 वर्षीय श्रीजेश ने शानदार प्रदर्शन किया और कांस्य पदक के मैच में भारत की स्पेन के खिलाफ 2-1 की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. यहां इंडिया हाउस में पीटीआई को दिए साक्षात्कार में दिग्गज गोलकीपर श्रीजेश ने कहा, कोई खालीपन नहीं होगा. मेरी जगह कोई और आएगा. सभी खेलों में ऐसा ही होता है. सचिन तेंदुलकर थे और अब विराट कोहली हैं और कल कोई और उनकी जगह लेगा. इसलिए श्रीजेश कल थे लेकिन कल कोई और आएगा और उनकी जगह लेगा. श्रीजेश को भारतीय जूनियर टीम में मार्गदर्शक (मेंटर) की भूमिका निभाने का प्रस्ताव दिया गया है. उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में उनका जीवन हॉकी के इर्द-गिर्द घूमता रहा है और अब जब वह संन्यास ले चुके हैं तो उन्हें नहीं पता कि वे क्या करेंगे.

उन्होंने कहा, यह जीवन की कमी खलना जैसे है. मैं हॉकी के अलावा कुछ नहीं जानता. 2002 में जब मैं पहले दिन शिविर में गया था, तब से लेकर अब तक मैं उनके साथ रहा हूं.

श्रीजेश ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुझे किन चीजों की कमी खलेगी, शायद जब मैं घर पहुंचू तो मुझे पता चले. सुबह से ही मैं उनके साथ बाहर रहता हूं - ट्रेनिंग, जिम, मैदान पर - हमेशा एक मजेदार माहौल होता है. उत्साहवर्धक बातचीत, टीम बैठक, आपको उन पर चिल्लाना पड़ता है, यहां तक कि उन्हें बुरा-भला भी कहना पड़ता है. जीत के बाद जश्न मनाना या हार के बाद साथ में रोना, यह मेरी जिंदगी रही है. शायद हम नहीं जानते कि इससे बाहर रहना कैसा होता है. भारत ने यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अंतिम आठ के मुकाबले में किया जब टीम ने दूसरे क्वार्टर में 10 खिलाड़ियों तक सिमट जाने के बावजूद ब्रिटेन को पेनल्टी में 4-2 से हराया. हालांकि टीम सेमीफाइनल में विश्व चैंपियन और अंततः रजत पदक जीतने वाले जर्मनी से 2-3 से हार गई और उसे कांस्य पदक के लिए खेलना पड़ा.

श्रीजेश ने कहा, हां, सेमीफाइनल में जर्मनी से हारना थोड़ा निराशाजनक था, लेकिन हम कम से कम पदक लेकर लौट रहे हैं, जो बड़ी बात है. श्रीजेश ने कहा कि हॉकी इंडिया द्वारा जूनियर राष्ट्रीय कोच की नौकरी की पेशकश करने से पहले वह अपने परिवार से बात करेंगे. हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा है कि श्रीजेश जूनियर इंडिया टीम के कोच बनने के लिए तैयार हैं. मुझे अभी प्रस्ताव मिला है। मैंने भोला सर से बात की है. अब बस घर वापस जाने, अपने परिवार से बात करने और कोई फैसला लेने का समय आ गया है.

रूबलेव शीर्ष वरीय सिनर को हराकर सेमीफाइनल में

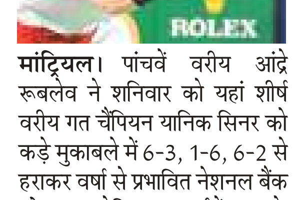

मांट्रियल। पांचवें वरीय आंद्रे रूबलेव ने शनिवार को यहां शीर्ष वरीय गत चैंपियन यानिक सिनर को कड़े मुकाबले में 6-3, 1-6, 6-2 से हराकर वर्षा से प्रभावित नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. रूबलेव ने इससे पहले शनिवार को ही ब्रेंडन नाकाशिमा को 6-2, 6-2 से हराया था, जबकि सिनर ने एलेजांद्रो तेबिलो को 6-4, 6-3 से शिकस्त दी थी. उष्णकटिबंधीय तूफान डेबी के कारण हुई बारिश से गुरुवार रात और शुक्रवार को मैच नहीं खेले जा सके थे और इन्हें शनिवार को खेला गया.

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर 154 रन की बढ़त बनाई

एजेंसी। पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद)

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को यहां पहले टेस्ट मैच के वर्षा से प्रभावित चौथे दिन 154 रन की कुल बढ़त हासिल कर ली लेकिन ड्रॉ से बचने के लिए उसे अनुकूल मौसम की जरूरत होगी. शनिवार को शुरुआती छह घंटे का खेल बारिश के कारण धुलने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने मेजबान टीम को 233 रन पर आउट करके पहली पारी में 124 रन की बढ़त हासिल की और फिर दिन का खेल खत्म होने तक बिना विकेट खोए 30 रन बनाकर 154 रन की कुल बढ़त हासिल की. वेस्टइंडीज ने चार विकेट पर 145 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन आखिरी छह विकेट सिर्फ 60 रन जोड़कर 233 रन तक गंवा दिए, जिससे दक्षिण अफ्रीका की जीत की उम्मीद बंधी. दक्षिण अफ्रीका को हालांकि जीत दर्ज करने के लिए अंतिम दिन बारिश नहीं होने की प्रार्थना करनी होगी. दक्षिण अफ्रीका की ओर से केशव महाराज ने 19 रन देकर चार विकेट चटकाए. दिन का खेल खत्म होने पर टोनी डी जॉर्जी 14 जबकि एडेन मार्करम नौ रन बनाकर खेल रहे थे.

ब्रीफ खबरें

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

पूर्वी चंपारण। जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के बलुआ ओवरब्रिज के समीप शनिवार को अप सप्तक्रांति एक्सप्रेस की चपेट में आकर एक अधेड़ की मौत हो गयी. मृतक की पहचान मलाही थाना के नगदाहां गांव निवासी विंध्याचल प्रसाद (59) के रूप में हुई है. बताया गया कि बलुआ आरओबी के समीप विंध्याचल प्रसाद अप सप्तक्रांति एक्सप्रेस की चपेट में आ गए. ट्रेन की चपेट में आने से उनका शरीर कमर के पास से दो हिस्सों में विभक्त हो गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गयी.

अवैध चुंगी वसूलने वाला युवक गिरफ्तार

नवादा। नवादा जिला के रजौली थाना क्षेत्र के बजरंगबली चौक, पुरानी बस स्टैंड समेत मुख्यालय स्थित सभी फुटपाथी दुकानदारों से कुछ लोगों द्वारा दैनिक चुंगी के नाम से अवैध पैसे की वसूली लम्बे समय से की जा रही थी. पुलिस ने मौके से रविवार को एक युवक को गिरफ्तार किया,जबकि दो लोग फरार हो गए. बीते वर्ष रजौली व्यवसायिक संघ बनाया गया एवं संघ के अध्यक्ष संदीप कुमार द्वारा इसका विरोध किया जाने लगा. संघ के अध्यक्ष ने डीडीसी नवादा एवं एसडीओ रजौली के अलावे सांसद व जिला प्रभारी मंत्री के पास भी लिखित शिकायत की गई.

नवादा में विशेष तिरंगा यात्रा निकाली गई

नवादा। हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए रविवार को नवादा में विशेष तिरंगा यात्रा निकाली गई. आजादी के अमृत महोत्सव के तहत निकाली गई तिरंगा यात्रा में भाजपा मंडल अध्यक्ष गौरव शांडिल्य गगन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवाओं ने जोश के साथ भाग लिया. मंडल अध्यक्ष गौरव शांडिल्य गगन ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर हर-घर तिरंगा यात्रा कार्यक्रम के मद्देनजर रजौली में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ मोटरसाइकिल से हाथ में तिरंगा लिये रजौली के विभिन्न पंचायतों का भ्रमण किया.

पटना में अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए राजकीय समारोह का किया गया आयोजन

शहीदों को याद कर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

संवाददाता। पटना

शहीद दिवस के अवसर पर 11 अगस्त 1942 को आजादी के मतवाले सात अमर शहीद यथा उमाकांत प्रसाद सिंह, रामानन्द सिंह, सतीश प्रसाद झा, जगतपति कुमार, देवीपद चौधरी, राजेन्द्र सिंह व राम गोविन्द सिंह की दी गई कुर्बानियों को याद किया गया और उन्हें शत-शत नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई. अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए राजकीय समारोह का आयोजन शहीद स्मारक परिसर, पटना में किया गया. राजकीय समारोह में राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की.

इस अवसर पर बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, उप

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, सूचना एवं जनसम्पर्क मंत्री महेश्वर हजारी, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री जनक राम, सांसद संजय कुमार झा, विधानसभा उपाध्यक्ष रेन्द्र नारायण यादव, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, विधान पार्षद कुमुद वर्मा, विधान पार्षद रवीन्द्र कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अमर शहीदों के परिजन एवं गणमान्य व्यक्तियों ने अमर शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की.

इसके बाद राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सचिवालय प्रांगण स्थित शहीद पार्क में जाकर अमर ज्योति के समक्ष पुष्प चक्र अर्पित किया एवं स्वतंत्रता संग्राम के तमाम अमर शहीदों को नमन करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की.

मिस यूनिवर्स बिहार बनीं काजल ने नीतीश कुमार से की मुलाकात

पटना । मिस यूनिवर्स बिहार बनी काजल रानी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की. काजल की मुलाकात सीएम के एक अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में हुई. सीएम ने काजल को शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, मिस यूनिवर्स बिहार संस्था की निदेशक नीतू कुमारी एवं परिवार के सदस्य मौजूद थे.

विश्व के सबसे बड़े ब्यूटी कॉन्टेस्ट मिस यूनिवर्स के लिए मिस यूनिवर्स इंडिया के लिए पटना के निफ्ट में पहली बार ऑफिशियल ऑडिशन का आयोजन किया गया था. जिसमें काजल रानी मिस यूनिवर्स बिहार चुनी गई. दिल्ली में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में काजल बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी. इस प्रतियोगिता में काजल का चयन होने पर उनके गांव शेखपुरा के बरबीघा प्रखंड के केवटी पंचायत के डीह में खुशी का माहौल है.

राजद का मंसूबा कभी पूरा नहीं होगा, ललन सिंह ने किया बड़ा पलटवार

ख्याली पुलाव पकाते रह जाएंगे तेजस्वी : ललन सिंह

संवाददाता। पटना

बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ख्याली पुलाव पकाते हैं. तेजस्वी यादव जो सपना देख रहे हैं वह सिर्फ सपना ही रहेगा. तेजस्वी यादव को लेकर रविवार को केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने यह टिप्पणी की. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सबसे करीबी नेताओं में एक जदयू सांसद ललन सिंह ने तेजस्वी यदव के उस दावे पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि विधानसभा चुनाव में आरजेडी की सरकार बनेगी और सीटें चार गुना बढ़ जाएंगी. तेजस्वी ने नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा है कि हमारे लिए अच्छा है कि चाचा उधर हैं, उधर रहने से चार गुना सीटें हमारी बढ़ेंगी. तेजस्वी के इस बयान पर ललन सिंह ने पलटवार किया है.

इसी को लेकर ललन सिंह ने

कहा कि ख्याली पुलाव बनाना उनका काम है. उनके जन्म कुंडली में उनकी यह चाहत नहीं लिखी हुई है. ललन सिंह ने यह भी कहा कि तेजस्वी कभी भी मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे और 2025 में एक बार फिर बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी. तेजस्वी ने कहा था यदि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के साथ रहते तो बीजेपी हवा में उड़ जाती. तेजस्वी ने यह टिप्पणी हालिया संपन्न लोकसभा चुनावों में बिहार में एनडीए के प्रदर्शन पर किया था.

वहीं ललन सिंह ने दिल्ली से पटना लौटते ही तेजस्वी को करार जवाब किया. उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव जो सपना देख रहे हैं वह सिर्फ सपना ही रहेगा.

ललन सिंह ने आगे यह भी कहा कि तेजस्वी यादव के जन्म कुंडली में वह नहीं लिखा है जो उनकी चाहत है. ललन ने कहा की अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में भी फिर से एक बार बिहार में एनडीए को पूर्ण बहुमत के साथ सरकार में आने का मौका मिलेगा. तेजस्वी यादव का सपना सपना ही रहेगा. दरअसल, बिहार विधानसभा के चुनाव को लेकर आरजेडी ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है. बीते दिनों पटना में आयोजित अल्पसंख्यक मोर्चा का सम्मेलन था जिसमें तेजस्वी यादव मौजूद थे. उन्होंने कहा कि आप लोग साथ देंगे तो हम विश्वास दिलाते हैं कि 2025 जो सरकार होगी वह आरजेडी महागठबंधन की होगी. अल्पसंख्यक को उचित भागीदारी मिलेगी.

यात्रा निकाल कर माफी मांगें तेजस्वीः संजय सिंह

भागलपुर। बिहार भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्वी चंपारण के लोकसभा सांसद संजय जयसवाल रविवार को भागलपुर पहुंचे. जहां उन्होंने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को आप सभी अपने-अपने घरों पर तिरंगा जरूर फहराएं. इस दौरान उन्होंने बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को घेरते नजर आए. संजय जायसवाल ने कहा कि तेजस्वी यादव को बिल्कुल यात्रा निकालनी चाहिए. उन्हें अपने माता-पिता के कुकर्मो की माफी लोगों से मांगनी चाहिए. इस बात की माफी मांगे कि अब मुख्यमंत्री आवास से किसी को भी अपहरण या रंगदारी नहीं मांगी जाएगी.

महिला ने तीन बच्चों को दिया जन्म, जच्चा और बच्चा स्वस्थ

संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक महिला ने एक साथ तीन स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया है. इसे कुदरत का करिश्मा कहिए या फिर लक्ष्मी देवी की किस्मत. लक्ष्मी देवी की सुनी गोद शादी 7 साल बाद आठवें साल भरी है. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में देर रात प्रसूति विभाग तीन तीन बच्चों की किलकारी से गूंज गया. लेबर वार्ड में भर्ती जिले के ममलखा की रहने वाली लक्ष्मी देवी ने दो बेटे एक बेटी को जन्म दिया. मां के साथ साथ तीनों बच्चे स्वस्थ हैं. लक्ष्मी

के परिवार में खुशी का माहौल है. लक्ष्मी की शादी 2016 में झारखंड के साहेबगंज के राम कुमार से हुई थी. शादी के कई साल बाद भी बच्चा नसीब नहीं हुआ तो उसके मायके वालों ने कई जगह जांच करवायी. बड़े-बडे अस्पताल गए, लेकिन भगवान से मिन्नतें की. इसके बाद तीन-तीन बच्चों से लक्ष्मी का सूना घर चहक उठा है.

किराना कारोबारी से 50 हजार और मोबाइल की लूट

अररिया । सिमराहा थाना क्षेत्र के औराही पूरब वार्ड संख्या एक में शनिवार की देर शाम तीन की संख्या में बैखोफ बदमाशों ने किराना कारोबारी से नगद 50 हजार रुपये और मोबाइल लूट लिया. घटना सिमराहा थाना क्षेत्र के सिमराहा से बारा जाने वाले रास्ते में औराही पूरब वार्ड संख्या एक के समीप हुई। लूटपाट के दौरान बदमाशों ने किराना कारोबारी के सर पर लाठी डंडे से प्रहार कर उनका सर भी फोड़ दिया. घायल कारोबारी घटना पश्चात किसी तरह अपने घर तक पहुंचे और लूटपाट होने की जानकारी परिजन के साथ साझा किया, जिसके बाद थाना को सूचना दी गई. घटना के संदर्भ में पीड़ित किराना कारोबारी वार्ड संख्या 12 निवासी बबलू कुमार मंडल पिता कृष्ण देव मंडल ने बताया कि सिमराहा मिडिल स्कूल के समीप उनका किराना का दुकान है.

उप सभापति हरिवंश ने डॉ भीम सिंह लिखित पुस्तक का किया लोकार्पण

पटना/दिल्ली। भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ भीम सिंह द्वारा लिखित ₹ भारत के 75 महान क्रांतिकारी ₹ नामक पुस्तक का विमोचन रविवार को राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने किया. दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब में लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया. इस पुस्तक में भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में क्रांतिकारियों के देश प्रेम तथा देश के लिए उनके संघर्ष व बलिदान को बड़े विस्तार से रेखांकित किया किया गया है. समारोह को संबोधित करते हुए हरिवंश ने डॉ भीम सिंह को इस बात के लिए प्रशंसा की कि उन्होंने लेसर नोन हीरोज पर लेखनी उठायी. हरिवंश ने इस बात के लिया खेद प्रकट किया कि स्वतंत्रता संघर्ष के क्रांतिकारी आंदोलन के पक्ष को कम कर आंका गया है. उन्होंने प्रधानमंत्री की प्रशंसा कि वे इतिहास के गुमनाम पक्ष को भी उजागर कर रहे हैं.

कारोबार

ओयो ने निवेशकों से 1,457 करोड़ रु जुटाये

नयी दिल्ली। होटल कारोबार से जुड़े मंच ओयो की मूल कंपनी ओरेवल स्टेज लिमिटेड ने वित्त पोषण के हालिया चरण में निवेशकों से 1,457 करोड़ रुपये जुटाए हैं. यूनिकॉर्न कंपनी ओयो अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में है. एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले स्टार्टअप को यूनिकॉर्न कहा जाता है. कंपनी ने धन जुटाने के हालिया 'सीरीज जी' चरण में करीब 1,040 करोड़ रुपये जुटाए हैं. इससे पहले इसी श्रृंखला में 416.85 करोड़ रुपये जुटाए गए थे, जिसके बाद यह चरण पूरा हो गया है.

इस्पात की कीमतें तीन साल के निचले स्तर परः रिपोर्ट

नयी दिल्ली। आयात बढ़ने के कारण घरेलू इस्पात की कीमतें तीन साल के निचले स्तर पर आ गई हैं. एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है. बाजार शोध कंपनी बिगमिंट ने एक रिपोर्ट में कहा कि हॉट रोल्ड कॉइल्स (एचआरसी) की कीमत गिरकर अब 51,000 रुपये प्रति टन पर आ गई हैं, जो अप्रैल, 2022 में 76,000 रुपये प्रति टन थीं. रिपोर्ट के मुताबिक, कोल्ड रोल्ड कॉइल्स (सीआरसी) की कीमत अप्रैल, 2022 में 86,300 रुपये प्रति टन से गिरकर 58,200 रुपये प्रति टन हो गई है.

कोयला आयात 7.52 करोड़ टन रहा

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत का कोयला आयात 5.7 % बढ़कर 7.52 करोड़ टन हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7.11 करोड़ टन कोयला आयात हुआ था. ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के जुटाए आंकड़ों के मुताबिक, जून में देश का कोयला आयात भी 6.59 % बढ़कर 2.29 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2.15 करोड़ टन कोयला आयात हुआ था. एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी विनय वर्मा ने कहा कि उपलब्ध अधिशेष कोयले और मानसून के दौरान औद्योगिक गतिविधियों में सुस्ती को देखते हुए आने वाले महीने में आयात की मांग कम रह सकती है.

सेंसेक्स की टॉप 10 में से आठ कंपनियों का एमकैप 1.66 लाख करोड़ घटा

रिलायंस को 33,930 करोड़ का घाटा

एजेंसी। नयी दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में बीते सप्ताह भारी गिरावट देखने को मिली. कमजोर वैश्विक रुझानों के कारण बीएसई में लिस्टेड सेंसेक्स 1,276.04 अंक यानी 1.57 प्रतिशत टूटकर बंद हुआ. शेयर बाजार में आयी गिरावट के कारण सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों में से 8 कंपनियों का मार्केट कैप संयुक्त रूप से 1,66,954.07 करोड़ घट गया. इसका सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के निवेशकों को झेलना पड़ा. देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का बाजार पूंजीकरण 33,930.56 करोड़ घटकर 19,94,765.01 करोड़ रह गया. वहीं देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी के बाजार मूल्यांकन में भी 30,676.24 करोड़ की गिरावट आयी और यह घटकर 7,17,001.74 करोड़ रह गया. इस तरह बीते सप्ताह रिलायंस और एलआईसी को शीर्ष 10 कंपनियों में से सर्वाधिक नुकसान हुआ.

इन कंपनियों के मार्केट वैल्यूएशन में भी आयी गिरावट

बीएसई के डाटा के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 21,151.33 करोड़ घटकर 7,35,566.52 करोड़ रुपये रह गया. वहीं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इंफोसिस का मार्केट वैल्यूएशन 20,973.19 करोड़ कम होकर 7,35,277.28 करोड़ रहा. टाटा समूह की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का एमकैप 19,157.77 करोड़ की गिरावट आयी और यह 15,30,469.11 करोड़ रह गया. इसी तरह भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 16,993.56 करोड़ घटकर 8,33,396.32 करोड़ और आईसीआईसीआई बैंक का 16,975.55 करोड़ घटकर 8,25,201.23 करोड़ रह गया. निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन भी 7,095.87 करोड़ कमहोकर 12,56,505.53 करोड़ रह गया.

केवल हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी फायदे में रही : बीएसई के डाटा के अनुसार, बीते सप्ताह केवल हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का मार्केट कैप में बढ़ोतरी देखने को मिली.

हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 12,946.24 करोड़ बढ़कर 6,45,808.65 करोड़ पर पहुंच गया. वहीं आईटीसी का मार्केट वैल्यूएशन 8,406.26 करोड़ बढ़कर 6,19,829.37 करोड़ हो गया. पिछले हफ्ते बड़ा नुकसान उठाने के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज ने देश की सबसे मूल्यवान कंपनी का खिताब बरकरार रखा है. इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इंफोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा.

रिलायंस की चालू वित्त वर्ष में पहली सौर गीगा-फैक्टरी चालू करने की योजना

नयी दिल्ली। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड चालू वित्त वर्ष में अपनी पहली सौर गीगा-फैक्टरी चालू करने की योजना बना रही है. कंपनी वर्ष 2035 तक परिचालन से शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के दिशा में बढ़ रही है. रिलायंस ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि उसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) विनिर्माण संयंत्र के पहले चरण को चालू करना और 2026 तक चरणबद्ध तरीके से इसे 20 गीगावाट तक बढ़ाना है. सौर गीगा-फैक्टरी में एक ही स्थान पर पीवी मॉड्यूल, सेल, वेफर्स और सिल्लियां, पॉलीसिलिकॉन और ग्लास का निर्माण होगा. कंपनी ने 2025 में मेगावाट स्तर पर सोडियम-आयन सेल उत्पादन का औद्योगिकीकरण करने और 2026 में पहली बार 50 मेगावाट घंटा (एमडब्ल्यूएच) प्रति वर्ष लिथियम बैटरी सेल बनाने का लक्ष्य भी तय किया है. रिलायंस ने 2021 में घोषणा की थी कि वह वर्ष 2030 तक 100 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पर आधारित एक नया ईंधन व्यवसाय तैयार करने के लिए तीन वर्षों में 10 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी.

'झारखंड की सामुदायिक भूमि का मूल्य सालाना 377,200 करोड़'

संवाददाता। रांची

झारखंड में भूमि कॉमन्स के आर्थिक मूल्य का हाल ही में प्रस्तुत एक संक्षिप्त विवरण, जिसे फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी और कॉमन ग्राउंड द्वारा विकसित किया गया है, ने बताया है कि झारखंड की भूमि कॉमन्स का मूल्य सालाना 377,200 करोड़ है. यह संक्षिप्त विवरण झारखंड में भूमि कॉमन्स का आर्थिक मूल्यांकन शीर्षक के तहत प्रस्तुत किया गया था और रांची में आयोजित पंचायत सम्मेलन 2.0 में जारी किया गया है.

ये तमाम आंकड़े और जानकारी संधू और अन्य (2023) के इकॉनोमिक वैल्यूएशन स्टडी ऑफ़ कॉमन्स इन इंडिया और यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ ऑस्ट्रेलिया, आईएफपीआरआई एवं फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी से ली गई है. इन शोध पत्रों की प्रकाशन तिथि के अनुरूप मार्च 2023 की दरों के आधार पर 82 रुपये प्रति अमेरिकी डॉलर की विनिमय दर पर मूल्य तय किए गए हैं. इसमें हरपिंदर संधू, वीई झांग, रूथ मेनजेन-डिक, हैगर एलदीदी, साइका परवीन, जानवी शर्मा, जपनीत कौर और

पंचायत सम्मेलन

- झारखंड के भूमि कॉमन्स का सालाना मूल्य 377,200 करोड़ है
- शोध पत्रों के आधार पर जारी की गयी है रिपोर्ट

प्रतिति प्रियदर्शिनी ने काम किया है. भूमि कॉमन्स में वन, चरागाह, और बंजर भूमि जैसे साझा संसाधन शामिल हैं जो सभी समुदाय के सदस्यों के लिए उपलब्ध होते हैं. ये संसाधन न केवल आजीविका का समर्थन करते हैं, बल्कि महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं भी प्रदान करते हैं. झारखंड के भूमि कॉमन्स का सालाना मूल्य 377,200 करोड़ है, जो इस क्षेत्र की आर्थिक और पर्यावरणीय महत्वता को दर्शाता है. संक्षिप्त विवरण में भूमि के आर्थिक मूल्य को नीति-निर्माण और भूमि अधिग्रहण प्रक्रियाओं में शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है. इसका उद्देश्य स्थायी प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित करना है.

सम्मेलन ने विकेंद्रीकृत शासन को मजबूत करने और अति-स्थानीय जलवायु कार्य योजनाओं को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित किया। यह सम्मेलन स्थानीय, क्षेत्रीय, और राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख हितधारकों को एकजुट करने का प्रयास करता है ताकि स्थानीय स्तर पर नेतृत्व वाली जलवायु कार्रवाइयों को बढ़ावा दिया जा सके. पर्यावरण अनुसंधान पत्रों में प्रकाशित हरपिंदर संधू एट अल द्वारा लिखित 'भारत में लैंड कॉमन्स द्वारा प्रदान की जाने वाली पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का मूल्यांकनः अनुसंधान और नीति के लिए निहितार्थ' पेपर से डेटा और अंतर्दृष्टि पर आधारित है.

आशंका साइबर अपराधियों के लिए भी परिष्कृत हमलों में एआई का दुरुपयोग के रास्ते खुल गये हैं

एआई आने से कारोबारों का साइबर जोखिम बढ़ा

भाषा। नेगोम्बो (श्रीलंका)

कृत्रिम मेधा (एआई) को तेजी से अपनाने से वृद्धि को बढ़ावा मिला है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराधियों के लिए भी परिष्कृत हमलों में एआई का दुरुपयोग करने के रास्ते खुल गए हैं. वैश्विक साइबर सुरक्षा और डिजिटल प्राइवेसी कंपनी कैस्परस्काई ने इन जोखिमों का जिक्र करते हुए कहा है कि उसने नए युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए व्यवसायों के सक्रिय साइबर सुरक्षा में निवेश करने की जरूरत पर प्रकाश डाला है. कैस्परस्काई ने कहा कि वह अपने उत्पादों में एआई का समावेश कर रही है तथा खतरों का मुकाबला करने व प्रौद्योगिकियों

को साइबर हमलों के नए और उभरते रूपों के प्रति अधिक प्रतिरोधी बनाकर उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए एआई मॉडलों का उपयोग कर रही है.

साइबर सुरक्षा कंपनी ने चेतावनी देते हुए कहा कि साइबर अपराधी दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर लाने और कई उपयोगकर्ताओं के विरुद्ध स्वचालित हमले करने के लिए नए तरीकों से एआई का उपयोग कर रहे हैं. इनमें चैटजीपीटी के उपयोग से लेकर उपयोगकर्ताओं के स्मार्टफोन इनपुट की निगरानी के लिए एआई प्रोग्राम का दुरुपयोग करना (संभावित रूप से संदेश, पासवर्ड और बैंक कोड कैप्चर करना) तक शामिल है. कंपनी ने 2023 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि उसने दुनिया भर में 2,20,000 कारोबारों को इन जोखिमों से बचाने में मदद की और अपने समाधानों और उत्पादों के साथ लगभग 6.1 अरब हमलों को रोका। इस दौरान, 3,25,000 विशिष्ट उपयोगकर्ताओं को बैंकिंग ट्रोजन पर आधारित संभावित धन चोरी से बचाया गया.

कंपनी ने 2024 में हर दिन औसतन 4,11,000 से अधिक दुर्भावनापूर्ण नमूनों का पता लगाया है, जबकि एक साल पहले यह संख्या 4,03,000 थी. कैस्परस्काई में वैश्विक शोध एवं विश्लेषण टीम के साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ विटाली कामलुक ने पीटीआई-भाषा से कहा, जितने साइबर हमले हो रहे हैं, वे केवल मानव संसाधनों से संभव नहीं हैं. हमलावर स्वचालन का उपयोग करते हैं... एआई का लाभ उठाने का प्रयास करते हैं. इसके साथ ही उपयोगकर्ताओं को साइबर जोखिम से बचने के लिए अपना पासवर्ड भी पर्याप्त मजबूत रखने की जरूरत है. कैस्परस्काई के प्रमुख डेटा वैज्ञानिक एलेक्सी एंटोनोव ने कहा, करीब 32 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं के पासवर्ड पर्याप्त मजबूत नहीं हैं. उन्हें सरल ब्रूट-फोर्स एल्गोरिदम और आधुनिक जीपीयू 4090 का उपयोग करके 60 मिनट से भी कम समय में हासिल किया जा सकता है.

विदेशों में पाम, सोयाबीन ऑयल चढ़ा, तेल-तिलहनों में सुधार

भाषा। नयी दिल्ली

बीते सप्ताह विदेशों में कच्चा पामतेल (सीपीओ) और सोयाबीन तेल के दाम बढ़ने से देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी तेल तिलहन कीमतों में सुधार दर्ज हुआ. बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशों में पाम तेल का भाव पिछले सप्ताह के 985-990 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 990-995 डॉलर प्रति टन हो गया जबकि सोयाबीन तेल का दाम अपने पिछले सप्ताह के 995-1,000 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,015-1,020 डॉलर प्रति टन हो गया. हालांकि देश में खाद्यतेलों का अत्यधिक आयात होने से बंदरगाहों पर आयातक अपनी लागत से दो-तीन प्रतिशत कम दाम पर सभी आयातित तेलों को बेच रहे हैं. इन कच्चेतेलों के प्रसंस्करण, आयात शुल्क और मार्जिन जोड़ने के बाद आने वाली लागत लगभग एक जैसा बैठती है.

उन्होंने कहा कि प्रसंस्करण, आयात शुल्क और मार्जिन जोड़कर सोयाबीन तेल का थोक भाव 94 रुपये प्रति किलो, पामतेल का भाव 94.5 रुपये किलो और सूरजमुखी तेल का थोक दाम 95 रुपये किलो बैठता है. इस तरह इन सभी खाद्यतेलों के बीच भाव का अंतर काफी कम रह गया है और खुदरा बाजार में इन सभी तेलों को 100-105 रुपये प्रति लीटर के भाव बिकना चाहिये. लेकिन खुदरा बाजार में पामतेल 105 रुपये लीटर और सूरजमुखी तेल 140-170 रुपये लीटर के भाव बिक रहा है.

ब्रीफ खबरें

विमान दुर्घटना में सभी मृतकों के अवशेष मिले

विन्हेडो। ब्राजील के साओ पाउलो प्रांत में शुक्रवार को हुए विमान हादसे में मारे गए सभी 62 लोगों के अवशेष बरामद होने के साथ ही बचाव अभियान समाप्त कर दिया गया. परिजन अपने प्रियजनों की शिनाख्त करने और उन्हें दफनाने के लिए साओ पाउलो पहुंच रहे हैं. दुर्घटनाग्रस्त 'एटीआर72' विमान में 58 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे. उसने बताया कि विमान ग्वारूलोस में साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था, तभी यह विन्हेडो में दुर्घटनाग्रस्त हो गया.

एनटीसीए ने दी बाघों के स्थानांतरण को मंजूरी

भोपाल। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने मध्य प्रदेश से कुछ बाघों को छत्तीसगढ़, राजस्थान व ओडिशा स्थानांतरित करने की मंजूरी दे दी है. एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार इस कवायद से अन्य राज्यों में बाघों के 'जीन पूल' को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी. वर्ष 2022 की बाघ जनगणना के अनुसार मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 785 बाघ हैं. 'एनटीसीए की तकनीकी समिति ने मंजूरी दी है. सरकार की मंजूरी के बाद स्थानांतरण शुरू हो जाएगा...'

डॉक्टरों ने केरल में प्रदर्शन की घोषणा की

तिरुवनंतपुरम। केरल के चिकित्सक, स्नातकोत्तर चिकित्सक और चिकित्सा शिक्षक कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में स्नातकोत्तर छात्रा एवं प्रशिक्षु चिकित्सक के यौन उत्पीड़न और हत्या की घटना के खिलाफ सोमवार को राज्य भर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में विरोध प्रदर्शन करेंगे. सरकारी मेडिकल कॉलेज के शिक्षकों के संगठन 'केजीएमसीटीए' ने रविवार को स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रा की निर्मम हत्या की कड़ी निंदा की.

विमान दुर्घटनाग्रस्त दो पायलट घायल

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले में एक हवाई पट्टी पर एक निजी विमानन अकादमी का एक प्रशिक्षण विमान रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे दो पायलट घायल हो गए. गुना कैंट पुलिस थाने के प्रभारी ने बताया कि दो सीट वाला सेसना 152 विमान दोपहर करीब डेढ़ बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया. ऐसी आशंका है कि इंजन में खराबी के कारण विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया. दुर्घटना से पहले उसने करीब 40 मिनट तक उड़ान भरी थी. विमान में सवार दो पायलट को चोटें आयी हैं, लेकिन वे खतरे से बाहर हैं.

मणिपुर में गोलीबारी में चार लोगों की मौत

इंफाल। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में उग्रवादियों और एक ही समुदाय के ग्रामीण स्वयंसेवकों के बीच गोलीबारी में चार हथियारबंद लोगों की मौत हो गयी. वहीं कांगपोकपी जिले में एक बम धमाके में एक पूर्व विधायक की पत्नी की मौत हो गई. शुक्रवार को मोलनोम इलाके में मुठभेड़ में यूकेएलएफ के एक उग्रवादी और एक ही समुदाय के तीन ग्रामीण स्वयंसेवकों की मौत हो गयी. इसके जवाब में ग्रामीण स्वयंसेवकों ने यूकेएलएफ के स्वयंभू प्रमुख एस एस हाओकिप के आवास को फूंक दिया.

आफत की बारिश, भूस्खलन व अचानक बाढ़ आने से बढ़ी परेशानी

पहाड़ से मैदान तक तबाही

लगातार न्यूज नेटवर्क। दिल्ली

पहाड़ों से लेकर लेकर मैदानी इलाकों तक मॉनसूनी बारिश आफत बनकर बरस रही है. पिछले 24 घंटों के दौरान देशभर में बरसात जनित घटनाओं में कई लोगों की मौत हो गई. वहीं नदियों और बांधों में जलस्तर के खतरे के निशान को पार कर जाने पर चेतावनी जारी की गई है. हिमाचल प्रदेश में पिछले दो दिन से भारी बारिश के कारण भूस्खलनों और अचानक आयी बाढ़ के कारण 280 से अधिक सड़कें बंद रहीं. ऊना में उफान पर बह रहे नालों का पानी कई घरों में घुस गया है जबकि लाहौल और स्पीति पुलिस ने निवासियों तथा यात्रियों को अत्यधिक सावधानी बरतने और जाहलमान नाले का जल स्तर 'तेजी से' बढ़ने के कारण उसे पार न करने की सलाह दी है. कुल्लू, मंडी और शिमला जिले में 31 जुलाई को अचानक आयी बाढ़ के बाद लापता हुए करीब 30 लोगों का पता लगाने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है लेकिन अभी कोई बड़ी सफलताा हाथ नहीं लगी है. अभी तक 28 शव बरामद किए गए हैं. राज्य में 27 जून से नौ अगस्त के बीच बारिश से जुड़ी घटनाओं में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गयी है और राज्य को करीब 842 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचा है.

हिमाचल में 288 सड़कें बंद : अधिकारियों ने बताया कि 288 सड़कें बंद हैं जिनमें से 138 सड़कें शुक्रवार और 150 शनिवार को बंद हुईं. राज्य आपात अभियान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, मंडी में 96 सड़कें, शिमला में 76 सड़कें, कुल्लू में 37, सिरमौर में 33, चंबा में 26, लाहौल और स्पीति में सात, हमीरपुर में पांच और कांगड़ा तथा किन्नौर में चार-चार सड़कें बंद रहीं. पूह और कौरिक के बीच अचानक आयी बाढ़ और नेगुलसरिन के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-5 पर भूस्खलन के बाद किन्नौर का राज्य की राजधानी शिमला से संपर्क टूट गया है. अधिकारियों ने बताया कि राज्य में 458 बिजली और 48 जल आपूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं. क्षेत्रीय मौसम विज्ञान कार्यालय ने 'ऑरेंज अलर्ट' जारी करते हुए पांच जिलों - बिलासपुर, चंबा, हमीरपुर, कुल्लू, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन, सिरमौर और ऊना में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है. गरज के साथ तूफान आने, बिजली गिरने और बारिश आने का पूर्वानुमान है. इसके साथ ही चंबा, हमीरपुर, कुल्लू, मंडी, सिरमौर और शिमला जिलों के कुछ स्थानों में अचानक बाढ़ आने की भी चेतावनी दी है.

कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में चेतावनी जारी

कर्नाटक के कोप्पल में तुंगभद्रा नदी पर स्थित पंपा सागर बांध के 19वें फाटक की चेन टूट जाने के बाद भारी मात्रा में पानी बाहर आने पर बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है. जल संसाधन विभाग के सूत्रों ने बताया कि उन्हें जलाश्य के मरम्मत कार्य के लिए बांध की कुल मौजूदा क्षमता 105 टीएमसी के मुकाबले जल स्तर को घटाकर 65 से 55 टीएमसी तक करना होगा. विभाग ने जलाश्य का मरम्मत कार्य शुरू करने के लिए पांच फाटकों को छोड़कर अन्य सभी खोल दिए हैं. वहीं आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) ने तुंगभद्रा बांध का द्वार बह जाने के बाद कृष्णा नदी के किनारे रह रहे लोगों को रविवार को सतर्क रहने की सलाह जारी की. एपीएसडीएमए के प्रबंध निदेशक आर कुर्मानाध ने बताया कि चेन की एक कड़ी टूटने के कारण द्वार संख्या 19 पानी के बहाव में बह गया. यह हादसा होसपेट में

शनिवार रात को हुआ. वहीं भारी बारिश व मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर बांध से पानी छोड़े जाने पर गुजरात के नर्मदा जिले में स्थित सरदार सरोवर बांध का जल स्तर बढ़ गया जिसके कारण वडोदरा प्रशासन को एहतियात के तौर पर रविवार को जिले के 25 गांवों को सतर्क करना पड़ा. निवासियों को नर्मदा नदी के तटवर्ती इलाकों में नहीं जाने के लिए कहा गया है. बांध का जलस्तर बढ़ने से इसके नौ 'रेडियल' फाटकों को 1.50 मीटर तक खोल दियागया है. रविवार सुबह बांध में पानी का स्तर 134.75 मीटर दर्ज किया गया, जबकि जलाशय की कुल जलधारण क्षमता 138.68 मीटर है. पिछले 24 घंटे में बांध का जलस्तर 3.5 मीटर बढ़ गया.

पंजाब में उफनती नदी में वाहन के बहने से एक ही परिवार के सात की मौत

पंजाब के होशियारपुर से लगभग 34 किलोमीटर दूर जैजों में पानी से लबालब छोटी बरसाती नदी में एक वाहन के बह जाने से एक परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लापता हो गए. पंजाब और अन्य इलाकों में हुई भारी बारिश के कारण नदी उफान पर है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परिवार के दस सदस्य स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) चालक के साथ हिमाचल प्रदेश के मेहतपुर के निकट देहरा से विवाह समारोह में शामिल होने एसबीएस नगर के मेहरोवाल जा रहे थे. मेहरोवाल के निकट वाहन उफनती नदी में बह गया. कई स्थानीय व्यक्तियों ने वाहन में सवार एक व्यक्ति को किसी तरह बचा लिया और जैजों में सरकारी चिकित्सालय ले गए. दो महिलाओं समेत सात व्यक्तियों के शव नदी से बरामद कर लिए गए हैं. तीन लापता व्यक्तियों की तलाश जारी है.

राजस्थान : करौली में भारी बारिश से मकान ढहा, पिता-पुत्र की मौत

राजस्थान के करौली जिले में रविवार तड़के भारी बारिश के कारण एक मकान ढह जाने से उसके मलबे में दबकर 40 वर्षीय एक व्यक्ति और उसके बेटे की मौत हो गई तथा दो अन्य लोग घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शहर के डोलीखर मोहल्ले में उस समय हुई, जब परिवार के लोग अपने घर में सो रहे थे. भारी बारिश के कारण मकान ढहने उसके मलबे में दबकर दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए. जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान जाकिर खान (40) और उसके बेटे राशिद खान (12) के रूप में हुई है. उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे.

जालौन में मकान की छत गिरी, मलबे में दबने से मां-बेटे की मौत, पिता-पुत्री गंभीर रूप से घायल

उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के कोच पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार तड़के एक मकान की छत गिर जाने से उसके नीचे सो रहे मां-बेटे की मलबे में दबकर मौत हो गई, जबकि पिता-पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गए. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हादसा कोतवाली कोच के महलुबा गांव में तड़के करीब साढ़े पांच बजे हुआ, जब अखिलेश नामक व्यक्ति अपनी पत्नी और बच्चों के साथ घर में सो रहा था. प्रथम दृष्टतया ऐसा प्रतीत होता है कि अधिक बारिश के कारण मकान की पुरानी छत में नमी आ गई और वह भरभराकर गिर पड़ी. इस हादसे में छत के नीचे सो रहा अखिलेश (35), उसकी पत्नी मोहिनी (32), बेटा देबू (सात) और बेटी अदिति (10) मलबे में दब गए. पुलिस चारों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कोच ले गई, जहां चिकित्सकों ने देबू और मोहिनी को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल अखिलेश और अदिति को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया.

सेबी चीफ व गौतम अडानी पर हिंडनबर्ग रिसर्च का क्या है दावा

लगातार न्यूज नेटवर्क। बीते साल की शुरुआत में अरबपति गौतम अडानी को लेकर अपनी रिसर्च रिपोर्ट जारी करने के बाद अब अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने भारत के मार्केट रेग्युलेटर सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच पर निशाना साधा है और ये भी अडानी मामले से ही जुड़ा हुआ है. शनिवार को जारी रिपोर्ट में हिंडनबर्ग ने दावा किया है कि सेबी चेयरमैन और उनके पति धवल बुच के पास गौतम अडानी के पैसे की हेराफेरी में इस्तेमाल किए गए दो ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी.

समझना चाहते हैं पूरी रिपोर्ट, इन 10 पॉइंट्स में जानिए सब कुछ

1. ऑफशोर फंड क्या होता है

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति ने बरमूडा और मॉरीशस ऑफशोर फंडों में हिस्सेदारी रखी थी, जिनका इस्तेमाल अडानी ग्रुप की ओर से किया गया था. ऑफशोर फंड्स को इंटरनेशनल फंड्स भी कहा जाता है. विदेशी बाजार में निवेश करने वाली म्यूचुअल फंड की स्कीम की तरह ही है, जो किसी स्पेशल सेक्टर या कंपनियों अथवा नियमित आय की सिक्योरिटीज में निवेश करती है.

2. ऑफशोर बैंकिंग का मतलब

ऑफशोर बैंकिंग वह बैंकिंग है, जो आपके देश के बाहर होती है. ऑफशोर बैंक अकाउंट से फॉरेन करेंसियों में व्यापार करना आसान हो जाता है. यह आपको किसी दूसरे देश द्वारा दी जाने वाली किसी भी फाइनेंशियल सिक्योरिटी या टैक्स बेनेफिट्स का लाभ उठाने की अनुमति भी देती है. यहां बता दें कि ऑफशोर बैंकिंग का ज्यादातर इस्तेमाल उन बिजनेस में होता है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करते हैं.

3. कैसे काम करते हैं ऑफशोर फंड

ये ऑफशोर फंड्स निवेशकों के प्रतिनिधि के रूप में इंटरनेशनल मार्केट में पैसा लगाते हैं. ये या तो सीधे विदेशी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं या फिर किसी अन्य विदेशी म्यूचुअल फंड्स में इन्वेस्ट करते हैं. किसी फंड द्वारा अन्य फंड्स में निवेश को फीडर रूट कहा जाता है. विदेशी शेयरों में निवेश घरेलू शेयरों में निवेश से ज्यादा जोखिम भरा है. आपका रिटर्न इस बात से भी प्रभावित होता है कि देश की करेंसी किसी विदेशी मुद्रा की तुलना में कितना मजबूत और कमजोर पड़ती है.

4. मनी साइफनिंग क्या है

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अडानी मनी शाइफनिंग स्कैंडल का जिक्र किया गया है, तो इसे पैसों की हेरा-फेरी ही कहा जाता है. दरअसल, मनी साइफनिंग को विस्तार से समझें तो अगल बैंकों या फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन से लिए गए कर्ज का इस्तेमाल संबंधित कंपनी किसी ऐसे उद्देश्य के लिए करती है, जिसके बारे में लैंडर को जानकारी नहीं होती और इससे उसकी वित्तीय स्थिति को नुकसान पहुंचता है, तो इसे मनी साइफनिंग कैटेगरी में रखा जाता है.

5. टैक्स हेवन क्या है

टैक्स हेवन देश उन्हें कहा जाता है, जहां अन्य देशों की अपेक्षा बहुत कम कर लगता है या टैक्स फ्री रहता है. ये ऐसे देश होते हैं जो विदेशी नागरिकों, निवेशकों और बिजनेसमैन को यह सुविधा प्रदान करते हैं कि वे उस देश में रहकर जो इनवेस्टमेंट करेंगे तो उस पर उनको टैक्स नहीं देना होगा या बहुत ही कम देना होता है. खासतौर पर ये टैक्स हैवन देश उन लोगों के लिए स्वर्ग ही होते हैं, जो जो टैक्स चोरी करके पैसे इन देशों में जमा कर देते हैं. हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में जिन बरमूडा और मॉरिशस का जिक्र किया गया है और ये दोनों देश भी टैक्स हैवेन देशों में शामिल हैं. इसके अलावा साइप्रस और पनामा जैसे तमाम देश इसमें आते हैं.

6. हिंडनबर्ग क्या है

हिंडनबर्ग अमेरिका की कनेक्टिकट यूनिवर्सिटी से इंटरनेशनल बिजनेस में ग्रेजुएट नाथन एंडरसन द्वारा संचालित शॉर्ट सेलर फर्म है. साल 2017 में इसकी स्थापना की गई थी. इसका नाम 6 मई 1937 में न्यू जर्सी के मैनचेस्टर टाउनशिप में हुए हिंडनबर्ग एयरशिप एक्सीडेंट के नाम पर रखा गया. कंपनी का काम शेयर मार्केट, इक्विटी, क्रेडिट और डेरिवेटिव्स पर रिसर्च करना है. इस रिसर्च के जरिए कंपनी पता लगाती है कि क्या स्टाक मार्केट में कहीं गलत तरह से पैसों की हेरा-फेरी हो रही है और इसे लेकर रिसर्च रिपोर्ट जारी करती है.

7. शॉर्ट सेलर फर्म क्या होती है

हिडनबर्ग कंपनी एक इन्वेस्टमेंट फर्म होने के साथ ही शॉर्ट सेलर कंपनी भी है. एक एक्टिविस्ट शॉर्ट सेलर रूप में ये मोटी कमाई करती है. दरअसल, शॉर्ट सेलिंग एक तरह की ट्रेडिंग या इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटजी है. इसमें कोई किसी खास कीमत पर स्टॉक या सिक्योरिटीज खरीदी जाती हैं और फिर कीमत ज्यादा होने पर उसे बेच देता है, जिससे उसे जोरदार फायदा होता है.

8. शेल कंपनियां क्या होती हैं

शेल कंपनियां ऐसी फर्में होती हैं, जो सिर्फ कागजों पर चलती हैं. इनका कोई आधिकारिक कारोबार नहीं होता है. आमतौर पर इन कंपनियों का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के लिए ही किया जाता है. यानी दूसरी शब्दों में कहें तो ये कंपनियां एक जरिया होती हैं, ब्लैक मनी को व्हाइट करने के लिए. इन कंपनियों में टैक्स को बचाने की व्यवस्था होती है. इसमें पूरे पैसे को एक्सपेंस के तौर पर दिखाया जाता है, जिससे टैक्स भी नहीं लगता है. इसे मनी लॉन्ड्रिंग का आसान तरीका भी माना जाता है.

9. सेबी कैसे और क्या काम करती है

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड यानी सेबी की स्थापना वर्ष 1992 में एक मार्केट रेग्युलेटर के रूप में की गई थी. इसका काम निवेशकों के हितों की रक्षा करने के साथ ही उन्हें उचित मार्गदर्शन देना भी है. पूंजी बाजार में व्यापार से संबंधित हेर-फेर और धोखाधड़ी को रोकना भी इसके जिम्मे होता है.

10. सेबी चेयरपर्सन की नियुक्ति

सेबी के अध्यक्ष की नियुक्ति केंद्र सरकार करती है. फिलहाल, माधबी पुरी बुच भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष हैं और मार्केट रेग्युलेटर की पहली महिला अध्यक्ष हैं. उन्हें मार्च 2022 को अध्यक्ष नियुक्त किया गया था. फिलहाल बुच और उनके पति हिंडनबर्ग के निशाने पर हैं और उन पर भारतीय अरबपति गौतम अडानी से लिंक के आरोप शॉर्ट सेलर फर्म द्वारा लगाए गए हैं.

उप्र : बसपा 10 विस सीटों पर लड़ेगी उपचुनाव : मायावती

एजेंसी। लखनऊ

बसपा अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को ऐलान किया कि निकट भविष्य में राज्य की 10 रिक्त विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में उनकी पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी और पूरे दमखम से चुनाव लड़ेगी. मायावती ने लखनऊ में प्रदेश कार्यालय में पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की एक समीक्षा बैठक में उपचुनाव लड़ने की घोषणा की. अमूमन उपचुनावों से दूर रहने वाली बसपा ने इस उपचुनाव

को पूरे दमखम से लड़ने का फैसला किया है. बसपा मुख्यालय से जारी बयान के मुताबिक, मायावती ने कहा कि खासकर सत्तारूढ़ भाजपा और उसकी सरकार द्वारा इसे (उपचुनाव को) प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लेने के कारण इन उपचुनावों में लोगों की रुचि काफी बढ़ी है, लिहाज़ा बसपा ने भी इन उपचुनावों में पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है.

'मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का प्रमुख साझेदार'

एजेंसी। माले

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का एक प्रमुख साझेदार है तथा दोनों देश अपने सहयोग को आधुनिक साझेदारी में बदलने की आकांक्षा रखते हैं. जयशंकर ने अड्डू पुनर्ग्रहण और तट संरक्षण परियोजना का हस्तांतरण समारोह और एक्जिम बैंक की ऋण सहायता के तहत भारत सरकार की मदद से बनाई गई 4-लेन डेटोर लिंक सड़क परियोजना के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही. इस अवसर पर मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर भी मौजूद थे. जयशंकर ने कहा, 'मालदीव हमारे

लिए हिंद महासागर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण साझेदार है. यह 'पड़ोसी प्रथम' की हमारी नीति के केंद्र में है. और इसलिए यह बहुत ही स्वाभाविक है कि हमारे दोनों देशों के बीच सहयोग पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़ गया है तथा आज वास्तव में एक आधुनिक साझेदारी बनने की आकांक्षा है.' उन्होंने कहा, 'विकास के क्षेत्र में हमारे सहयोग का उद्देश्य लोगों के जीवन के सभी पहलुओं को छूना और उनके जीवन में इसके ठोस लाभ लाने के तरीके खोजना है.' जयशंकर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने मालदीव में लगभग 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है.

मुइज्जू सरकार की भारत नीति में बदलाव सराहनीय

वहीं मालदीव के मुख्य विपक्षी दल मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू नीत सरकार द्वारा अपनी भारत नीति में 'अचानक किए गए बदलाव' का स्वागत किया और कहा कि माले इस बात को लेकर हमेशा आश्वस्त रहा है कि देश पर जब भी संकट आएगा और वह मदद के लिए पुकारेगा तो नई दिल्ली सबसे पहले सहायता करेगा. एमडीपी के अध्यक्ष अब्दुल्ला शाहिद ने शनिवार को यहां भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात के बाद यह बात कही.

नेपाल की दो दिनी यात्रा पर पहुंचे विदेश सचिव

काठमांडू। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री दो दिवसीय यात्रा पर रविवार को नेपाल पहुंचे. इस दौरान वह भारत और नेपाल के बीच संबंधों को और मजबूत करने तथा पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर देश के नेतृत्व और अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे. नेपाल की विदेश सचिव सेवा लमसल ने उनका स्वागत किया. भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह यात्रा भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है.'

अध्ययन जिन बच्चों के भाई-बहन होते हैं, उनमें सहानुभूति व एक-दूसरे के विचारों व भावनाओं की बेहतर समझ होती है

भाई-बहन के बीच सकारात्मक रिश्ते को ऐसे बढ़ावा दें माता-पिता

कैलगरी (द कन्वरसेशन)

80 प्रतिशत लोगों के पास कम से कम एक भाई या बहन है दुनिया भर में अध्ययन के अनुसार, यह रिश्ता बच्चे के विकास में निभाता है भूमिका

65 वर्ष की आयु में खुशहाल रहने के सबसे मजबूत संकेतकों में से एक है युवा अवस्था में भाई-बहन के रिश्तों की गुणवत्ता. बड़े होने के साथ भाई-बहन के रिश्ते भी बदलते हैं.

भाई-बहन का रिश्ता हमारे जीवन में सबसे लंबे समय तक कायम रहने वाले रिश्तों में से एक है. दुनिया भर में लगभग 80 प्रतिशत लोगों के पास कम से कम एक भाई या बहन है. एक अध्ययन में पाया गया कि युवा अवस्था में भाई-बहन के रिश्तों की गुणवत्ता 65 वर्ष की आयु में खुशहाल रहने के सबसे मजबूत संकेतकों में से एक थी. जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं तो भाई-बहन के रिश्ते भी बदलते हैं. भाई-बहन का रिश्ता न केवल अनोखा होता है, बल्कि यह बच्चे के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. जिन बच्चों के भाई-बहन होते हैं, उनके अपने साथियों के साथ बेहतर रिश्ते होते हैं, वे रचनात्मक खेलों में अधिक शामिल होते हैं और उनमें सहानुभूति तथा एक-दूसरे के विचारों व भावनाओं

परवरिश में निष्पक्ष रहें, वैज्ञानिक तरीके अपनाएं

अधिकांश माता-पिता कहते हैं कि भाई-बहन के बीच कोई उनका ज्यादा पसंदीदा नहीं होता और वे सभी से समान प्यार करते हैं, लेकिन 85 प्रतिशत बच्चों का मानना है कि उनके माता-पिता उनमें से किसी एक को ज्यादा चाहते हैं. ऐसे में माता-पिता को भाई-बहनों को समान दुर्व्यवहार के लिए समान दंड सुनिश्चित करके अपनी परवरिश में यथासंभव निष्पक्ष रहने का प्रयास करना चाहिए. विज्ञान-समर्थित ऐसे कई तरीके हैं, जिनसे माता-पिता भाई-बहन के बीच मजबूत, सकारात्मक और सहयोगात्मक रिश्ते बनाने में मदद कर सकते हैं.

1. सकारात्मक जुड़ाव को प्रोत्साहित करें.
2. पहचानें कि बच्चों क्या अच्छा चल रहा है.
3. साझा अनुभवों में संलग्न रहें अभिभावक.
4. भावनाओं को नियंत्रित करें.
5. सामाजिक और भावनात्मक समझ को सुगम बनाएं.
6. बच्चों के अवांछनीय व्यवहार से निपटना.
7. बच्चों की अपने भाई-बहनों को समझने की कला सिखाने में मदद करें.
8. संघर्ष से निपटें.
9. बच्चों से माता-पिता के अलग-अलग व्यवहार की जांच करें.

की बेहतर समझ होती है. वे अक्सर उन लोगों की तुलना में बहुत पहले ही सामाजिक कौशल विकसित कर लेते हैं, जिनके भाई-बहन नहीं होते हैं. कुछ अध्ययनों से पता चला है कि भाई-बहन के सकारात्मक रिश्ते भी कठिन समय में, जैसे कि जीवन में तनाव और माता-पिता के बीच वैवाहिक मतभेदों के दौरान, एक सुरक्षात्मक कारक के रूप में काम करते हैं.

भाई-बहन का झगड़ा, प्रतिद्वंद्विता : जब हम बच्चे होते हैं, तो भाई-बहन के रिश्ते प्रतिद्वंद्विता से भरे हो सकते हैं. किशोरावस्था में, जब हम साथियों के साथ नये रिश्ते और अपनी पहचान तलाशते हैं तो भाई-बहन के रिश्तों में दरार आ जाती है. यह शायद कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि भाई-बहन के रिश्ते पर शोध का एक प्रमुख विषय झगड़ा है. भाई-बहन का झगड़ा काफी आम है और कुछ हद तक, वास्तव में बच्चों के विकास के लिए अच्छा हो सकता है. भाई-बहन का रिश्ता बच्चों के लिए झगड़ा सुलझाने के लिए एक अनूठा संदर्भ प्रदान करता है, क्योंकि दोस्ती के विपरीत, भाई-बहन का रिश्ता सिर्फ झगड़े के बाद खत्म नहीं हो सकता है. भाई-बहनों के साथ झगड़े को सुलझाकर, बच्चे मूल्यवान कौशल सीख सकते हैं, जैसे कि दूसरों के दृष्टिकोण को समझना, सहानुभूति विकसित करना, सुनने के कौशल में सुधार करना, सीमाएं निर्धारित करना और अपने हितों के लिए खड़े होना.

बांग्लादेश : रेफात अहमद ने ली प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ

एजेंसी। ढाका

सैयद रेफात अहमद ने रविवार को बांग्लादेश के नए प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली. इससे एक दिन पहले ओबैदुल हसन ने प्रधान न्यायाधीश के पद से इस्तीफा दे दिया था. न्यायमूर्ति हसन के अलावा शीर्ष अदालत की अपीलीय डिवीजन के पांच न्यायाधीशों ने भी पद से इस्तीफा दे दिया था. प्रधान न्यायाधीश (65) ने शनिवार को अपना निर्णय दोपहर करीब एक बजे उस समय घोषित किया, जब भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के प्रदर्शनकारी अदालत परिसर में एकत्र हुए. प्रदर्शनकारी छात्रों ने हसन और अपीलीय डिवीजन के न्यायाधीशों को दोपहर एक बजे तक इस्तीफा देने का समय दिया था.

'डेली स्टार' समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, अहमद ने स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12 बजकर 45 मिनट पर राष्ट्रपति के

आधिकारिक आवास के दरबार हॉल में एक समारोह के दौरान देश के नए प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली. रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने प्रधान न्यायाधीश को शपथ दिलाई. शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने मोहम्मद यूनुस भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए. इससे पहले राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने शनिवार को न्यायमूर्ति अहमद को बांग्लादेश का 25वां प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)